MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । मंगलवार, 06 अक्टूबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-274

नेमाराम का शव मिला!

हत्या की आशंका, थाने पर धरना

ओम प्रकाश सिरवी

हैदराबाद, 05 अक्टूबर । मेडचल-मलकाजगिरी जिले के गुंडलपोचमपल्ली क्षेत्र में कारोबारी नेमाराम चौधरी (61) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। 2 अक्टूबर को चिट्स फंड्स कलेक्शन के लिए घर से निकले नेमाराम वापस नहीं लौटे। परिवार के सदस्यों के अनुसार, उनके पास उस दिन की चिट्स फंड्स कलेक्शन की करीब 10 लाख रुपये की नकदी थी। दो दिन बाद मुरहरिपल्ली तालाब के किनारे उनका शव मिलने के बाद मामला गंभीर हो गया।

चिट्स फंड्स कलेक्शन की नकदी थी पास

परिवार और परिचितों के अनुसार नेमाराम चौधरी कारोबारी गतिविधियों से जुड़े थे और चिट्स फंड्स के कारोबार से भी संबंधित थे। परिजनों का कहना है कि 2 अक्टूबर को वह चिट्स फंड्स कलेक्शन के लिए घर से निकले थे और कलेक्शन की करीब 10 लाख रुपये की नकदी उनके पास थी। यही रकम अब पूरे मामले की जांच में अहम कड़ी मानी जा रही है।

हालांकि 10 लाख रुपये की रकम और उसके चिट्स फंड्स कलेक्शन से संबंधित होने की पुलिस की ओर से अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। यह जानकारी फिलहाल परिवार और परिचितों के हवाले से सामने आई है और पुलिस जांच में इसकी पुष्टि होना बाकी है।

घर नहीं लौटे तो शुरू हुई तलाश

2 अक्टूबर को घर से निकलने के बाद नेमाराम जब देर तक वापस नहीं लौटे तो परिवार और रिश्तेदारों ने उनकी तलाश शुरू की। परिचितों को फोन कर उनके बारे में जानकारी जुटाने का प्रयास किया गया, लेकिन कोई ठोस सुराग नहीं मिला। इसके बाद स्थानीय पुलिस से संपर्क किया गया और नेमाराम के लापता होने की शिकायत दर्ज कराए जाने की जानकारी सामने आई।

तालाब किनारे मिला शव, हत्या की और झुका पुरा मामला

लगातार तलाश के बीच दो दिन बाद मुरहरिपल्ली तालाब के किनारे नेमाराम का शव मिला। रिश्तेदारों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। मौके पर पहुंची पेट बशीराबाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की और मौत के कारणों की जांच शुरू कर दी।

शव की स्थिति को लेकर परिवार और रिश्तेदारों ने हत्या की आशंका जताई है। परिजनों का आरोप है कि किसी परिचित व्यक्ति ने नेमाराम की हत्या करने के बाद शव को झील के किनारे लाकर फेंका हो सकता है। परिवार की ओर से यह संदेह भी जताया गया कि शव को जलाने की कोशिश की गई हो सकती है।

हालांकि, शव को जलाने का प्रयास हुआ था या नहीं, इसकी अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पोस्टमार्टम और फोरेंसिक जांच के बाद ही इस संबंध में स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

कथित 10 लाख की नकदी कहां गई ?

मामले में चिट्स फंड्स कलेक्शन की करीब 10 लाख रुपये की नकदी सबसे अहम सवाल बन गई है। परिवार के अनुसार नेमाराम यह रकम अपने पास लेकर घर से निकले थे। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि उनके पास वास्तव में कितनी रकम थी, रकम कहां गई ? और क्या नकदी तथा उनकी मौत के बीच कोई संबंध है ?

यदि परिवार द्वारा बताई गई रकम की पुष्टि होती है तो नकदी का पता लगाना जांच का महत्वपूर्ण हिस्सा होगा। पुलिस घटनाक्रम की कड़ियों को जोड़ने के लिए मोबाइल लोकेशन, कॉल रिकॉर्ड, सीसीटीवी फुटेज और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों की जांच कर सकती है।

थाने के सामने बड़ी संख्या में प्रवासी राजस्थानी समाज के जुटे लोग

नेमाराम की मौत के बाद सोमवार सुबह पेट बशीराबाद पुलिस थाने के सामने बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हुए और धरना प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में प्रवासी राजस्थानी समाज के लोग शामिल हुए। उनके साथ सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय लोग भी मौजूद रहे।

प्रदर्शनकारियों ने नेमाराम की मौत की निष्पक्ष और जल्द जांच की मांग की। परिवार की ओर से हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस से मामले की गुत्थी जल्द सुलझाने तथा दोषियों की पहचान कर कार्रवाई करने की मांग रखी गई।

पुलिस ने दिया जल्द कार्रवाई का भरोसा

धरना प्रदर्शन के दौरान पुलिस अधिकारियों ने परिवार, सामाजिक कार्यकर्ताओं और प्रदर्शनकारियों से बातचीत की। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ाने का आश्वासन दिया।

▶8 पर

काली थार ने बढ़ाया नेमाराम चौधरी की मौत का रहस्य

नेमाराम चौधरी की मौत के मामले में सामने आए सीसीटीवी दृश्य ने जांच को एक नई दिशा दी है। घटना से पहले के समय में एक काली थार सड़क से गुजरती दिखाई दे रही है। दृश्य में वाहन का पिछला हिस्सा साफ नजर आता है, लेकिन वाहन के भीतर बैठे लोगों की पहचान स्पष्ट नहीं हो पा रही है।

फिलहाल यह पुष्टि नहीं हुई है कि इस काली थार में नेमाराम चौधरी ही सवार थे या उनके साथ कोई अन्य व्यक्ति मौजूद था। इसलिए केवल इस सीसीटीवी दृश्य के आधार पर किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी।

पुलिस आसपास लगे अन्य सीसीटीवी कैमरों के दृश्य खंगालकर थार के आने-जाने के मार्ग का पता लगाने की कोशिश कर रही है। वाहन का नंबर, गुजरने का समय और उसकी दिशा की जानकारी मिलने पर जांच को आगे बढ़ाने में मदद मिल सकती है। यदि अलग-अलग स्थानों के सीसीटीवी दृश्यों को जोड़कर थार की पूरी आवाजाही सामने आती है, तो नेमाराम की अंतिम गतिविधियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। फिलहाल काली थार जांच का महत्वपूर्ण बिंदु बनी हुई है, लेकिन उसे नेमाराम की अंतिम मौजूदगी का प्रमाण मानना अभी उचित नहीं होगा।

नहीं बदला 'सर'

राहुल पोस्ट भ्रामक : आयोग

नई दिल्ली, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान फॉर्म-6 में बदलाव किए जाने के आरोपों से इनकार किया है। आयोग का कहना है कि उसने मूल फॉर्म-6 में कॉमा या पूर्ण विराम तक में कोई बदलाव नहीं किया है। आयोग ने स्पष्ट किया कि एसआईआर के दौरान फॉर्म-6 के साथ केवल एक अतिरिक्त घोषणा-पत्र जोड़ा गया था।

चुनाव आयोग के अनुसार, पिछले वर्ष बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान इसका प्रोटोकॉल तैयार किया गया था। इस प्रोटोकॉल को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी। सुनवाई के बाद अदालत ने प्रोटोकॉल को चुनाव आयोग को प्राप्त संवैधानिक शक्तियों के दायरे में माना था। आयोग का कहना है कि अतिरिक्त घोषणा-पत्र भी इसी प्रोटोकॉल का हिस्सा था।

राहुल गांधी के दावे को आयोग ने बताया गलत

चुनाव आयोग ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की ओर से किए गए दावे का तथ्य-जांच के माध्यम से खंडन किया है। आयोग ने कहा कि राहुल गांधी की पोस्ट में किया गया दावा गुमराह करने वाला है।आयोग ने कहा कि बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए 24 जून 2025 को जारी आदेश चुनाव आयोग की सर्वसम्मति से मंजूरी के बाद जारी किया गया था। आयोग के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट ने 27 मई 2026 के अपने फैसले में इस आदेश को सही ठहराया है। चुनाव आयोग ने 26 सितंबर 2026 को जारी अपने प्रेस नोट संख्या 120 के बिंदु 1(iii) में भी कहा था कि विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए फॉर्म-6 के साथ लगाए गए घोषणा-पत्र को सुप्रीम कोर्ट ने सही ठहराया है।

राहुल गांधी ने लगाया था गैरकानूनी बदलाव का आरोप

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद आरोप लगाया था कि अब यह बात बिना किसी शक के साबित हो चुकी है कि ज्ञानेश कुमार ने गैरकानूनी और एकतरफा तरीके से फॉर्म-6 में बदलाव किया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह इस बात का एक और सबूत है कि ज्ञानेश कुमार ने भारतीय जनता पार्टी की मदद करने के लिए अपने पद का गलत इस्तेमाल किया।राहुल गांधी ने कहा था कि वह और लोकतंत्र पर हुए इस कथित आपराधिक हमले में शामिल हर व्यक्ति को इसके लिए जवाबदेह ठहराया जाएगा।

सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा ?

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि उसने अलग-अलग राज्यों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान चुनाव आयोग द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे फॉर्म-6 में किसी भी बदलाव को मंजूरी नहीं दी है। ▶8 पर

संजय का यू-टर्न : हाथ जोड़कर मांगी माफी

नई दिल्ली, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)। अभिनेता संजय दत्त इन दिनों अपने एक बयान को लेकर चर्चा में हैं। शेखर सुमन के कार्यक्रम 'शेखर टुनाइट' में भारत में शांति को लेकर दिए गए उनके बयान ने सामाजिक माध्यमों पर काफी हलचल पैदा कर दी थी। विवाद बढ़ने के बाद संजय दत्त ने पहले लिखित सफाई दी और फिर एक वीडियो जारी कर स्पष्ट किया कि कार्यक्रम में कही गई बातें उनकी निजी सोच नहीं थीं, बल्कि पटकथा के अनुसार किए गए एक खंड का हिस्सा थीं। हालांकि, अब यह मामला एक और मोड़ ले चुका है। संजय दत्त का यही सफाई वाला वीडियो सामाजिक माध्यमों पर तेजी से प्रसारित हो रहा है और कई लोग इसे वास्तविक मानने को तैयार नहीं हैं। कुछ लोगों ने इसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता से बनाया हुआ वीडियो बताया है, जबकि कुछ का कहना है कि वीडियो में सुनाई देने वाली आवाज भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तैयार की गई प्रतीत होती है।

दरअसल, शेखर सुमन के कार्यक्रम में संजय दत्त ने कहा था कि भारत के लोग बहुत प्यारे और बड़े दिल वाले हैं, लेकिन उन्हें अब देश में पहले जैसी शांति महसूस नहीं होती। उनके इस बयान के बाद सामाजिक माध्यमों पर उनकी जमकर आलोचना हुई। इसके बाद संजय दत्त ने लिखित सफाई देते हुए कहा था कि उनका उद्देश्य किसी व्यक्ति, समुदाय या संस्था की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था। उन्होंने स्पष्ट किया कि बातचीत का संदर्भ पटकथा के अनुसार तैयार किया गया हल्का-फुल्का और हास्य से जुड़ा था।

इसके बाद उनका एक वीडियो सामने आया, जिसमें वह सीधे कैमरे के सामने अपनी बात रखते नजर आए। संजय दत्त ने कहा कि सामाजिक माध्यमों पर कई लोगों ने कार्यक्रम में कही गई बातों को लेकर उनसे संपर्क किया। उन्होंने लोगों की भावनाओं को समझने की बात कही और बताया कि कार्यक्रम में कही गई बातें पटकथा के अनुसार निभाए गए ▶8 पर

झुका बांग्लादेश : रहमान की भारत यात्रा की संभावना

नई दिल्ली, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश के विदेश राज्य मंत्री हुमायूं कबीर ने सोमवार को कहा कि बांग्लादेश ने कभी भी प्रधानमंत्री तारिक रहमान की भारत यात्रा की संभावना को खारिज नहीं किया है। उन्होंने कहा कि दोनों पड़ोसी देशों के बीच संबंधों में तनाव के बावजूद उचित द्विपक्षीय ढांचे के तहत इस यात्रा को अंतिम रूप देने के लिए बातचीत चल रही है।

ढाका में एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बातचीत में कबीर ने कहा कि किसी दूसरे देश के साथ संबंध बनाए रखने के लिए द्विपक्षीय बातचीत जरूरी है। उन्होंने कहा, यह यात्रा द्विपक्षीय होगी।

हुमायूं कबीर ने भारत-बांग्लादेश द्विपक्षीय संबंधों के सामने मौजूद चुनौतियों को स्वीकार करते हुए कहा कि ढाका का मानना है कि बातचीत के जरिए इन चुनौतियों को दूर किया जा सकता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि बांग्लादेश ने प्रधानमंत्री की भारत यात्रा की संभावना को कभी खारिज नहीं किया।

उन्होंने कहा, सिर्फ फोन कॉल से कुछ भी हल नहीं होता। हम बातचीत कर रहे हैं और चीजें सकारात्मक हैं। जब कबीर से पूछा गया कि क्या प्रधानमंत्री तारिक रहमान इस साल भारत का दौरा कर सकते हैं, तो उन्होंने कोई निश्चित समय-सीमा नहीं बताई। उन्होंने कहा कि ढाका चाहता है कि यह यात्रा अनुकूल माहौल में और उचित द्विपक्षीय ढांचे के भीतर हो। उन्होंने कहा, उच्च-स्तरीय बातचीत तब होगी, जब उच्चस्तरीय यात्रा होगी। उन्होंने आगे कहा कि अधिकारियों के स्तर पर बातचीत के जरिए पहले अनुकूल माहौल तैयार करने की जरूरत है।

कबीर ने बांग्लादेश में भारत के उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी की भी तारीफ की और कहा कि वह अच्छा काम कर रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि नई दिल्ली बांग्लादेश की मौजूदा स्थिति के बारे में भारतीय उच्चायुक्त के आकलन पर सकारात्मक रुख अपनाएगी।

ये टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं, जब ढाका और नई दिल्ली पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंधों को संभालने की कोशिश कर रहे हैं। ▶8 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 32^0
न्यूनतम : 21^0

आप ने दिया हाथ!

सर के खिलाफ इंडिया से किनारा

नई दिल्ली, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)।

'इंडिया' गठबंधन 6 अक्टूबर को दिल्ली में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित गड़बड़ियों को लेकर चुनाव आयोग के खिलाफ बड़ा विरोध प्रदर्शन करने जा रहा है। इससे पहले आम आदमी पार्टी ने स्पष्ट कर दिया है कि वह इस प्रदर्शन का हिस्सा नहीं बनेगी। पार्टी का कहना है कि वह इस मुद्दे पर अपनी लड़ाई अपने तरीके से और अकेले लड़ रही है। संसद भवन परिसर में मीडिया से बातचीत करते हुए आम आदमी पार्टी के नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ देशभर में अलग-अलग स्थानों पर विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं। संजय सिंह ने कहा, जहां तक कल यानी 6 अक्टूबर के प्रदर्शन की बात है, तो यह 'इंडिया' गठबंधन का प्रदर्शन है। इसलिए आम आदमी पार्टी इसका हिस्सा नहीं है। हम इस लड़ाई को अपने तरीके से ▶8 पर

धारा-16 कवच काम का नहीं

ज्ञानेश का बचना मुश्किल

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त यानी सीईसी का पद देश की चुनावी व्यवस्था में बेहद संवेदनशील है। वह पूरे देश की लोकतांत्रिक और चुनाव व्यवस्था का महत्वपूर्ण अधिकारी होता है। भारत के राष्ट्रपति मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्त की नियुक्ति करते हैं। इससे पहले एक चयन समिति मुख्य चुनाव आयुक्त के नाम पर अंतिम मुहर लगाती है। इस चयन समिति में प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष और एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री होते हैं।

क्या भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ मुकदमा चलाया जा सकता है?

संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत चुनाव आयोग को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव कराने का दायित्व सौंपा गया है। इस स्वतंत्रता की रक्षा के लिए मुख्य चुनाव आयुक्त को विशेष कानूनी संरक्षण प्रदान किया गया है। इसका अर्थ यह है कि कोई भी अदालत मुख्य चुनाव आयुक्त या चुनाव आयुक्त के खिलाफ सिविल या आपराधिक मुकदमा नहीं चला सकती। शर्त यह है कि जिस कार्य को आधार बनाकर मुख्य चुनाव आयुक्त या चुनाव आयुक्त के खिलाफ मुकदमा करने की कोशिश की जा रही है, वह कार्य उनके आधिकारिक कर्तव्य या कार्य के निर्वहन में अथवा उसके दौरान किया गया हो।

इस संबंध में वर्ष 2023 में पारित मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम की धारा 16 में स्पष्ट प्रावधान है। इसके अनुसार, कोई भी अदालत मुख्य चुनाव आयुक्त या चुनाव आयुक्त (वर्तमान या पूर्व) के खिलाफ सिविल या आपराधिक कार्यवाही नहीं चला सकती, यदि वह कार्य उनके आधिकारिक कर्तव्य या कार्य के निर्वहन में अथवा उसके दौरान किया गया हो। मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों को मुकदमे के खिलाफ यह कानूनी सुरक्षा आजीवन मिली हुई है और इसका प्रभाव उनके सेवानिवृत्त होने के बाद भी रहता है। यानी किसी मुख्य चुनाव आयुक्त या चुनाव आयुक्त के सेवानिवृत्त होने के बाद भी उनके उस कार्य के लिए मुकदमा नहीं चलाया जा सकता, जो उन्होंने मुख्य चुनाव ▶8 पर

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बलूचिस्तान प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध फिर भी गरीबी और तस्करी से जूझ रहा

भौगोलिक परिस्थितियां यहां अवैध कारोबार के लिए पैदा करती हैं अनुकूल परिस्थितियां

क्वेटा

पाकिस्तान का बलूचिस्तान प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध होने के बावजूद लंबे समय से गरीबी, बेरोजगारी, कमजोर बुनियादी सुविधाओं और सुरक्षा संकट से जूझ रहा है। रणनीतिक रूप से यह क्षेत्र अफगानिस्तान और ईरान की सीमाओं से जुड़ा होने के कारण अवैध तस्करी के नेटवर्क के लिए भी संवेदनशील माना जाता है। विशेषज्ञों के मुताबिक कमजोर आर्थिक अवसर और सीमावर्ती इलाकों की भौगोलिक परिस्थितियां यहां अवैध कारोबार के लिए अनुकूल परिस्थितियां पैदा करती हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक अफगानिस्तान, पाकिस्तान और ईरान के आसपास का क्षेत्र लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी मार्गों से जुड़ा रहा है। इसी व्यापक क्षेत्र को अक्सर गोल्डन क्रेसेंट कहा जाता है। अफीम और हेरोइन के साथ अब सिंथेटिक ड्रग्स, विशेष रूप से मेथामफेटामिन की तस्करी भी क्षेत्रीय सुरक्षा एजेंसियों के लिए चुनौती बनी हुई है। संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय की रिपोर्ट के मुताबिक अफगानिस्तान में अफीम उत्पादन पर प्रतिबंध के बाद ओपिएट की उपलब्धता और जब्ती में गिरावट आई है, लेकिन मेथामफेटामिन की तस्करी में कमी नहीं दीखी।

रिपोर्ट के मुताबिक बलूचिस्तान की लंबी और दुर्गम सीमाएं तस्करी रोकने में बड़ी चुनौती पेश करती हैं। नशीले पदार्थों के अलावा ईंधन, हथियार और अन्य प्रतिबंधित सामान की अवैध आवाजाही भी क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था पर दबाव डालती रही है। सीमावर्ती इलाकों में रोजगार के सीमित अवसरों के कारण स्थानीय स्तर पर अवैध गतिविधियों से जुड़ने का जोखिम भी बढ़ता है। अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई का दावा किया गया है। संयुक्त राष्ट्र की निगरानी रिपोर्ट बताती है कि प्रतिबंध के बावजूद बड़े पैमाने पर तस्करी समाप्त नहीं हुई है। छोटे स्तर के तस्करों पर कार्रवाई का असर दिखाई देता है, लेकिन बड़े तस्करी नेटवर्क और सिंथेटिक ड्रग्स की आवाजाही चिंता का विषय बनी हुई है। बलूचिस्तान की समस्या केवल नशे की तस्करी तक सीमित नहीं है। पाकिस्तान का यह प्रांत खनिज संसाधनों के कारण भी रणनीतिक महत्व रखता है, लेकिन संसाधनों के इस्तेमाल, स्थानीय हिस्सेदारी और विकास को लेकर लंबे समय से असंतोष बना हुआ है। ऐसे में बलूचिस्तान के सामने सबसे बड़ी चुनौती गरीबी और बेरोजगारी से निपटने के साथ सीमापार अपराध और मादक पदार्थों के नेटवर्क पर प्रभावी अंकुश लगाने की है।

न्यूज ब्रीफ

यमन में लाल सागर और अदन की खाड़ी के मुहाने पर आयल टैंकर के पास धमाके, चेतावनी जारी

अल मुखा (यमन)। लाल सागर और अदन की खाड़ी के मुहाने पर कमर्शियल जहाजों की सुरक्षा को लेकर चिंता एक बार फिर बढ़ गई हैं। यमन के शहर अल मुखा से लगभग 60 नाटिकल मील दक्षिण में एक आयल टैंकर के बहुत करीब कई धमाके हुए। यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड आपरेशन्स (यूकेएमटीओ) ने धमाकों के बाद इस इलाके से गुजरने वाले जहाजों के लिए एक्स पर चेतावनी जारी की। चेतावनी नंबर 151-26 के अनुसार, इस घटना की जानकारी जहाज के कंपनी सिक्योरिटी आफिसर (सीएसओ) ने दी। रिपोर्ट में कहा गया है कि जब जहाज अल मुखा के दक्षिण में जल क्षेत्र से गुजर रहा था, तो उसके बहुत करीब कई जोरदार धमाके देखे गए। अभी यह साफ नहीं है कि धमाकों का कारण क्या था या इनके पीछे कौन था। यूकेएमटीओ ने इस घटना को संदिग्ध गतिविधि बताया है। धमाकों के बाद सबसे राहत की बात यह है कि टैंकर का पूरा क्रू सुरक्षित बताया जा रहा है। यूएकेएमटीओ के अनुसार, घटना के बाद पर्यावरण को किसी तरह के नुकसान की भी सूचना नहीं मिली है। यानी फिलहाल समुद्र में तेल रिसाव या किसी अन्य पर्यावरणीय प्रभाव की रिपोर्ट नहीं है। यूएकेएमटीओ ने कहा है कि इस मामले की आधिकारिक जांच शुरू कर दी गई है। अभी यह साफ नहीं हुआ है कि धमाके सैन्य गतिविधि, मिसाइल या ड्रोन हमले, या किसी अन्य कारण से हुए। इसलिए, फिलहाल इस घटना को किसी खास समूह या देश से नहीं जोड़ा गया है।

ईरान के तेल मंत्री मोहसेन पाकनेजाद ने पद से दिया इस्तीफा

दुबई। ईरान के तेल मंत्री मोहसेन पाकनेजाद ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। हालांकि, उनके इस्तीफे की कोई वजह नहीं बताई गई है। राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने इस्तीफा स्वीकार करते हुए सरकारी स्वामित्व वाली नेशनल ईरानी आयल कंपनी (एनआईओसी) के प्रमुख हमीद बोवार्ड को कार्यवाहक तेल मंत्री नियुक्त किया है। पाकनेजाद अगस्त 2024 से ईरान के तेल मंत्री के पद पर थे। उनका इस्तीफा ऐसे समय हुआ है, जब ईरान की अर्थव्यवस्था पर अमेरिका के साथ सात महीने से जारी युद्ध और उससे जुड़े दबावों का असर पड़ रहा है। ईरानी सरकारी मीडिया ने राष्ट्रपति कार्यालय के एक अधिकारी के हवाले से कहा कि पेजेशकियन द्वारा पाकनेजाद का इस्तीफा स्वीकार किए जाने के बाद हमीद बोवार्ड को कार्यवाहक तेल मंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस्तीफा देने से पहले पाकनेजाद ने देश के तेल राजस्व को लेकर कहा था कि ईरान द्वारा बेचे गए तेल से होने वाली आय अब भी देश को मिल रही है और आगे भी इसके जारी रहने की उम्मीद है। ईरान ओपेक का प्रमुख सदस्य है और उसकी अर्थव्यवस्था में तेल क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसे में तेल मंत्रालय में यह बदलाव ऐसे समय हुआ है जब देश पहले से ही आर्थिक दबाव और युद्ध से उत्पन्न चुनौतियों का सामना कर रहा है।

मक्का पैक्ट में शामिल नहीं होगा मिस्र! ब्रिक्स में पीएम मोदी से बातचीत के बाद बदला मन

काहिरा। तुर्की, पाकिस्तान और सऊदी अरब के मक्का पैक्ट में मिस्र के भी शामिल होने को लेकर चर्चाएं चल रही थीं। हालांकि, अब मिस्र ने इसे लेकर अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। जानकारी के मुताबिक ब्रिक्स समिट में जब मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी ने पीएम मोदी से मुलाकात की तो मक्का समझौते, उसके क्षेत्रीय और व्यापक असर पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को और बढ़ाने के उपायों पर भी चर्चा की। मिस्र ने तुर्कीए को समझौते में शामिल होने की बात पर ठेंगा दिखा दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक मिस्र ने भारत की चिंताओं और अन्य कारकों को ध्यान में रखते हुए सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान के बीच रक्षा समझौते में शामिल न होने का फैसला किया। जानकारों ने बताया कि नई दिल्ली और काहिरा अरब दुनिया के एक अहम स्तंभ के तौर पर मिस्र के साथ अपनी रणनीतिक साझेदारी को और बढ़ाने के लिए काम करेंगे। मिस्र ब्रिक्स का सदस्य है और 2024 में इस समूह में शामिल हुआ था। तुर्की के बार-बार सुझावों के बावजूद मिस्र अब तक मक्का समझौते में शामिल होने से दूर रहा है। ऐसा उसने किसी का पक्ष न लेने की अपनी रणनीति और भारत के साथ बढ़ते रिश्तों के कारण किया है। पश्चिम एशिया के जानकारों का कहना है कि मक्का समझौते की उपयोगिता सीमित है क्योंकि नाटो या पुराने सा समझौते के विपरीत, इन तीनों देशों का कोई साझा दुश्मन या एक नेता नहीं है।

डब्ल्यूएचओ ने आगाह किया बच्चों में आंख के कैंसर को लेकर

जिनेवा

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के पूर्वी भूमध्यसागरीय क्षेत्रीय कार्यालय ने बच्चों में होने वाले एक दुर्लभ लेकिन गंभीर प्रकार के आंख के कैंसर, रेटिनोब्लास्टोमा, को लेकर लोगों को आगाह किया है। रेटिनोब्लास्टोमा वह कैंसर है जो आंख के पीछे मौजूद रेटिना में विकसित होता है। यह बीमारी मुख्य रूप से छोटे बच्चों को प्रभावित करती है और ज्यादातर मामले तीन साल से कम उम्र के बच्चों में देखे जाते हैं, जो इसे और भी चिंताजनक बना देता है। इस बीमारी की समय पर पहचान और उचित इलाज होने पर कुछ देशों में ठीक होने की दर 95 प्रतिशत से अधिक बताई गई है, यही वजह है कि इसके शुरुआती संकेतों को पहचानना बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है। रेटिनोब्लास्टोमा का एक प्रमुख शुरुआती संकेत बच्चे की आंख की पुतली (प्यूपिल) में असामान्य सफेद चमक दिखाई देना है।

आमतौर पर, कैमरे की फ्लैश या तेज रोशनी में बच्चों की आंखों में लाल रंग की सामान्य चमक दिखाई देती है, जो रेटिना से प्रकाश के परावर्तन के कारण होती है। लेकिन, अगर बच्चे की एक या दोनों आंखों की पुतली में लाल रंग के बजाय असामान्य रूप से सफेद चमक नजर आए, तो इसे कदापि सामान्य न मानें। इस सफेद चमक को कभी-कभी बिल्ली की आंख या ल्यूकोकोरिया भी कहा जाता है। यदि यह लक्षण बार-बार दिखाई दे रहा है या नोटिस किया जा रहा है, तो बच्चे की आंखों की तत्काल जांच कराना आवश्यक है। दूसरा महत्वपूर्ण संकेत है आंख का एक दिशा में मुड़ना या तिरछा होना। अगर बच्चा सामने देखते समय एक आंख को बार-बार अंदर की तरफ (अंदरूनी भेंगापन) या बाहर की तरफ (बाहरी भेंगापन) घुमाता है, तो इसे भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। इस स्थिति को चिकित्सकीय भाषा में स्ट्रैबिस्मस कहा जाता है। कई बार माता-पिता इसे केवल लेजी आई या सामान्य भेंगापन समझकर हल्के में ले लेते हैं, लेकिन कुछ मामलों में यह रेटिनोब्लास्टोमा का एक गंभीर संकेत भी हो सकता है। रेटिनोब्लास्टोमा एक आंख में भी विकसित हो सकता है और दोनों आंखों में भी।

इसके विकास में आरबी1 जीन में होने वाला बदलाव महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कुछ मामलों में यह बदलाव वंशानुगत होता है, जबकि कई मामलों में यह अपने आप विकसित होता है।

कंपनियां बना रही प्रोटीन और इलेक्ट्रोलाइट्स युक्त बीयर जैसे नए उत्पाद

ब्राजीलिया। कंपनियां बदलती ग्राहकों की पसंद को भुनाने के लिए, बाजार में नई रणनीतियाँ अपना रही हैं। स्वास्थ्य के प्रति लोगों में बढती जागरुकता को भी कंपनियां भुनाने में पीछे नहीं है। आंकड़े बताते हैं कि जेन-जी पीढ़ी, अपनी पिछली पीढ़ी की तुलना में कम नशा करती है और फिटनेस पर अधिक ध्यान केंद्रित करती है। इसी कडी में अब प्रोटीन और इलेक्ट्रोलाइट्स युक्त बीयर जैसे नए उत्पाद कंपनियों की सूची में शामिल हो गए हैं। दुनिया की सबसे बड़ी ब्रूअर कंपनियाँ, छोटी पैक साइज में ऐसी हेल्दी बीयर लाने की तैयारी कर रही हैं, जिनका लक्ष्य जिम जाने वाले और अपनी फिटनेस को लेकर जागरूक युवा हैं, जो पोषण से समझौता नहीं करना चाहते। ब्राजील में स्पेटन बीयर का प्रोटीन वाला संस्करण पहले ही लान्च किया जा चुका है, और अब कम कैलोरी तथा जीरो-अल्कोहल बीयर में भी प्रोटीन व इलेक्ट्रोलाइट्स जैसे फंक्शनल एलिमेंट्स मिलाकर इन्हें और लोकप्रिय बनाने की योजना है। इन कंपनियों का स्पष्ट उद्देश्य कभी-कभार बीयर पीने वाले लोगों में खपत बढ़ाना और स्वास्थ्य व कल्याण के बढ़ते चलन का लाभ उठाना है। लेकिन, इस नए हेल्दी वर्जन को लेकर एक महत्वपूर्ण सवाल उठता है: क्या प्रोटीन या इलेक्ट्रोलाइट्स मिलाने से अल्कोहलिक ड्रिंक्स वाकई हेल्दी हो जाती हैं इसका सीधा और स्पष्ट जवाब है: बिल्कुल भी नहीं। दरअसल, अल्कोहलिक उत्पादों पर प्रोटीन या इलेक्ट्रोलाइट्स जैसे स्वास्थ्यवर्धक तत्वों का लेबल लगाकर ग्राहकों को आकर्षित करना एक मार्केटिंग हथकंडा मात्र है। यह सत्य है कि प्रोटीन मिलाने से बीयर के कुछ पोषक तत्व बढ़ाए जा सकते हैं, लेकिन इससे शराब से होने वाले गंभीर नुकसानों को कम नहीं किया जा सकता। शराब (इथेनाल) एक साइकोएक्टिव और टाक्सिक पदार्थ है, जिसकी लत लगती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, शराब 200 से अधिक बीमारियों, चोटों और स्वास्थ्य समस्याओं से जुड़ी है। इसे कैंसर पैदा करने वाला भी माना जाता है और यह स्तन, लीवर, कोलोरेक्टल तथा इसोफेगल कैंसर का खतरा बढ़ाती है। ऐसे में, थोड़ा प्रोटीन मिलाने से बीयर को नियमित रूप से पीने लायक हेल्दी ड्रिंक नहीं माना जा सकता। इसी तरह, सोडियम और पोटैशियम जैसे इलेक्ट्रोलाइट्स शरीर में तरल संतुलन बनाए रखने में मदद करते हैं, खासकर जब शरीर में पानी की कमी हो। यह लंबी एक्सरसाइज, पसीना आने या कुछ बीमारियों में उपयोगी हो सकते हैं। हालांकि, अल्कोहल वाले पेय में इलेक्ट्रोलाइट्स मिलाने से वह स्वास्थ्यवर्धक नहीं बन जाता।

महिला जिहादी कमांडर खदरा ईसा की तलाश तेज, 48 करोड़ का है इनाम

वाशिंगटन

अमेरिका ने सीरिया में सक्रिय एक महिला जिहादी कमांडर खदरा ईसा की तलाश तेज कर दी है, जिसके लिए 50 लाख अमेरिकी डालर यानी लगभग 48 करोड़ रुपए का इनाम घोषित किया है। सोमालिया में जन्मी और डच नागरिक बताई जाने वाली खदरा ईसा को अमेरिकी एजेंसियों की वांटेड सूची में शामिल किया गया है, जहां उसे उम्म कका अल-सोमाली के नाम से जाना जाता है। अमेरिकी विदेश विभाग ने उस पर यह इनाम अप्रैल 2025 में की गई पिछली घोषणा के बाद दोबारा बढ़ाया है।

अमेरिकी एजेंसियों के मुताबिक खदरा ईसा का संबंध इस्लामिक स्टेट से जुड़े एक महिला संगठन खतीबा नुसायबा से रहा है। उसे इस संगठन में महिलाओं को धार्मिक और वैचारिक प्रशिक्षण देने वाली प्रमुख शरिया प्रशिक्षक के तौर पर देखा जाता है। अमेरिका का आरोप है कि ईसा ने इस्लामिक स्टेट की चरमपंथी विचारधारा की शिक्षा दी, जो आत्मघाती अभियानों और नागरिकों की हत्या को उचित ठहराती थी। उसने महिला सदस्यों की भर्ती की और ऐसे आदेश दिए जिनके परिणामस्वरूप कई हमले और हत्याएं हुईं।

विदेश विभाग के नोटिस में दावा किया है कि उसने एक ऐसे समूह का नेतृत्व किय। आतंकवादी संगठनों में

अमेरिका का आरोप-महिलाओं को इस्लामिक स्टेट की विचारधारा की शिक्षा दी

महिलाओं की भूमिका हमेशा एक समान नहीं रही है। लंबे समय तक महिलाओं को मुख्य रूप से आत्मघाती हमलों या सामान ले जाने जैसे अभियानों में इस्तेमाल किया जाता था, जहां सुरक्षा जांच से बचने की संभावना अधिक होती थी। बता दें लेबनान में सना मेहैदली और भारत के पूर्व पीएम राजीव गांधी को निशाना बनाने वाली एलटीटीई की सदस्य धनु जैसे कई उदाहरण हैं। बोको हराम ने भी बड़ी संख्या में महिला आत्मघाती हमलावरों का इस्तेमाल किया था।

अमेरिकी का आरोप है कि उसकी भूमिका केवल किसी अभियान में हिस्सा लेने तक सीमित नहीं थी, बल्कि उसे महिलाओं को वैचारिक और धार्मिक प्रशिक्षण देने, सदस्यों की भर्ती करने और संगठनात्मक गतिविधियों में भी अहम भूमिका निभाने वाली महिला के रूप में पेश किया गया है। इस्लामिक स्टेट ने 2014 में अल-खंसा ब्रिगेड का गठन कर महिलाओं को निगरानी और संगठन की विचारधारा के अनुरूप सामाजिक नियंत्रण बनाए रखने जैसी जिम्मेदारी दी थी।

ईरान ने स्टारलिंक आपरेशन्स को लेकर नार्वे के राजदूत को तलब किया

तेहरान। ईरान ने स्टारलिंक आपरेशन्स को लेकर नार्वे के राजदूत को तलब किया है। यह कदम ईरान के कुछ हिस्सों में बिना इजाजत चल रहे स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट आपरेशन्स पर ओस्लो की लगातार कोई कार्रवाई न करने की नीति के विरोध में उठाया गया है। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के सरकारी प्रेस टीवी ने जारी विवरण में कहा कि ईरान के विदेश मंत्रालय के डायरेक्टर जनरल मोहम्मद हसननेजाद पिरकूही ने राजदूत पाल ब्योर्नस्टैड को बुलाकर विरोध का आधिकारिक नोट सौंपा। पिरकूही ने अमेरिका और इजराइल पर आरोप लगाया कि वे स्टारलिंक का इस्तेमाल ईरान के खिलाफ हस्तक्षेप करने वाले एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए सुनियोजित तरीके से गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि स्टारलिंक का संबंध अमेरिकी अरबपति एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स से है। उन्होंने कहा कि नार्वे संयुक्त राष्ट्र के इंटरनेशनल टेलीकम्युनिकेशन यूनियन में स्टारलिंक सेवाओं के लिए रजिस्टर करने वाले देश के तौर पर अपनी कानूनी जिम्मेदारी को पूरा करने में नाकाम रहा है। उन्होंने कहा, नार्वे सरकार की यह जिम्मेदारी है कि वह ईरानी इलाके में बिना इजाजत स्टारलिंक ट्रांसमिशन को रोकने के लिए जरूरी कदम उठाए।

सऊदी-नेतृत्व वाले गठबंधन का यमन में हूती को हरा सरकार बहाली का संकल्प

सना (यमन)

सऊदी-नेतृत्व वाले गठबंधन ने यमन में सरकार को बहाल करने और हूती को हराने का संकल्प लिया है। यमन में लड़ रहे सऊदी-नेतृत्व वाले गठबंधन के प्रवक्ता मेजर-जनरल तुर्की अल-मलिकी का कहना है कि यह समूह यमनी सरकारी बलों को सरकार को बहाल करने और हूती के तख्तापलट को खत्म करने के लिए हर तरह की मदद देना जारी रखेगा।

अल-मलिकी ने एक्स में कहा कि यमन और सऊदी अरब ने लाल सागर व बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य में सऊदी जहाजों पर हूती हमलों की निंदा की। उन्होंने कहा कि सऊदी अरब अपनी सुरक्षा और संप्रभुता के साथ-साथ क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करना जारी रखेगा। उल्लेखनीय है कि 2022 में संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता से हुए संघर्ष विराम के बाद बड़े पैमाने पर लड़ाई रुकने के बाद नए सिरे से शुरू हुई झड़पें सबसे गंभीर हैं।

इस बीच यमन की प्रेसिडेंशियल लीडरशिप काउंसिल के प्रमुख रशाद अल-अलीमी ने ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के कब्जे वाले इलाकों को वापस लेने के लिए बड़े सैन्य अभियानों की शुरुआत की घोषणा की है। इस पर यमन के रक्षा विशेषज्ञ इब्राहिम जलाल का कहना है कि यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार और उसके सहयोगियों के सामने हूती एक ऐसे प्रतिद्वंद्वी के तौर पर खड़े हैं, जो हाल के वर्षों में एक बहुत ताकतवर सेना बन गए हैं।

उन्होंने कहा कि हूती अब बाब अल-मंदेब में तेजी से आगे बढ़ चुके हैं। अब वह अहम पहाड़ों पर कब्जा करके और ताइज शहर को अदन (यमनी सरकार की अंतरिम राजधानी) और लाहिज प्रांत से अलग-थलग करके अपनी बढ़त को सुरक्षित करने की कोशिश कर रहे हैं। इससे अदन पर दबाव बढ़ेगा और आर्थिक केंद्र यानी मारिब शहर की ओर इलाके पर कब्जा बढ़ाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि उस शहर पर अभी कम दबाव है, लेकिन संभावना है कि आखिरकार वह अगला मुख्य केंद्र बन जाएगा।

जलाल ने कहा कि हूती की ताकत और उनकी बढ़त ने सरकार और उसके सहयोगियों को अपनी रणनीति बदलने पर मजबूर किया है। यह राष्ट्रपति रशाद अल-अलीमी की बड़े नए सैन्य अभियान की घोषणा से पता

चलता है।

इस दौरान यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार के विदेशमंत्री अफराह अल-जोबा ने हूतियों को हराने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से और समर्थन मांगा है।

अफराह अल-जोबा ने एक्स पोस्ट पर कहा, हम अपने भाइयों, दोस्तों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील करते हैं कि वे यमन के लोगों, उनकी सरकार और उनके राष्ट्रीय संस्थानों का समर्थन करें। वे आतंकवादी हूती मिलिशिया का सामना कर रहे हैं। इस मिलिशिया और उसके अपराधों का दायरा यमन की सीमाओं से आगे निकल गया है। इसकी आक्रामकता को रोकना और इसके धोखेपूर्ण तख्तापलट को खत्म करना अब एक साझा राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय जिम्मेदारी और हित बन गया है, जिसके लिए मजबूत रुख और प्रभावी समर्थन की जरूरत है।

नेपाली कांग्रेस के महाधिवेशन में नेताओं का संदेश: राष्ट्रीय मुद्दों पर पक्ष-विपक्ष से ऊपर उठकर सहयोग जरूरी

काठमांडू

नेपाल के प्रमुख राजनीतिक दलों के शीर्ष नेताओं ने राष्ट्रीय मुद्दों पर सत्ता पक्ष और विपक्ष की सीमाओं से ऊपर उठकर सहयोग करने की प्रतिबद्धता जताई है। नेताओं ने कहा कि लोकतंत्र, संविधान, राष्ट्रीयता और आर्थिक रूपांतरण जैसे मुद्दों पर राजनीतिक दलों के बीच संवाद और सहकार्य अपरिहार्य है।

नेपाली कांग्रेस के 15वें महाधिवेशन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए सत्तारूढ़ राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (रास्वपा) के सभापति रवि लामिछाने, नेपाली कांग्रेस के सभापति गगन थापा, नेकपा के संयोजक पुष्पकमल दाहाल प्रचंड, एमाले महासचिव शंकर पोखरेल, पूर्व प्रधानमंत्री डा. बाबूराम भट्टराई, राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (राप्रपा) के अध्यक्ष राजेंद्र लिंगदेन, श्रम संस्कृति पार्टी के महासचिव आरेन राई और जसपा नेपाल के नेता शरतसिंह भंडारी सहित विभिन्न दलों के नेताओं ने राष्ट्रीय मुद्दों पर मिलकर काम करने पर

जोर दिया।

रास्वपा को छोड़कर अधिकांश दलों के नेताओं ने मौजूदा व्यवस्था, संविधान, लोकतंत्र और राष्ट्रीयता के सामने खतरे की ओर ध्यान दिलाया। वहीं रास्वपा ने कहा कि यदि लोकतंत्र पर खतरा आया तो जनता उसकी रक्षा करेगी।

नेपाली कांग्रेस सभापति गगन थापा ने कहा कि लोकतंत्र और जनता के दैनिक जीवन के बीच संबंध स्थापित करने की जिम्मेदारी कांग्रेस की है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक अधिकारों को नागरिकों के जीवन में महसूस होने वाली सेवाओं, अवसरों और आर्थिक विकास से नहीं जोड़ा गया तो लोकतंत्र के प्रति लोगों का विश्वास कमजोर हो जाएगा। थापा ने कहा कि कांग्रेस को पुरानी और नई पीढ़ी के बीच तथा लोकतंत्र और डिलीवरी के बीच पुल का काम करना होगा। उन्होंने कहा, कांग्रेस पुरानी और नई पीढ़ी के बीच पुल का काम करती है। लोकतंत्र और डिलीवरी के बीच भी कांग्रेस पुल का काम करेगी। पुल गिरा तो विश्वास भी गिर जाएगा।

रास्वपा सभापति रवि लामिछाने ने कहा कि देश से जुड़े सवालों के सामने राजनीतिक दल और झंडे का अंतर गौण हो जाता है। उन्होंने राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर सभी राजनीतिक शक्तियों को एकजुट होने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा, पार्टी की बात नहीं, जब देश और राष्ट्र की बात आती है, तब पार्टी और झंडा अलग नहीं होता। लामिछाने ने सरकार को लेकर चल रही चर्चाओं पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि सरकार जनमत से बनी है और इसके गिरने की बात नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा, यह सरकार नहीं गिरेगी, और जब सरकार नहीं गिरेगी तो सरकार गिरने की बात करने वाले ही बेहोश होकर गिरेंगे।

माओवादी नेता पुष्पकमल दाहाल प्रचंड ने कांग्रेस के भीतर अभी भी अलग रहे नेताओं और समूहों को साथ लेकर आगे बढ़ने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को और अधिक एकजुट बनाकर आगे बढ़ाने की जरूरत है और नए नेतृत्व को सभी को समेटने का प्रयास करना चाहिए। प्रचंड ने कहा कि शांति समझौते से जुड़े कुछ काम अभी भी पूरे होने बाकी हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इन कार्यों को पूरा नहीं किया गया तो देश फिर से संघर्ष की ओर जाने के जोखिम का सामना कर सकता है। उन्होंने कहा, शांति समझौते की कुछ चीजें अभी पूरी होनी बाकी हैं। यह पूरा नहीं हुआ तो देश फिर किसी दूसरे संघर्ष में जा सकता है। इसे गगन थापा को भी पूरा करना होगा।

स्मित मच्छार के साहस को सलाम, शीघ्र स्वस्थ हों वीर सपूत

हैदराबाद। हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने सोमवार को नियमित गौसेवा एवं अन्नसेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर इजरायली नागरिकों की जान बचाने में साहस और मानवता का परिचय देने वाले कैप्टन सुमित मच्छार के उत्तम स्वास्थ्य एवं शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की मंगलकामना की गई। राधे-राधे ग्रुप की ओर से सोमवार की गौसेवा एवं अन्नसेवा को उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना के साथ समर्पित किया गया।

इस अवसर पर राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि कैप्टन सुमित मच्छार ने संकट की घड़ी में जिस साहस और मानवीय संवेदना का परिचय दिया, वह हर किसी के लिए प्रेरणादायी है। दूसरों की जान बचाने के लिए आगे बढ़ना केवल बहादुरी नहीं, बल्कि मानवता के प्रति अपने कर्तव्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देना है। उनके इस साहस को राधे-राधे परिवार की ओर से नमन है।

जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि देश के लिए समर्पित और मानवता की रक्षा के लिए आगे आने वाले वीरों का सम्मान करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। कैप्टन सुमित मच्छार के उत्तम स्वास्थ्य के लिए आज सेवा के माध्यम से प्रार्थना की गई है। राधे-राधे परिवार ईश्वर से कामना करता है कि उन्हें शीघ्र पूर्ण स्वास्थ्य प्रदान हो और वे स्वस्थ होकर अपने परिवार तथा समाज के बीच लौटें।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप का सेवा अभियान किसी जाति, धर्म या वर्ग तक सीमित नहीं है। मानवता सबसे बड़ा धर्म है और जरूरतमंद की सेवा ही सच्ची ईश्वर आराधना है। गौसेवा, अन्नसेवा और जरूरतमंदों की सहायता के माध्यम से समूह लगातार इसी संदेश को समाज तक पहुंचाने का प्रयास कर रहा है।

कार्यक्रम में अनिल अग्रवाल धरशुवाले, दीप चंद अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, प्रवीण विजयवर्गीय, लता गोयल, महेश गोयल, जगन गुप्ता एवं वेंकट राव सहित राधे-राधे परिवार के सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने कैप्टन सुमित मच्छार के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ एवं उत्तम स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना की।

इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने कहा कि सेवा और संवेदना की भावना से किया गया प्रत्येक कार्य समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है।

राधे-राधे परिवार ने संकल्प व्यक्त किया कि सेवा, समर्पण और सहयोग की भावना के साथ गौसेवा एवं अन्नसेवा का यह अभियान निरंतर जारी रहेगा।

बस खराब होने पर यात्रियों से लगवाया धक्का, 25 मिनट तक बस अड्डे पर परेशान रहे यात्री

मदनूर, 5 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बांसवाड़ा डिपो की बस क्रमांक टीएस 08 जेड 0252 देगलूर से बांसवाड़ा जाते समय बिचकुंडा बस स्थानक पर अचानक बंद हो गई। बस करीब 25 मिनट तक चालू नहीं होने के कारण यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बस चालक और परिचालक ने बस में बैठे यात्रियों को नीचे उतारकर बस को धक्का लगवाया, जिसके बाद बस दोबारा चालू हो सकी। बताया गया कि नादुरुस्त (खराब) बस को धक्का देना उस स्थिति को दर्शाता है, जब कोई बस तकनीकी खराबी, जैसे बैटरी डाउन होना अथवा इंजन का चालू नहीं होना, के कारण सड़क पर रुक जाती है और उसे दोबारा चालू करने या किनारे लगाने के लिए लोगों को पीछे से धक्का लगाना पड़ता है।

स्थानीय यात्रियों के अनुसार, बस की बैटरी पूरी तरह डिस्चार्ज होने अथवा स्वयं चालू होने वाली प्रणाली के काम नहीं करने के कारण बस को धक्का देकर इंजन चालू करना पड़ा। ऐसी स्थिति में यात्रियों को भी बस से नीचे उतरकर धक्का लगाने के लिए मजबूर होना पड़ा।

स्थानीय जनता का कहना है कि बसों को डिपो से बाहर निकालने से पहले चालक एवं संबंधित कर्मचारियों द्वारा बस की स्थिति की अच्छी तरह जांच की जानी चाहिए। विशेष रूप से बैटरी, इंजन और स्वयं चालू होने वाली प्रणाली की जांच जरूरी है, ताकि रास्ते में बस खराब होने से यात्रियों को परेशानी का सामना न करना पड़े। स्थानीय जनता ने संबंधित अधिकारियों से इस मामले पर ध्यान देने और बसों की नियमित जांच सुनिश्चित करने की मांग की है।

किनवट में 'संघ शक्ति कलौ युगे' पर विशेष व्याख्यान 8 को

किनवट, 5 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर दुर्गा फाउंडेशन, किनवट द्वारा 'संघ शक्ति कलौ युगे' विषय पर विशेष कार्यक्रम 8 अक्टूबर को शाम 5:30 बजे कलावती गार्डन में आयोजित किया जाएगा। वरिष्ठ प्रचारक एवं भाजपा के पूर्व राज्य संगठन मंत्री प्रो. रविंद्रजी भुसारी विशेष व्याख्यान देंगे। कार्यक्रम में हिंगोली लोकसभा सांसद नागेश पाटिल अष्टिकर और राज्यसभा सांसद डॉ. अजीत गोपछाड़े उपस्थित रहेंगे। फाउंडेशन अध्यक्ष अक्षय भोयर एवं उपाध्यक्ष दुर्गा भोयर ने नागरिकों से बड़ी संख्या में उपस्थित रहने की अपील की है।

जैन समाज में क्षमापना समारोह एवं पाठशाला को नई दिशा देने की पहल

सिंधु भवन में हर्षोल्लास से हुआ क्षमापना समारोह, दीपावली बाद नए दृष्टिकोण के साथ पाठशाला के विकास का निर्णय

हैदराबाद, 05 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री सांचौरी वर्धमान जैन परिषद (सिकंदराबाद-हैदराबाद) की ओर से क्षमापना समारोह एवं 'खजाना खोजो' कार्यक्रम का आयोजन सिंधु भवन, सिंधी कॉलोनी में हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ किया गया। जैनरत्न रमेश पी. तातेड ने बताया कि कार्यक्रम में समाज के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष चम्पालाल चन्दन, निवर्तमान अध्यक्ष रमेश रांका, उपाध्यक्ष बाबूलाल दोशी, सचिव निमेश श्री श्री श्रीमाल, कोषाध्यक्ष मफतलाल भंसाली, सह-कोषाध्यक्ष रमेश मूनोत सहित मोतीलाल दोशी, मिलाप बोकाडिया, देवीचंद जैन, मिलाप बोकाडिया तथा संघ के अन्य सम्मानित सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

रमेश पी. तातेड ने बताया कि श्री सहस्त्रफणा पार्श्वनाथ मूर्तिपूजक जैन संघ, पाठशाला, जैन मंडल एवं महिला मंडल, रसूलपुरा की बैठक में पाठशाला के विकास को लेकर महत्वपूर्ण सुझावों पर चर्चा की गई। बैठक में दीपावली के बाद पाठशाला को नए दृष्टिकोण एवं नए उद्देश्य के साथ नई दिशा देने का निर्णय लिया गया।

उन्होंने बताया कि संजीवैया पार्क में क्षमायाचना कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इसमें पी.डी. जाकोटिया, गोयलजी, गोपाल बंग, राकेश बंग सहित समाज के बड़ी संख्या में जैन समाज के सदस्यों ने भाग लिया। इस अवसर पर सभी ने एक-दूसरे से 'मिच्छामि दुक्कडम्' कहकर परस्पर क्षमायाचना की और आपसी प्रेम, सद्भाव एवं मैत्री का संदेश दिया।

आसिफाबाद में गांजा के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई

आसिफाबाद, 5 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कुमुराम भीम आसिफाबाद जिले को गांजा मुक्त बनाने के अभियान के तहत पुलिस ने पिछले तीन दिनों में लिंगापुर, सिरपुर (यू) और केरामेरी थाना क्षेत्रों में विशेष तलाशी अभियान चलाकर करीब 500 गांजा के पौधे जब्त किए और पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। जब्त गांजा की अनुमानित कीमत करीब 50 लाख रुपये है।

पुलिस अधीक्षक नितिका पंत ने बताया कि वर्ष 2026 में अब तक गांजा की खेती के 23 मामलों में 27 आरोपियों को गिरफ्तार कर 2.36 करोड़ रुपये मूल्य के 2,366 पौधे जब्त किए गए हैं। उन्होंने अवैध खेती, परिवहन और बिक्री में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी देते हुए जनता से ऐसी गतिविधियों की सूचना पुलिस को देने की अपील की।

थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए रक्तदान शिविर, 515 लोगों ने किया रक्तदान

हैदराबाद, 5 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो): थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों की मदद के लिए पैगाम-ए-इंसानियत फोरम (ईस्ट जोन, हैदराबाद) द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में लोगों ने जबरदस्त प्रतिक्रिया दी। शिविर में 515 लोगों ने रक्तदान कर नियमित रक्त आधान पर निर्भर बच्चों के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया।शिविर का मुख्य उद्देश्य थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों के लिए नियमित और समय पर रक्त की आपूर्ति सुनिश्चित करना था। थैलेसीमिया एक गंभीर आनुवंशिक रक्त विकार है, जिसमें शरीर पर्याप्त स्वस्थ हीमोग्लोबिन नहीं बना पाता और लगातार एनीमिया बना रहता है।

टीएससीएस (थैलेसीमिया सिकल सेल सेंटर) के अध्यक्ष डॉ. चंद्रकांत अग्रवाल, सीईओ एवं सचिव डॉ. सुमन जैन, संयुक्त सचिव श्री अलीम बेग तथा उपाध्यक्ष श्रीमती रत्नावली कोटापल्ली ने रक्तदान शिविर के लिए आभार व्यक्त किया। हैदराबाद में टीएससीएस वर्तमान में लगभग 4,800 बच्चों का उपचार कर रहा है। इतने बड़ी संख्या में मरीजों के लिए निरंतर रक्त आपूर्ति सुनिश्चित करना बड़ी चुनौती बना हुआ है।

यह रक्तदान अभियान अखिल भारतीय पैगाम-ए-इंसानियत फोरम की विभिन्न मानवीय और कल्याणकारी गतिविधियों का हिस्सा है और लगभग पांच वर्षों से लगातार चलाया जा रहा है। फोरम न केवल मरीजों को आवश्यक रक्त उपलब्ध कराने में मदद करता है, बल्कि मानवता, करुणा, निस्वार्थ भाव और पारस्परिक सहयोग के मूल्यों को भी बढ़ावा देता है।

कार्यक्रम में लखनऊ से विशेष रूप से आए मौलाना मुहम्मद नफीस खान नदवी (प्रोफेसर, दारुल उलूम नदवतुल उलेमा, लखनऊ) और मौलाना फिरोज अहमद नदवी सहित कई गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। उन्होंने रक्तदान अभियान में भाग लिया और फोरम टीम के समर्पित प्रयासों की सराहना की।

ईस्ट जोन यूनिट के प्रभारी मौलाना सैयद कुतुबुद्दीन नदवी ने मेहमानों का स्वागत किया, आवश्यक व्यवस्थाएं कीं और फोरम के उद्देश्यों तथा मानवीय गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। अतिथियों और प्रतिभागियों ने फोरम के निरंतर मानवीय प्रयासों की सराहना की और भविष्य में इसी तरह की पहलों के लिए सहयोग का आश्वासन दिया।

515 रक्तदाताओं के साथ सफल रहा यह शिविर हैदराबादवासियों में बढ़ती करुणा और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को दर्शाता है।

मंथानी में काका गड्डम वेंकटस्वामी की जयंती मनाई

पेद्दापल्ली, 05 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जननेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री काका गद्दाम वेंकटस्वामी की जयंती पर मंथानी में टीआरएस कार्यकर्ताओं ने उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर गरीबों, श्रमिकों और कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए उनके योगदान को याद किया गया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि काका की जनसेवा और विचारधारा आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायक रहेगी। कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं के साथ स्थानीय लोग और उनके प्रशंसक उपस्थित रहे।

महानुभावों की भावना से प्रेरणा लेकर कर्तव्य निभाएं : कलेक्टर

पेद्दापल्ली, 5 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर कोया श्री हर्ष ने कहा कि हमें महानुभावों के जीवन और भावना से प्रेरणा लेकर समाज के कमजोर वर्गों की सहायता के लिए कार्य करना चाहिए। सोमवार को एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट के सम्मेलन कक्ष में गद्दाम वेंकटस्वामी (काका) की जयंती समारोह आयोजित किया गया। कलेक्टर ने अतिरिक्त कलेक्टर बी. श्रीरामुलु के साथ दीप प्रज्वलित कर काका वेंकटस्वामी की प्रतिमा पर पुष्पमाला अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

काका वेंकटस्वामी की 97वीं जयंती पर श्रद्धांजलि

पेद्दापल्ली, 5 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। दिवंगत पूर्व केंद्रीय मंत्री काका गद्दाम वेंकटस्वामी की 97वीं जयंती पर सरकारी सचेतक एवं पेद्दापल्ली विधायक चिंतकुंता विजयरामन राव ने सुल्तानाबाद नगर केंद्र स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष-उपाध्यक्ष, नगर आयुक्त, बाजार समिति पदाधिकारी, पार्षद, जनप्रतिनिधि, सरपंच, कांग्रेस नेता-कार्यकर्ता एवं काका के प्रशंसक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

नेशनल सिल्क एक्सपो का उद्घाटन

नौ दिवसीय प्रदर्शनी शुरू, बुनकरों को बाजार उपलब्ध कराना उद्देश्य

हैदराबाद, 05 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। 'मिस स्ट्रॉन्ग एंड ब्यूटीफुल 2026' की विजेता क्रोविडी श्री लहरी ने हैदराबाद के बंजारा हिल्स, रोड नंबर 12 स्थित कलिंगा कल्चरल सेंटर में नौ दिनों तक चलने वाले 'नेशनल सिल्क एक्सपो-2026' का उद्घाटन किया। इस प्रदर्शनी का आयोजन 'जगदीश्वर हस्तकला' द्वारा किया गया है। एक्सपो 11 अक्टूबर 2026 तक चलेगा।

इस अवसर पर सुश्री श्री लहरी ने कहा, ऐसे मंच की जरूरत है, जिससे उन महिलाओं तक पहुंचा जा सके, जो अच्छे डिजाइन वाले हाथ से बने सूती और रेशमी कपड़े, विशेष रेशमी साड़ियां और हथकरघा उत्पाद एक ही स्थान पर प्राप्त करना चाहती हैं।

प्रदर्शनी के आयोजक जयेश कुमार ने मीडिया से बातचीत में कहा कि इस हथकरघा प्रदर्शनी का मुख्य सामाजिक उद्देश्य बुनकरों को बढ़ावा देना और हथकरघा उद्योग को प्रोत्साहित कर उन्हें बाजार उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा, इन प्रदर्शनियों के माध्यम से हम बुनकरों और उनके हाथ से बुने कपड़ों के लिए अच्छा बाजार उपलब्ध कराने में सफल रहे हैं। यहां तक कि उन स्थानों पर भी, जहां प्रदर्शनी आयोजित करना संभव नहीं होता। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य शुद्ध रेशम और सूती उत्पादों को बिना किसी बिचौलिए के सीधे बुनकरों से ग्राहकों तक पहुंचाना है।

पेद्दापल्ली में रोजगार मेला 9 को

पेद्दापल्ली, 5 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला रोजगार अधिकारी एम. राजशेखर ने बताया कि बेरोजगार युवाओं के लिए 9 अक्टूबर को सुबह 10 बजे एकीकृत जिला कलेक्टर कार्यालय के प्रथम तल स्थित जिला रोजगार अधिकारी कार्यालय, कमरा नंबर 233 में रोजगार मेले का आयोजन होगा। केके एंटरप्राइजेज में सोलर फिटिंग तकनीशियन के 10 और बिक्री कार्यकारी/बिक्री अधिकारी के 30 पद उपलब्ध हैं। तकनीशियन पद के लिए यांत्रिक/विद्युत पृष्ठभूमि तथा बिक्री पदों के लिए दसवीं, बारहवीं, स्नातक या एमबीए योग्य अभ्यर्थी पात्र हैं। वेतन क्रमशः 15 हजार और 20 हजार रुपये प्रतिमाह है। अधिक जानकारी के लिए 8985336347 और 8121252443 पर संपर्क किया जा सकता है।

महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण पर जोर, 6.94 करोड़ के ऋण चेक वितरित

पेद्दापल्ली, 5 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सुल्तानाबाद के यशोदा नरहरि समारोह हॉल में इंदिरा महिला शक्ति कार्यक्रम के तहत राज्य सरकार के सचेतक एवं पेद्दापल्ली विधायक चिंताकुंता विजयरामन राव ने महिलाओं को इंदिराम्मा साड़ियां वितरित कीं। इस अवसर पर महिला समूहों को बैंक लिंकेज ऋण के तहत 6.94 करोड़ रुपये के चेक सौंपे गए।विजयरामन राव ने कहा कि रेवंथ सरकार एक करोड़ महिलाओं को करोड़पति बनाने की दिशा में कार्य कर रही है और महिलाओं का कल्याण सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि महिला समूहों के लिए पेट्रोल पंप, इंदिराम्मा बसें और इंदिरा महिला कैंटीन स्थापित करने के प्रयास जारी हैं। कार्यक्रम में नगर पालिका पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, कांग्रेस नेता-कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में महिला समूहों की सदस्य उपस्थित रहीं।

मन शांत होने पर सफल होता है ध्यान

जागरण संवाददाता, ऋषिकेश। विख्यात संत आचार्य सुधांशु महाराज ने कहा कि मनुष्य जीवन में निराशा, दु:ख और अवसाद का प्रभावशाली समाधान ध्यान साधना है, मन के शांत होने पर ही ध्यान सफल होता है। परमार्थ निकेतन में विश्व जागृति मिशन के तत्वावधान में आयोजित ध्यान एवं श्री साधना शिविर का उद्घाटन करते हुए मिशन के संस्थापक आचार्य सुधांशु महाराज ने कहा कि जीवन में मनुष्य को अनुशासन लाना चाहिए नियम बनाने चाहिए आचार विचार और स्वभाव में सुधार से मन शांति की ओर बढेगा। जीवन एक उत्सव है इसे उत्सव के रूप में जी कर समय का सदुपयोग करना चाहिए। महात्मा गांधी के आदर्श इस बात के उदाहरण हैं। सुधांशु महाराज ने कहा कि माथे पर शीतलता, चेहरे पर प्रसन्नता, वाणी में मधुरता, अंगों में स्फूर्ति का भाव मनुष्य जीवन का श्रृंगार है। उन्होंने साधकों को प्राणायाम की क्रियाएं सिखाई। ओंकार ध्वनि को ध्यान का प्रथम चरण बताया। योग गुरू डा. अर्चिका दीदी ने कहा कि अपनी चेतना का परम चेतना से जोडना ही ध्यान है। अपनी चेतना को परम को सौंप दे परमेश्वर की ओर चलकर ही आनंद प्रेम और सुरक्षा प्राप्त होती है। इस अवसर पर विश्व जागृति मिशन प्रकाशन विभाग के संपादक डा. नागेंद्र मदान आदि उपस्थित थे।

कहते हैं, जो काल भैरव की शरण में जाता, वह शिव के परमधाम कैलाश पर प्रस्थान करता है

श्री काल भैरवाष्टमी का व्रत मार्गशीर्ष कृष्ण अष्टमी के दिन मनाया जाता है। इस वर्ष यह पर्व 3 दिसंबर यानी गुरुवार के दिन है। पुराणों के अनुसार भैरव भगवान शिव का दूसरा रूप हैं। भैरव का वाहन श्वान है। भैरव का अर्थ होता है भयानक और पोषक, इनसे काल भी सहमा सहमा रहता है। इस दिन भगवान शिव के अंश से काल भैरव की उत्पत्ति हुई थी। भैरव संहार के देवता हैं।

ऐसे करें व्रत व्रत का संकल्प लेने से पहले भगवान शिव का पूजन करें। मंदिर में जाकर रात्रि जागरण करें। भैरव के वाहन श्वान को दूध, दही, मिठाई आदि खिलाएं। कीर्तन करें, रात्रि जागरण करते समय विधि विधान से पूजा करें और काल भैरव की कथा सुनें।

व्रत की कथा विश्व का कारण और परम तत्व कौन है । इस प्रश्न को लेकर एक बार ब्रहमा और विष्णु में बहस हो गई।

दोनो अपने आप को ही सर्वश्रेष्ठ कहने लगे। महर्षियों से जब इस बात को लेकर संवाद हुआ तो विष्णु जी ने तो मान गए कि इस धरा पर परम सत्य मौजूद है लेकिन ब्रहमा जी ने इस बात को नहीं मान रहे थे। परम तत्व की अवज्ञा करना बहुत बडा पाप है। यह बात भगवान शिव को ठीक नहीं लगी और उन्होंने काल भैरव को अपने अंश से उत्पन्न किया। तब ब्रहमा जी का गर्व नष्ट हो गया।

भैरवाष्टमी हमें काल का भय दिलाती है। कहते हैं जो काल भैरव की शरण में जाता है। वह अंत में भगवान शिव के परमधाम कैलाश पर प्रस्थान करता है।

काल भैरव सदा धर्मसाधक शांत तितिक्षु तथा सामाजिक मर्यादाओं का पालन करने वाला की काल से रक्षा करते हैं।

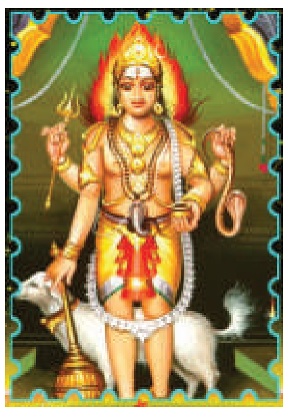

किन वास्तु दोष के चलते विवाह में रूकावट होती है

यदि अरेंज मैरिज में अपनी पसंद की लडकी या लडका मिल जाए तो वैवाहिक जिदंगी खुशनुमा तरीके से बीत सकती है। लेकिन कई ऐसे कारण होते हैं जब आपकी पसंद का व्यक्ति नहीं मिल पाता ऐसे में कई कारण होते हैं जिनमें से एक होता है वास्तु दोष। यह वास्तु दोष आपके घर के आस-पास या फिर शयन कक्ष में भी हो सकता है। ऐसे में आप कुछ वास्तु टिप्स आजमाकर इन वास्तुदोष को दूर कर सकते हैं और योग्य व्यक्ति की चाह में कई कदम आगे बढ सकते हैं। जब कोई मार्ग आपके घर के सामने सीधा प्रवेश करता हो या आकर रुक जाए तो वह कभी-कभी शुभ या अशुभ भी माना जाता है। ऐसी स्थिति से बचना चाहिए। जब कोई विवाह के लिए देखने आए तो इस प्रकार बैठें कि आपका मुख उत्तर दिशा की ओर हो। विवाह योग्य युवक-युवतियों के कमरों की दीवार पर सुंदर चित्र लगाएं। ध्यान रहे, रोते बच्चों और डूबते सूरज का चित्र कभी न लगाएं। यदि प्रेमविवाह हो रहा है और बुरे सपने या विचार आते हों तो सोते समय तकिए के नीचे चाकू या कैंची रखें। घर के मुख्य द्वार पर शीशा नहीं लगा होना चाहिए। इससे वैवाहिक अच्छा जीवन साथी मिलने से पहले ही लौट जाता है। विवाह में अतिथियों को ठहराने का स्थान हमेशा पश्चिम दिशा में ही होना चाहिए। यदि घर के मुख्य द्वार के सामने कोई खंभा, वृक्ष, खुली हुई नाली हो तो यह आपके काम में वाधा डाल सकती है। क्योंकि यह सब कुछ नकारात्मक माना जाता है। इसलिए ऐसी जगहों से बचें।

ऐसा करने से, बजरंग बली सारे कष्ट का हरण कर कामनासिद्धि करते हैं

भारत में शायद ही कोई ऐसा प्रांत होगा जहां बजरंग बली की पूजा न की जाती हो, चूंकि श्री हनुमान रामदूत और भक्त होकर भक्ति, सेवा, श्रद्धा और समर्पण की साक्षात् मूर्ति हैं। यही नहीं श्री हनुमान चरित्र पावनता और ब्रहमचर्य व्रत के दृढता से पालन कर सुखद जीवन जीने की प्रेरणा देता है। यही कारण है कि ब्रहमचर्य से जुडे पवित्रता, संयम और अनुशासन के भावों को अपनाना हनुमान भक्ति के लिए भी जरूरी बताया गया है। हमें यह पता है श्री हनुमान रुद्र अवतार हैं, इसलिए यह भी कहते हैं कि शिव की भांति ही वह भी भक्ति और साधना के सरल उपायों से शीघ्र कृपा कर देते हैं, जो संकटमोचक और कामनासिद्धि करने वाली होती है। हर दिन में नई उमंग, उत्साह, ऊर्जा व आशाएं प्राप्त हों इसके लिए भक्तों को श्री हनुमान जी की पूजा भी पूर्ण समर्पण से करनी चाहिए। रामभक्त होने के साथ ही ये महायोगी और साधक भी हैं। श्री हनुमान के चरित्र के ये गुण संकल्प, एकाग्रता, ध्यान व साधना के सूत्रों से जीवन के लक्ष्यों को पूरा करने की प्रेरणा देते हैं। इस संदेश के साथ कि अगर तन, मन और कर्म को दृढ संकल्प, नियम और अनुशासन से साध लिया जाए तो फिर कोई भी बडा या कठिन लक्ष्य पाना बेहद आसान हो जाता है। सालभर ऐसे ही लक्ष्यों को भेदने के लिये अगर शास्त्रों में बताए श्री हनुमान चरित्र के अलग-अलग 12 स्वरूपों का ध्यान एक खास मंत्र स्तुति से किया जाए तो साल के 12 महीने बहुत ही शुभ व मंगलकारी साबित हो सकते हैं।

धर्मग्रंथों में बताई खास हनुमान मंत्र स्तुति, जिसे मंगलवार, शनिवार या हनुमान उपासना के खास अवसरों के अलावा हर रोज सुबह या रात को सोने से पहले स्मरण करना न चूकें, ये रही

इस खास मंत्र स्तुति को आप ग्रहण करें। इसमें दर्शित श्री हनुमान के 12 नाम उनके गुण व शक्तियों को भी उजागर करते हैं।

> हनुमानञ्जनी सूनुर्वायुपुत्रो महाबल:।
>
> रामेष्ट: फाल्गुनसख: पिङ्गाक्षोमितविक्रम:।।
> उदधिक्रमणश्चैव सीताशोकविनाशन:।
> लक्ष्मणप्राणदाता च दशग्रीवस्य दर्पहा।।
> एवं द्वादश नामानि कपीन्द्रस्य महात्मन:।
> स्वापकाले प्रबोधे च यात्राकाले च य: पठेत्।
> तस्य सर्वभयं नास्ति रणे च विजयी भवेत्।

मोहक हो हमारा मन

तन की सुंदरता एक झूठ है और मन की सुंदरता सच। जब तक मन से विकारों का त्याग नहीं होगा, तब तक मन का सुंदर होना असंभव है। तो क्यों न हम मन को ही बना लें मोहक जब लग मनहि विकारा, तब लगि नहिं छूटे संसारा। जब मन निर्मल करि जाना, तब निर्मल माहि समाना।

त कबीर कहते हैं कि जब तक आपके मन में विकार है, तब तक सांसारिक प्रपंच से छुटकारा पाना संभव नहीं है। विकारों से मुक्ति के बाद ही भक्ति में मन रमता है और झूठे विकारों से मन भी हटने लगता है। वे कहते हैं कि मन निर्मल होने पर ही आचरण निर्मल होगा और आचरण निर्मल होने से ही आदर्श मनुष्य का निर्माण हो सकेगा। छुटकारा आसक्ति से कबीर के कहे ये शब्द आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं।

आज की जीवन पद्धति वैसे ही तनावों से भरी है और इसमें गुस्सा, ईर्ष्या, दूसरों में कमियां निकालने की आदत, जैसे मन के विकारों से मुक्ति ही प्राथमिकता है। हमें कुछ पाने की होड छोडकर उन विकारों का त्याग करना होगा, जो दुख का कारण बनते हैं।

कबीर जहां मन को निर्मल करने के लिए कहते हैं, वहीं सांख्य दर्शन जैसे हमारे प्राचीन ग्रंथ भी इच्छा, आसक्ति से मुक्त होने की बात कहते हैं। बाज से शिक्षा लेने का सुझाव देते हुए इसमें कहा गया है, च्भोग और त्याग की शिक्षा बाज से लेनी चाहिए। बाज पक्षी से जब कोई उसके हक का मांस छीन लेता है तो वह मरणांतक दुख का अनुभव करता है, किंतु जब वह अपनी इच्छा से ही अन्य पक्षियों के लिए अपने हिस्से का मांस, जैसा कि उसका स्वभाव होता है, त्याग देता है तो वह सुख का अनुभव करता है।

ज् यानी सारा खेल इच्छा, आसक्ति अथवा अपने मन का है, खुद को बुराई से दूर कर सुख प्राप्त करने का है। तन नहीं, मन हो सुंदर प्रख्यात दार्शनिक ओशो ने कहा था, च्तुम प्लास्टिक सर्जरी करवा सकते हो, तुम सुंदर चेहरा बनवा सकते हो, सुंदर आंखें, सुंदर नाक, अपनी चमडी बदलवा सकते हो, अपना आकार बदलवा सकते हो। लेकिन इससे तुम्हारा स्वभाव नहीं बदलेगा।

भीतर तुम लोभी बने रहोगे, वासना से भरे रहोगे, हिंसा, क्रोध, ईर्ष्या, शक्ति के प्रति तुम्हारा पागलपन भरा रहेगा। इन बातों के लिए प्लास्टिक सर्जन कुछ कर नहीं सकता। ज् इन शब्दों के साथ ओशो तन को नहीं, मन को सुंदर रखने की बात करते हैं। भीतर की बुराइयों से निजात पाने की शिक्षा देते हैं। सद्गुण की महक सद्गुणों की महक से कौन इंकार कर सकता है। अच्छे कामों को हर तरफसराहा जाता है और बुरे काम नुकसान कर जाते हैं। कभी-कभी तो ऐसी हानि हो जाती है, जिसकी भरपाई नहीं हो पाती। इस संदर्भ में गौतम बुद्ध ने भी कहा है, च्पुष्प की सुगंध वायु के विपरीत कभी नहीं जाती, लेकिन मानव के सद्गुण की महक सब ओर फैल जाती है। ज् स्वामी रामकृष्ण परमहंस भी मायावी दुनियादारी को दिल से निकाल देने का पक्ष लेते हैं।

वे कहते हैं, च्नाव जल में रहे तो ठीक है, लेकिन जल नाव में नहीं रहना चाहिए, इसी प्रकार साधक जग में रहे लेकिन जग साधक के मन में नहीं रहना चाहिए। ज् जब तक हम दुनिया के झूठे प्रपंचों में फंसे रहेंगे, तब तक जिंदगी में सुकून की उम्मीद नहीं कर सकते।

क्या खोया, क्या पाया एक बार महात्मा बुद्ध से किसी ने पूछा कि ध्यान से आपने क्या पाया तो बुद्ध ने जवाब दिया, च्कुछ भी नहीं। प्रश्नकर्ता हैरान रह गया, तभी बुद्ध बोले, च्लेकिन मैं बताना चाहता हूं कि ध्यान से मैंने क्या-क्या खोया है।

गुस्सा, बेचैनी, असुरक्षा, तनाव, मृत्यु या बुढापे का डर जैसी भावनाओं को मैंने खुद से दूर कर दिया है। ज् महात्मा बुद्ध के ये वचन साफइंगित करते हैं कि कुछ पाने से मन में छिपे विकारों से छुटकारा पाना ज्यादा महत्वपूर्ण है।

यमराज ने बताए थे नचिकेता को मृत्यु के बाद के रहस्य

हमारे धर्म ग्रंथों में मृत्यु के देव यमराज से जुडे दो ऐसे प्रसंग आते हैं जब यमराज को इंसान के हठ के आगे मजबूर होना पडा था। पहला प्रसंग सावित्री से सम्बंधित है, जहां यमराज को सावित्री के हठ पर मजबूर होकर उसके पति सत्यवान को पुन:। जीवित करना पडा। जबकि दूसरा प्रसंग एक बालक नचिकेता से सम्बंधित है, जहाँ यमराज को एक बालक की जिद के आगे मजबूर होकर उसे मृत्यु से जुडे गूढ रहस्य बताने पडे। आइए जानते हैं यमराज और नचिकेता से जुडे प्रसंग को और उनके बीच हुए संवाद को।

इस प्रसंग का वर्णन हिन्दूधर्मग्रन्थ कठोपनिषद में मिलता है। इसके अनुसार नचिकेता वाजश्रवस (उदालक) ऋषि के पुत्र थे। एक बार उन्होंने विश्वजीत नामक ऐसा यज्ञ किया, जिसमें सब कुछ दान कर दिया जाता है। दान के वक्त नचिकेता यह देखकर बेचैन हुआ कि उनके पिता स्वस्थ गायों के बजाए कमजोर, बीमार गाएं दान कर रहें हैं। नचिकेता धार्मिक प्रवृत्ति का और बुद्धिमान था, वह तुरंत समझ गया कि मोह के कारण ही पिता ऐसा कर रहे हैं। मोह दूर कर धर्म-कर्म करवाने के लिए ही नचिकेता ने पिता से सवाल किया कि आप मुझे किसे देंगे।

उदालक ऋषि ने इस सवाल को टाला, पर नचिकेता नहीं माना। उसने वही सवाल बार-बार पूछा इससे क्रोधित ऋषि ने कह दिया कि तुझे मृत्यु (यमराज) को दूंगा। पिता को यह बोलने का दु:। खभी हुआ, लेकिन सत्य की रक्षा के लिए नचिकेता ने मृत्यु को दान करने का संकल्प पिता से पूरा करवाया। यमराज के यहां पहुंचने पर नचिकेता को पता चला कि यमराज वहां नहीं है। फिर भी उसने हार नही मानी और तीन दिन तक वहीं पर बिना खाए-पिए डटा रहा। यम ने लौटने पर द्वारपाल से नचिकेता बारे में जाना तो उस बालक की पितृभक्ति और कठोर संकल्प से बहुत खुश हुए। यमराज ने नचिकेता को पिता की आज्ञा का पालन व तीन दिन तक कठोर प्रण करने के लिए तीन वर मांगने के लिए कहा। तब नचिकेता ने पहला वर पिता का स्नेह मांगा।

दूसरा अग्नि विद्या जानने बारे में था। तीसरा वर मृत्यु रहस्य और आत्मज्ञान को लेकर था। यम ने आखिरी वर को टालने की भरपूर कोशिश की। साथ ही, उसके बदले नचिकेता को कई सांसारिक सुख-सुविधाओं को देने का लालच दिया। नचिकेता के आत्मज्ञान जानने के इरादे इतने पक्के थे कि वह अपने सवालों पर टिका रहा। नचिकेता ने नाशवान कहकर भोग-विलास की सारी चीजों को नकार दिया और शाश्वत आत्मज्ञान पाने का रास्ता ही चुना। आखिरकार, विवश होकर यमराज को मृत्यु के रहस्य, जन्म-मृत्यु से जुडा आत्मज्ञान देना पडा।

हनुमानजी हमेशा रहते हैं

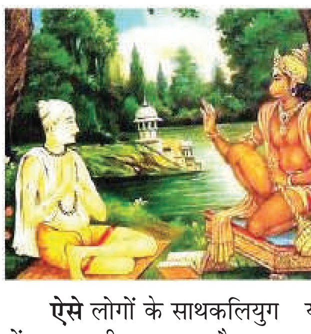

चंदन घिसें, तिलक देत रघुबीर। ये शब्द स्वयं प्रभु हनुमानजी ने तुलसी दास से कहे थे। हम सभी जानते हैं कि हनुमानजी का जन्म क्रेतायुग में हुआ था। वह श्रीराम के अमिट भक्त हैं। उन्होंने क्रेतायुग में वानरराज केसरी और माता अंजना के यहां जन्म लिया था। वाल्मीकि रामायण में हनुमानजी के जन्म के बारे विस्तृत वर्णन मिलता है। महर्षि वेदव्यास द्वारा रचित महाभारत में उल्लेख मिलता है कि द्वापर युग में भी हनुमानजी उपस्थित थे। उन्होंने सर्वप्रथम भीम का अहंकार कम करने के लिए उनकी परीक्षा ली, जहां भीम को वह एक बूढे वानर के रूप में मिले, भीम उनकी पूंछ तक न हटा सके।

हनुमानजी ने द्वापर युग में ही कुरुक्षेत्र के मैदान में भगवान श्रीकृष्ण और अजरुन के रथ के ऊपर ध्वज में विराजमान रहे। वर्तमान समय में कहा जाता है कि जहां-जहां रामायण कथा का वाचन सच्ची श्रद्धा, आस्था और पूरे विधि-विधान से होता है वहां हनुमाजी जरूर आते हैं। हिंदू पौराणिक कथाओं से उल्लेख मिलता है कि हनुमानजी कलयुग के अंत तक पृथ्वी पर रहेंगे।

ऐसे लोगों के साथकलियुग में हनुमानजी का वास है। यह हमारी आस्था और विश्वास है। हममें से किसी ने हनुमानजी को नहीं देखा, वर्तमान समय में जो कहते हैं जिन्होंने साक्षात बजरंगबली के दर्शन किए हैं, उनके पास भी कोई प्रमाण नहीं। हनुमानजी हर समय, हमारे आसपास हैं। हमें देख रहे हैं। सत्य बोलेने वाले, ईमानदार और नेकी पर चलने वाले परोपकारी लोगों की पुकार अवश्य सुनते हैं। लेकिन, कहते हैं कलियुग में सर्वप्रथम हनुमानजी ने भगवान श्रीराम की कथा पर आधारित पवित्र ग्रंथ 'श्रीरामचरितमानस' के रचियता गोस्वामी तुलसीदास को दर्शन दिए। इसका प्रमाण है कि तुलसीदासजी ने स्वयं अपने ग्रंथों में इस बात का उल्लेख किया है। वह लिखते हैं कि चित्रकूट के घाट पे, भई संतन के भीड। तुलसीदास

घातक हो सकता है बैड टी का सेवन

अधिकांश लोग सुबह बिना ब्रश किए बिस्तर पर ही चाय ले लेते हैं। वैसे इसे फैशन का पर्याय माना जाता है किन्तु लोग यह नहीं जानते कि बैड टी हमारी सेहत को कितना नुकसान पहुंचाती है। रात को भोजन के दौरान हमारे दांतों में भोजन के कई कण फंस जाते हैं, जो सुबह होने तक सड़ जाते हैं और इससे हमारे मुंह में बहुत बड़ी संख्या में बैक्टीरिया पैदा हो जाते हैं।

यदि हम सुबह बिना कुल्ला किए चाय पीते हैं तो ये बैक्टीरिया चाय के साथ हमारे पेट में चले जाते हैं, जो कई रोगों को पैदा करते हैं। रातभर मुंह में एकत्र हुई गंदगी जब सुबह बैड टी के साथ पेट में पहुंचती है तो यह पेट संबंधी कई बीमारियां पैदा करती है।

इससे पेट में घाव हो जाते हैं, जिस कारण व्यक्ति के पेट में तेज दर्द होने के साथ उल्टियां भी आने लगती है। रात के समय पेट में अम्ल बनने की क्रिया अधिक तेज हो जाती है,जो शरीर के लिएहानिकारक है। यह क्रिया छाती में जलन, आमाशय मेंसूजन आदि अनेक बीमारियों को जन्मदेती है।

स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव

धीरे-धीरे एसिडिटी रोग शरीर पर अपना प्रभाव बना लेता है। बेड टी से कब्ज होना आम बात है। कब्ज अपने साथ कई अन्य बीमारियां भी पैदा करती है,जैसे जिगर की खराबी, सिर में दर्द मानसिक परेशानियां व सांसका दुर्गन्धयुक्य होना। खाली पेट चाय पीने से गर्भवती महिलाओं को गर्भपात भी हो सकता है। यह पाचन क्रिया को कमजोर करती है। भूख न लगना, खाने के प्रति अरूचि आदि अनेक समस्याएं बैड टी से ही पैदा होती है। अतः सुबह उठते ही चाय पीने से बेहतर होगा कि आप दो गिलास ताजा पानी पीएं। इससे आपकी कब्ज की शिकायत दूर होकर पेट साफ होगा। बिना कुल्ला किए चाय पीना हर तरह से नुकसानदेह है, इसलिए सदैव ब्रश करने के बाद ही चाय पीएं।

बॉडीबिल्डिंग के लिए आहार

बॉडी बिल्डिंग में मांसपेशियों का आकार बढ़ाया जाता है। बॉडी बिल्डिंग करने वालों के लिए प्रोटीन बहुत जरूरी है, लेकिन इसके साथ ही उन्हें कार्बोहाइड्रेट भी लेना चाहिए। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो प्रोटीन शरीर को ऊर्जा देने में इस्तेमाल होगा। और इससे उन्हें शरीर बनाने में अधिक वक्त लगेगा। आपको अपने शरीर के वजन के हर किलो के लिए 1.5 से 2 ग्राम तक प्रोटीन लेने की जरूरत होती है।

मलेरिया से बचा सकती हैं मुर्गियां

एक रिसर्च में पता चला है कि मुर्गियां मच्छरों के आतंक से निजात दिला सकती हैं। दरअसल उनसे ऐसी गंध निकलती है जो मच्छरों को दूर रखती है। लोगों को लगता है कि मच्छरों को सिर्फ खून से मतलब होता है, पर ऐसा नहीं है। मच्छरों को भी अच्छे खून और खराब खून में अंतर पता होता है। वे इसे अपनी गंध पहचानने की क्षमता से जान लेते हैं। इसी वजह से मुर्गियां मच्छरों को दूर करने में मददगार होती हैं।

साइटोमेग्लो वायरस से बच्चों में हो सकता है अंधापन

साइटोमेग्लो वायरस महिला, पुरुष या बच्चे को किसी भी उम्र में संक्रमित कर सकता है। इसके ज्यादातर मामले बच्चों में पाए जाते हैं जिसे कॉन्जिनाइटल साइटोमेग्लो वायरस इंफेक्शन कहते हैं।

यह इंफेक्शन संक्रमित व्यक्ति के सीधे संपर्क में आने से फैलता है। जिसका जरिया ब्लड, यूरिन, शुक्राणु या ब्रेस्ट मिल्क हो सकते हैं। ऐसे में ब्लड ट्रांसफ्यूजन, ऑर्गन ट्रांसप्लांट के दौरान यह वायरस फैलता है।

इसका इलाज व बचाव

जटिलता समझें

- गर्भावस्था में इस वायरस से प्रभावित होने पर पहले तीन माह में गर्भस्थ शिशु को इसका खतरा ज्यादा रहता है।
- जन्म के बाद इसका पता चलता है। गर्भ में यदि बच्चे के दिमाग, आंख या कान पर यह वायरस असर करे तो उसका शारीरिक विकास नहीं होता।
- जिससे उसमें पीलिया, निमोनिया, त्वचा पर दाने, दौरे आना, लिवर बढ़ने, वजन घटने, सिर का आकार छोटा होने जैसी दिक्कतों की आशंका हो सकती हैं।
- कई बार उम्र के बढने पर इसके लक्षण दिखते हैं। जैसे सुनाई न देना, दिखने में परेशानी या अंधापन व दिमागी कमजोरी आदि।

जानें लक्षण

- यह वायरस रक्त के जरिए शरीर के प्रमुख अंगों को प्रभावित करता है।
- सामान्यत: यह वायरस खुद-ब-खुद 5-7 दिन में खत्म हो जाता है लेकिन एड्स, ट्रांसप्लांटेशन, ऑर्गन डोनेशन, नवजात या ऐसे व्यक्ति जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है, उनमें इस वायरस के कारण जटिलताएं बढ़ जाती हैं। उनमें यह रक्त के जरिए शरीर में फैलकर खासकर आंख, दिमाग, फेफड़े और लिवर को नुकसान पहुंचाता है।
- जिस कारण बुखार, डायरिया, सांस लेने में तकलीफ, देखने में परेशानी, फेफड़ों में संक्रमण, रेटिनाइटिस (आंख के रेटिना में सूजन), थकान, गले में सूजन व दर्द और मांसपेशियों में दर्द होने जैसे लक्षण सामने आते हैं।
- वायरस से बचाव ही रोग की आशंका को घटाता है।
- हाइजीन और साफ-सफाई को ध्यान में रखना जरूरी है। साथ ही यदि परिवार में कोई सदस्य इस वायरस से पीड़ित हो तो अन्य को सावधानी बरतनी चाहिए।

एंटीवायरल दवाएं कारगर

आमतौर पर यह बीमारी बच्चों या बड़ों दोनों में कुछ दिनों में ठीक हो जाती है। लेकिन जिनकी इम्युनिटी कमजोर होती है उनमें वायरस के तेजी से फैलने पर दिमाग, आंख और कान प्रभावित होते हैं। इस वजह से मरीज की हालत गंभीर होने लगती है। इसके लिए एंटीवायरल दवाओं का कोर्स शुरू कर इलाज किया जाता है। इससे वायरस के विकास को रोका जाता है। साफ-सफाई रखना जरूरी

रात की सर्जरी बढ़ाती है मौत की आशंका

रात में की गई सर्जरी से मौत का खतरा दोगुना हो जाता है। हाल ही में आए अध्ययन के परिणाम के अनुसार दावा किया गया है कि रेग्युलर वर्किंग समय के दौरान किए गए ऑपरेशन या सर्जरी की तुलना में रात में की गई सर्जरी या ऑपरेशन में मौत का खतरा दोगुना हो जाता है। मतलब जिन मरीजों का ऑपरेशन या सर्जरी रात में दिन में या वर्किंग समय में ना होकर रात में किया जाता है उनके मरने की संभावना दोगुनी होती है। यहां तक की देर शाम में भी होने वाली सर्जरी में मॉर्टिलीटी रिस्क का खतरा ज्यादा होता है। इस अध्ययन में पिछले 5 सालों में हुए सारे सर्जरी के आंकड़ों को शामिल किया गया है। अध्ययन में 1 अप्रैल 2010 से 31 मार्च 2015 के सर्जिकल आंकड़ों को लिया गया है। सबसे पहले इसमें सभी तरह के सर्जीकल इंटरवेंशन को शामिल किया गया है। इस अध्ययन में ऑप्थाल्मिक और लोकल एंथेसेसिया के केस को छोड़कर अन्य सभी तरह के वैक्लिपक और आपातकालीन सर्जिकल केसेस को शामिल किया गया है। जिसमें काम करने के घंटों को तीन ब्लॉक में बांट गया। पहले ब्लॉक में सुबह के 7 बजे से लेकर दिन के 3:29 बजे तक के समय को रखा गया। दूसरे ब्लॉक में शाम के 3:30 से रात के 11:29 बजे तक के समय को रखा गया और अंतिम ब्लॉक में रात 11:30 बजे से लेकर सुबह 7:29 बजे तक के समय को रखा गया।

इन ब्लॉक में शुरू हुए ऑपरेशन के समय पर नर्सों ने नजर रखी कि कब ऑपरेशन शुरू हुआ और कब खत्म हुआ। इस अध्ययन में 41,716 वैक्लिपक और आपातकालीन सर्जरीज को शामिल की गई। इन मामलों में से 10,480 केस इमरजेंसी के थे जिसमें से 3,445 मामलों की सर्जरी पहले ब्लॉक के समय में, 4,951 मामलों की सर्जरी दूसरे ब्लॉक के समय में और 2,084 मामलों की सर्जरी तीसरे ब्लॉक के समय में की गई।

अध्ययनकर्ताओं ने पाया की दिन की तुलना में रात के समय किए गए ऑपरेशन में मरने की संभावना 2.17 टाइम्स अधिक थी। वहीं लेट इवनिंग में किए गए ऑपरेशन में मौत की संभावना दिन के समय हुए ऑपरेशन की तुलना में 1.43 टाइम्स अधिक थी।

अपनी मर्जी से न करें पेन किलर का इस्तेमाल

दर्द निवारक दवाओं का इस्तेमाल अपनी मर्जी से न करें दर्द निवारक दवाओं का इस्तेमाल अपनी मर्जी से बिल्कुल न करें योंकि ऐसा करने से इनके अच्छे परिणामों की बजाय सेहत पर बुरा असर होगा। डॉक्टरों ने जानकारी देते हुए बताया कि बच्चों को ऐेस्पिरिन कभी नहीं देना चाहिए इससे जानलेवा लीवर फेलियर हो सकता है। बच्चे एवं किशोर जो चिकन पाक्स अथवा लू जैसे लक्षणों से रिकवर हो रहे हों उन्हें कभी एस्पिरिन नहीं देना चाहिए पैरासिटामॉल कभी भी डॉक्टर की सलाह के बिना नहीं लेना चाहिए पश्चिमी देशों में यह नंबर वन सुसाइडल एजेंट बन चुका है। दिल के सभी मरीजों को दर्द निवारक दवाओं के इस्तेमाल से पहले डॉक्टर से सलाह लेना बेहद जरूरी होता है। अगर किडनी की समस्या से प्रभावित मरीज ने दर्द निवारक दवाका इस्तेमाल किया तो उसे किडनी फेलियर का खतरा बढ़ सकता है। दर्द निवारक दवाओं का बेहद समझदारी से इस्तेमाल होना चाहिए क्योंकि खतरे के दायरे में आने वाले लोगों के लिए एक टेबलेट भी किडनी फेलियर को बढ़ावा दे सकता है।

अब बच्चे खत्म करेंगे पूरा लंच बॉक्स

अक्सर मदर्स की यही शिकायत होती है कि उनका बच्चा लंच बॉक्स में खाना खत्म करके नहीं आता। इसमें पूरा दोष बच्चे का नहीं है, जरा-सा आपका भी है। इसके लिए बच्चों को हेल्दी खाने की आदत डालनी होगी। अगर आपका बच्चा खाने से जी चुराता है और आप इस बात से भी परेशान रहते हैं कि आखिर उसे कैसे लंच बॉक्स दिया जाए, जिसे वह खत्म भी कर ले और उसे पोषण भी मिले तो कुछ टिप्स फॉलो करें।

बच्चों के लंच बॉक्स में ज्यादातर सूखी चीजें रखनी चाहिए, ताकि उन्हें खाने में आसानी रहे। बच्चों की दिलचस्पी का भी ख्याल रखें और इस बात का भी ध्यान रखें कि उन का रोज का खाना एक जैसा न हो जाए। किसी दिन रोटी सब्जी दें, तो किसी दिन आटे की नमकीन सेंवई, कभी सब्जी

पुलाव दे दिया, तो कभी उत्तपम, इडली या दाल का चीला वगैरह भी लंच बॉक्स में रख सकते हैं।

बच्चों के लंच बॉक्स में मौसम के हिसाब से फल भी रखें। इनमें संतरा, केला, सेब, अनार वगैरह ऐसे फल हैं जो बच्चों को आमतौर पर पसंद आते हैं। खीरा, ककड़ी टमाटर, अंकुरित अनाज या दल वगैरह का सलाद रखना न भूलें। बच्चे को पॉकेट मनी दे कर बाहर कैंटीन से खाना खाने की आदत न डालें। ये भी करें- बच्चे की खुराक में दूध को अहमियत दें। उसमें रोजाना दूध पीने की आदत डालें। बच्चे की पंसद के खाने को नजरअंदाज न करें, पर साथ ही पौष्टिक खाना खाने के लिए भी बढ़ावा दें। बच्चा जब भोजन खत्म कर लेता है, तो उसे प्यार से शाबाश या वैरी गुड जरूर कहें।

इन वजहों से रात में भी करें वर्कआउट

सामान्यत: लोग सुबह ही वर्कआउट करने को तरजीह देते हैं। इसमें कुछ गलत भी नहीं है। सेहत के लिहाज से यह बेहतर भी है। लेकिन देखा जाए तो इन दिनों समय के अभाव से हर कोई बावस्ता है। ऐसे में वर्कआउट के लिए समय निकालना किसी जद्दोजहद से कम नहीं है। सवाल है ऐसी स्थिति में क्या किया जाना चाहिए? ऐसी स्थिति में आप चाहें

तो रात के समय को चुन सकते हैं। अब आप सोच रहे होंगे कि रात को वर्कआउट कर क्या उतने ही फायदे हासिल हो सकते हैं जितने सुबह करने से हासिल होते हैं? एक अध्ययन के मुताबिक देर रात जगने वालों के लिए रात का समय अनुकूल है। दरअसल इस समय वे पूरे लगन से वर्कआउट करते हैं। वे किसी भी तरह की हड़बड़ी में नहीं होते। अत: वर्कआउट करने में पूरा ध्यान देते हैं। इतना ही नहीं वर्कआउट करते हुए वे अतिरिक्त मेहनत भी करते हैं क्योंकि उन्हें पता होता है कि इसके बाद उन्हें आराम करना है। मतलब साफ है कि निश्चित मन से रात को वर्कआउट करने वाले ज्यादा फोकस होते हैं। नतीजतन इसका उनकी सेहत पर गहरा असर देखने को मिलता है।

मोबाइल फोन के साथ सोना खतरनाक

आपकी ये आदत बन सकती है परेशानी

जब भी आप सुबह उठते हैं तो सबसे पहले अपना मोबाइल फोन उठाते हैं और सोशल साइट्स के अलावा कई दूसरी चीजें जैसे एसएमएस, मिस या वॉयस काल चेक करते हैं, लेकिन क्या रात में आईफोन या फिर एंड्रॉयड-स्मार्टफोन अपने पास रखकर सोने का कोई लॉजिक नहीं है। अगर एक दिन आपको बिना स्मार्टफोन के सोना पड़ जाए तो शायद रातभर आपकी आंखों में नींद न आए। स्मार्टफोन न सिर्फ आपकी रातों की नींद उड़ाता है बल्कि आपकी सेहत का भी नुकसान होता है।

बढ़ती है टॉक्सिन की मात्रा

रात में भी आपका ध्यान फोन की तरफ रहता है, जिससे आप अच्छी तरह नींद नहीं ले पाते। रात में अगर आप अपने फोन को अचानक उठाकर देखते हैं तो आपकी आंखें दिमाग को यह संदेश देती हैं कि शरीर को जागना है, जबकि दिमाग शरीर को सुलाने की कोशिश करता है। आपके दिमाग को रेस्ट करने का समय नहीं मिलता, जिससे शरीर में टॉक्सिन की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे आप अच्छी तरह नींद नहीं ले पाते। दिन में आप काम पर फोकस कर नहीं पाएंगे, साथ ही शरीर भी सुस्त रहेगा। दिन में 7 से 9 घंटे की नींद जरूरी होती है। इसलिए अगर रात में आपको मोबाइल चलाने का बहुत शौक है तो आप अपने इस शौक को जरा विराम लगाई। वरना एक अच्छी सेहत आप खो देंगे।

बढ़ने लगता है आपका वजन

दिन-ब-दिन आपकी काबिलियत कम होती जाएगी, इसका सीधा कारण है नींद न पूरी होना, साथ ही आपका वजन भी बढ़ने लगेगा। कम सोने से शरीर के मैटाबॉलिज्म में बदलाव होने लगता है, जिससे शरीर का भार बढ़ता है। ज्यादातर डॉक्टरों का इस बारे में यही कहना है 9.00 बजे के बाद अपने फोन को खुद से दूर रखें और अपने शरीर की घड़ी के अनुसार चलें। यानि जब सोने का समय हो तो शरीर को सोने दें। वरना इस तरह की आदत से आप कई बीमारियों को आमंत्रित कर लेंगे। सोते समय मोबाइल फोन से दूरी बनाए रखने में ही समझादी है। और इससे आप अपनी सेहत का भी ख्याल रखते हैं।

रेसिपी

मखमली पनीर टिक्का

सामग्री

200 ग्राम पनीर(कटा हुआ)
1/2 कप दही
1/4 चीज(कद्दूकस किया)
1/2 छोटा चम्मच हरी मिर्च(पेस्ट)
1 टेबलस्पून काजू पाऊडर
1/2 छोटा चम्मच गर्म मसाला
1 टीस्पून काली मिर्च पाऊडर
नमक स्वादानुसार

विधि

सबसे पहले एक बर्तन में दही लेकर इसमें हरी मिर्च,काजू पाऊडर, गर्म मसाला,काली मिर्च,नमक और चीज डालकर मिक्स करें। अब इसमें पनीर के टुकडे लपेट कर 15-20 मिनट के लिए रख दें। माइक्रोवेव को 200 डिग्री पर प्रीहीट कर लें और फिर पनीर के टुकड़ों को स्टिक पर लगा कर माइक्रोवेव में 15 मिनट तक ग्रिल करें। आपका मखमली पनीर टिक्का बनकर तैयार है। इसे सॉस के साथ सर्व करें।

कहीं आप भी 'फोमो' के शिकार तो नहीं

अगर आप फेसबुक, ट्विटर और व्हाट्सएप के बिना एक पल भी नहीं रह पाते हैं तो ये आपके लिए खतरनाक हो सकता है। हो सकता है कि आप 'फोमो' यानि 'फीयर ऑफ मिसिंग आउट' के शिकार हों। स्मार्टफोन के जरिए अपने दोस्तों और हर पल होने वाली बातों के टच में रहने की लगातार इच्छा आपको 'फोमो' का शिकार बना सकती है।

क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट रीपेन सिप्पी की मानें तो जिन लोगों को सोशल मीडिया की आदत हो चुकी है, इससे दूर रहने पर वे 'फोमो' का शिकार हो जाते हैं। ऐसे लोग जब ज्यादा देर तक सोशल मीडिया से दूर रहते हैं तो उन्हें बेचैनी-सी महसूस होती है। वहीं कंसल्टेंट क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट आशिमा श्रीवास्तव का कहना है कि 'फोमो' सोशल एंजाइटी का रूप है।

रिश्तों पर बुरा असर

लोगों को वर्चुअल वर्ल्ड में जीने की इतनी आदत हो जाती है कि वे रीयल लाइफ सिचुएशंस को फेस ही नहीं कर पाते। यही बातें दूसरों के साथ उनके रिश्तों में भी असंतुलन पैदा कर देती हैं और रीयल लाइफ की किसी परिस्थिति में वे जल्दी प्रतिक्रिया ही नहीं दे पाते। ऐसे में दोस्तों और परजिनों के साथ उनके रिश्ते बिगड़ने लगते हैं।

जब नहीं मिलता अटेंशन

बहुत सारे लोग जिन्हें रीयल लाइफ में प्यार और अटैंशन नहीं मिलता वे इन चीजों को वर्चुअल वर्ल्ड में ढूंढना शुरू कर देते हैं। जब उन्हें वर्चुअल वर्ल्ड में ये सब कुछ मिलता रहता है, वे खुश रहते हैं पर जिस पल उन्हें अटैंशन मिलना बंद हो जाता है, 'फोमो' फोबिया उन पर हावी हो जाता है। ऐसे में आपके मन में 'फीयर ऑफ मिसिंग आऊट' जैसी बातें आने लगती हैं।

आपके भीतर पैदा कर देता है 'डर'

'फोमो' में एक व्यक्ति के भीतर डर विकसित होने लगता है कि वह जरूरी अपडेट्स और महत्वपूर्ण इवेंट्स को मिस कर देगा। इसी डर की वजह से वह लगातार अपने मोबाइल फोन को चेक करता रहता है। सामान्यत: कोई व्यक्ति 'फोमो' के शिकंजे में तब आता है, जब वह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर खुद को उपेक्षति या अकेला महसूस करने लगता है।

सोशल बिहेवियर पर असर

मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि सिर्फ 'फोमो' ही नहीं, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के ज्यादा इस्तेमाल से सोशल बिहेवियर पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। इससे वयस्कों, युवाओं और यहां तक कि स्कूल जाने वाले बच्चों के वर्क परफॉर्मेंस पर असर पड़ता है। वे अंतर्मुखी होने लगता है और सामान्यत: लोगों को खुश करने वाली बातों से भी उसे खुशी नहीं होती।

'फ्रीडम दिल की बात' अभियान

फ्रीडम हेल्दी कुकिंग ऑयल्स ने कोलेस्ट्रॉल और हृदय स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए पूर्व भारतीय क्रिकेटर राहुल द्रविड़ के साथ अपना नया अभियान 'फ्रीडम दिल की बात' लॉन्च किया है।

यह अभियान परिवारों को माता-पिता के स्वास्थ्य का ख्याल रखने और रोजमर्रा की खाना पकाने की आदतों में छोटे बदलाव करने के लिए प्रेरित करता है। भारत में 10 में से 9 लोगों में असामान्य कोलेस्ट्रॉल स्तर पाए जाते हैं, जबकि भारतीय पुरुषों में 50 प्रतिशत हृदयघात 50 वर्ष की आयु से पहले होते हैं।

फ्रीडम राइस ब्रान ऑयल में 10,000+ पीपीएम नेचुरल ओरिजानॉल होता है, जो स्वस्थ कोलेस्ट्रॉल स्तर और हृदय स्वास्थ्य में मदद करता है। अभियान का मुख्य संदेश है 0 दिल को बदलना आसान नहीं, लेकिन खाना पकाने का तेल बदलना आसान रोजमर्रा का विकल्प है।

यह अभियान टीवी, डिजिटल और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रसारित किया जा रहा है।

अभियान का मुख्य संदेश है: दिल को बदलना आसान नहीं है, लेकिन कुकिंग ऑयल बदलना एक आसान दैनिक विकल्प है।

कंपनी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (बिक्री एवं विपणन) श्री पी. चंद्रशेखर रेड्डी और विपणन प्रमुख श्री चेतन पिंपळखुटे ने बताया कि यह अभियान टीवी, डिजिटल और सोशल मीडिया के माध्यम से परिवारों को अपने माता-पिता के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और एक 'हार्ट-स्मार्ट' जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करेगा।

संपादकीय

'जेहादी' मानस का पायलट

आसमान की ऊंचाइयों में जिस सह-पायलट ने अपने ही विमान के पायलट कैप्टन स्मित मच्छार पर जानलेवा हमला किया था, वह 'जेहादी मानस', आतंकवादी सोच का इनसान था। शुरुआती जांच में यह खुलासा सामने आया है। वह 'अलकायदा' के सरगना रहे अयमान अल जवाहिरी से प्रभावित था। उसके 'लिंक्डइन' पोस्ट में उसके फोटो और कथन मिले हैं। हमलावर सह-पायलट के सोशल मीडिया खाते में आतंकी, जेहादी, कट्टरपंथी किस्म के विचार भी मिले हैं। उसके पास से 'फ्री फिलिस्तीन' जुमले वाले परचे भी मिले हैं। वह अलकायदा अथवा किसी अन्य आतंकी संगठन से जुड़ा था अथवा किसने उसे 'विमान क्रैश' करने को उकसाया था, लालच दिया था, यह अभी तक की जांच में साफ नहीं हुआ है, लेकिन हमलावर पायलट हम्माम अल हमामी ने खुद कबूल किया है कि वह इजरायल के तेल अवीव हवाई अड्डे पर विमान क्रैश करना चाहता था, ताकि यहूदी यात्रियों के साथ-साथ क्रैश की चपेट में आने वाले जमीनी लोग भी मारे जा सकें। नरसंहार की ऐसी सोच और मंसूबे से स्पष्ट है कि हमलावर पायलट हमामी 'आत्मघाती' था। क्रैश में उसकी मौत भी तय थी, लेकिन वह यहूदियों से इतनी पराकाष्ठा तक 'नफरत' करता था कि उन्हें मारने पर आमादा था। यह 9/11 सरीखा आतंकी हमला नहीं था। उसमें न्यूयॉर्क के 'विश्व व्यापार केंद्र' को निशाना बनाया गया था। वह अमरीकी पूंजीवाद, साम्राज्यवाद, अहंकार और ताकत का प्रतीक माना जाता था। अलकायदा का संस्थापक सरगना ओसामा बिन लादेन अमरीका के प्रतीक को जमींदोज कर शेष दुनिया को चौंका देना, डराना चाहता था। अलकायदा का आतंकवाद अपने मंसूबे और मकसद में कामयाब भी रहा, क्योंकि उस आतंकी हमले में 5232 लोग मारे गए थे। यह सरकार का अधिकृत आंकड़ा है। दुबई से तेल अवीव जा रहे विमान में 174 यात्री सवार थे, जिनमें 150 से अधिक यहूदी बताए जा रहे हैं। अलकायदा ने न जाने कितने पढ़े-लिखे नौजवानों को आतंकी के तौर पर, फिदायीन बनने के लिए भ्रमित किया होगा! मौजूदा सिलसिला भी यहीं थमने वाला नहीं है, यह विशेषज्ञों का आकलन है। सरकारों और देशों की विदेश नीतियों में इतनी खामियां, इतने विरोधाभास हैं कि 'जेहादी' किस्म के चेहरों को भी पायलट जैसी घोर संवेदनशील और मानवीय जिम्मदारी की नियुक्तियां दी जाती रही हैं। यह पहली बार नहीं हुआ। इजरायल की सरकारी नीति है कि जिन देशों के साथ उसके राजनयिक संबंध नहीं हैं, कमोबेश उनके विमान और पायलट इजरायल में प्रवेश नहीं कर सकते।

सह-पायलट ने अपने ही विमान के पायलट कैप्टन स्मित मच्छार पर जानलेवा हमला किया था, वह 'जेहादी मानस', आतंकवादी सोच का इनसान था। शुरुआती जांच में यह खुलासा सामने आया है। वह 'अलकायदा' के सरगना रहे अयमान अल जवाहिरी से प्रभावित था। उसके 'लिंक्डइन' पोस्ट में उसके फोटो और कथन मिले हैं। हमलावर सह-पायलट के सोशल मीडिया खाते में आतंकी, जेहादी, कट्टरपंथी किस्म के विचार भी मिले हैं। उसके पास से 'फ्री फिलिस्तीन' जुमले वाले परचे भी मिले हैं। वह अलकायदा अथवा किसी अन्य आतंकी संगठन से जुड़ा था अथवा किसने उसे 'विमान क्रैश' करने को उकसाया था, लालच दिया था, यह अभी तक की जांच में साफ नहीं हुआ है, लेकिन हमलावर पायलट हम्माम अल हमामी ने खुद कबूल किया है कि वह इजरायल के तेल अवीव हवाई अड्डे पर विमान क्रैश करना चाहता था, ताकि यहूदी यात्रियों के साथ-साथ क्रैश की चपेट में आने वाले जमीनी लोग भी मारे जा सकें। नरसंहार की ऐसी सोच और मंसूबे से स्पष्ट है कि हमलावर पायलट हमामी 'आत्मघाती' था।

भारत में अर्थ के विभिन्न क्षेत्रों में आर्थिक विकास दर लगातार उच्च स्तर की बनी हुई है

भारत में आर्थिक विकास की गति तेज रहने के बावजूद क्यों गिर रहा है शेयर बाजार

भारत के शेयर बाजार में लगातार तेज गिरावट दर्ज हुई है, इससे देश में इस तरह का माहौल बनाने का प्रयास किया जा रहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था पर भारी संकट आने वाला है और भारतीय नागरिकों पर इसका अत्यधिक कष्टकारी असर पड़ने वाला है। यह आंकलन किसी भी प्रकार से उचित नहीं कहा जा सकता है क्योंकि शेयर बाजार में गिरावट विदेशी संस्थागत निवेशकों के मन में बैठ रहे डर के आधार पर देखी जा रही है, जबकि भारतीय संस्थागत निवेशक तो लगातार अपना निवेश भारतीय शेयर बाजार में बढ़ा रहे हैं एवं म्यूचुअल फंडस द्वारा प्रति माह 30,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का लगातार निवेश शेयर बाजार हो रहा है। यह सही है कि भारतीय शेयर बाजार का सेन्सेक्स 1 अक्टूबर 2025 के 80,983 बिंदुओं के स्तर से 1 अक्टोबर 2026 को 71,910 बिंदुओं के स्तर पर नीचे आ गया है। इसी प्रकार, निफ्टी इंडेक्स भी 1 अक्टूबर 2025 के 24,836 बंदुओं के स्तर से नीचे गिरकर 1 अक्टूबर 2026 को 22,422 बिंदुओं के स्तर पर आ गया है। पिछले एक वर्ष की अवधि में 10 से 11 प्रतिशत के बीच की गिरावट दर्ज हुई है।

हाल ही के समय में भारत के शेयर बाजार में लगातार तेज गिरावट दर्ज हुई है, इससे देश में इस तरह का माहौल बनाने का प्रयास किया जा रहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था पर भारी संकट आने वाला है और भारतीय नागरिकों पर इसका अत्यधिक कष्टकारी असर पड़ने वाला है। यह आंकलन किसी भी प्रकार से उचित नहीं कहा जा सकता है क्योंकि शेयर बाजार में गिरावट विदेशी संस्थागत निवेशकों के मन में बैठ रहे डर के आधार पर देखी जा रही है, जबकि भारतीय संस्थागत निवेशक तो लगातार अपना निवेश भारतीय शेयर बाजार में बढ़ा रहे हैं एवं म्यूचुअल फंडस द्वारा प्रति माह 30,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का लगातार निवेश शेयर बाजार हो रहा है। यह सही है कि भारतीय शेयर बाजार का सेन्सेक्स 1 अक्टूबर 2025 के 80,983 बिंदुओं के स्तर से 1 अक्टोबर 2026 को 71,910 बिंदुओं के स्तर पर नीचे आ गया है। इसी प्रकार, निफ्टी इंडेक्स भी 1 अक्टूबर 2025 के 24,836 बंदुओं के स्तर से नीचे गिरकर 1 अक्टूबर 2026 को 22,422 बिंदुओं के स्तर पर आ गया है। पिछले एक वर्ष की अवधि में 10 से 11 प्रतिशत के बीच की गिरावट दर्ज हुई है। जबकि, इस बीच भारत में अर्थ के विभिन्न क्षेत्रों में आर्थिक विकास दर लगातार उच्च स्तर की बनी हुई है। फिर, ऐसे क्या कारण हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था का चमकता चेहरा होने के बावजूद, भारतीय शेयर बाजार लगातार गिरावट दर्ज कर रहा है। दरअसल किसी भी देश का शेयर बाजार, स्टॉक एक्सचेंज पर दर्ज कम्पनियों की आगे आने वाले वर्षों में होने वाली अनुमानित आय के आधार पर, घटता अथवा बढ़ता रहता है। दूसरे, आजकल जब समस्त देश एक तरह से आपस में जुड़ से गए हैं और हम एक वैश्विक गांव में निवास कर रहे हैं तब एक देश में होने वाली घटनाओं का प्रभाव दूसरे देश के शेयर बाजार पर भी पड़ता हुआ दिखाई देता है। जैसे, रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराईल-हम्मास युद्ध, अमेरिका-ईरान युद्ध, सऊदी अरब-हूथी युद्ध एवं खाड़ी के देशों का आपसी युद्ध, आदि कुछ ऐसे उदाहरण हैं, जिनके चलते भारतीय शेयर बाजार भी सहमा हुआ दिखाई दे रहा है, हालांकि भारत किसी भी प्रकार से, अप्रत्यक्ष अथवा प्रत्यक्ष रूप

से, इन युद्धों से नहीं जुड़ा है। तीसरे, विदेशी निवेशक भारी मात्रा में कुछ देशों के शेयर बाजार में अपनी पूंजी का निवेश करते हैं, क्योंकि उन्हें इन देशों में किए गए निवेश से अच्छे रिटर्न की सम्भावना दिखाई देती है। परंतु, जब इन विदेशी निवेशकों द्वारा अपना निवेश शेयर बाजार से निकाला जाता है तब उस देश का शेयर बाजार तेजी से गिरने लगता है। उक्त वर्णित युद्धों के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं और यह 100 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गए हैं, एक वर्ष पूर्व यह 65 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर थे, अर्थात इस एक वर्ष के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई है। भारत कच्चे तेल की कुल खपत का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा आयात करता है, अतः भारत के उक्त युद्धों से किसी भी प्रकार से नहीं जुड़े होने के बावजूद, भारतीय अर्थव्यवस्था पर कुछ विपरीत प्रभाव पड़ सकता है, ऐसा माहौल बनाए जाने के चलते विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय शेयर बाजार से अपना निवेश भारी मात्रा में निकाल रहे हैं। हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि के बावजूद भारत में मुद्रा स्फीति की दर को नियंत्रण में बनाए रखने के प्रयास अभी तक तो सफल ही रहे हैं। फिर भी, केलेंडर वर्ष 2026 में अभी तक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से 2.8 लाख करोड़ रुपए की भारी भरकम राशि निकाल ली है। सितम्बर 2024 तक के 24 माह में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में 38,600 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया था जबकि सितम्बर 2026 तक के 24 माह में 56,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर की निकासी की गई हैं। विदेशी संस्थागत निवेशक इतनी भारी मात्रा में अपना निवेश भारत से निकालकर अमेरिकी बांडस, अमेरिका के शेयर बाजार, वियतनाम एवं दक्षिणी कोरिया के शेयर बाजार एवं चीन के शेयर बाजार में कर रहे हैं। क्योंकि, अमेरिका में ब्याज दरों (यूएस फेड दर) में वृद्धि के चलते, बांडस की यील्ड पिछले लगभग 24-25 वर्षों के उच्चत्तम स्तर 5.60 प्रतिशत से ऊपर पहुंच गई है। साथ ही, अमेरिकी शेयर बाजार में अभी भी तेजी बनी हुई है क्योंकि वहां की कम्पनियों द्वारा उच्च तकनीकी के नवाचार करने के चलते उनकी उत्पादकता एवं लाभप्रदता में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। इसी प्रकार, वियतनाम एवं दक्षिणी कोरिया में आरटीफिशीयल इंटेलीजेंस के क्षेत्र की कम्पनियों में उच्च स्तर की लाभप्रदता दर्ज होने की सम्भावनाएं दिखाई दे रही है, इसलिए विदेशी निवेशक अमेरिका, वियतनाम एवं दक्षिणी कोरिया जैसे देशों की ओर आकर्षित हो रहे है एवं अपना निवेश इन देशों में बढ़ा रहे हैं। चीन का शेयर बाजार बहुत ही तेजी से नीचे गिरा था जिसके कारण वहां पर कम्पनियों के शेयरों का (Price to Earning - PE Ratio) कीमत/आय रेशो भारतीय कंपनियों के कीमत/आय रेशो की तुलना में अत्यधिक आकर्षक हो गया है। चीन में औसतन यह रेशो 12 प्रतिशत के नीचे है जबकि भारत में यह रेशो औसतन 20 प्रतिशत से अधिक है। अतः विदेशी संस्थागत निवेशकों को भारतीय कम्पनियों के शेयर, चीनी कम्पनियों के शेयर की तुलना में महंगे दिखाई दे रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिकी डॉलर के लगातार मजबूत होने चलते भारतीय रुपया लगातार कमजोर हो रहा है, इस कारण से भी विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय शेयर बाजार से अपना निवेश निकाल रहे है। आज भारतीय रुपए की कीमत 96 रुपए प्रति अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई है। साथ ही, डॉलर इंडेक्स जो 1 अक्टोबर 2025 को 97.71 के स्तर पर था वह 1 अक्टोबर 2026 को बढ़कर 101.80 के स्तर पर आ गया है। स्वर्ण की कीमतें भी 3,871 अमेरिकी डॉलर प्रति ओंस से बढ़कर 4,170 अमेरिकी डॉलर प्रति ओंस पर पहुंच गई है। भारत स्वर्ण का भारी मात्रा में (कुल खपत का 90 प्रतिशत से अधिक) आयात करता है, स्वर्ण के आयात का भुगतान अमेरिकी डॉलर में ही करना होता है, अतः भारतीय रुपए पर इससे अतिरिक्त दबाव बनता हुआ दिखाई दे रहा है। उक्त संदर्भों को यदि भारतीय अर्थव्यवस्था से जोड़कर देखा जाय तो स्थिति कुछ अलग ही दिखाई देती है। भारत में सकल घरेलू उत्पाद में वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही में 7.8 प्रतिशत की आकर्षक वृद्धि दर्ज हुई है, जबकि वैश्विक स्तर पर यह वृद्धि केवल 3 प्रतिशत एवं तेजी से आर्थिक विकास कर रही अर्थव्यवस्थाओं में यह 3.8 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। जब भारत में आर्थिक विकास दर तुलनात्मक रूप से अधिक तेज गति से आगे बढ़ेगी तो भारतीय कम्पनियों की आय एवं लाभप्रदता में भी तेज गति से वृद्धि सम्भव होगी। इसी प्रकार, अगस्त 2026 माह में भारत की औद्योगिक विकास दर भी 8 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई है जो कि अगस्त 2025 में 4.7 प्रतिशत के स्तर पर थी।

क्या सचमुच मुफ्त का छलावा और सरकारी दिखावा देश के एमएसएमई लघु व्यापारियों का अस्तित्व खत्म कर रहा है?

देश का लघु व्यवसाय संकट में

जब देश में कोई मजबूत विपक्ष प्रभावी ढंग से सरकार को चुनौती देने के लिए मौजूद न हो, तो अक्सर शासन व्यवस्था अपनी ही धुन में और मनमाने तरीके से फैसले लेने लगती है, बिना जमीनी हकीकत की परवाह किए। जब भी देश के आम नागरिकों, छोटे दुकानदारों और मध्यम वर्ग से बात की जाती है, तो एक ही दर्द उभरकर सामने आता हैव्यापार ठप है, महंगाई आसमान छू रही है और मुनाफे का नामोनिशान नहीं बचा है।

इसके विपरीत, सत्ता के गलियारों से जब विकास और रिकॉर्ड तोड़ कर-संग्रह तथा जीएसटी के आंकड़े पेश किए जाते हैं, तो ऐसा लगता है जैसे देश किसी आर्थिक महाशक्ति की तरह सरपट दौड़ रहा है। लेकिन जमीनी हकीकत इन कागजी दावों से कोसों दूर है। यह इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि सरकार का यह सारा दिखावा और 'मुफ्त' योजनाओं का राग असल में एक बड़ा राजनीतिक छलावा है, जिसके पीछे सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की सुलगती हुई बर्बादी छिपी है।

एमएसएमई भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग एक-तिहाई हिस्सा हैं और लगभग 11 करोड़ लोगों को रोजगार देते हैं। जब इस क्षेत्र के साथ कर वसूलने वाली मशीन जैसा व्यवहार किया जाता है, न कि एक पोषित किए जाने वाले उद्यम जैसा, तो पूरा सामाजिक-आर्थिक ताना-बाना प्रभावित होता है।

बहीखाते के एक हिस्से में राज्य और केंद्रीय खजाने अभूतपूर्व, रिकॉर्ड तोड़ वृद्धि की रिपोर्ट दे रहे हैं। सकल जीएसटी संग्रह ऐतिहासिक ऊंचाइयों को पार कर 22 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है, जबकि कुल सरकारी राजस्व मात्र पांच वर्षों की छोटी अवधि में लगभग दोगुना हो गया है।

मात्र पाँच वर्षों की छोटी अवधि में लगभग दोगुना हो गया है।

वित्तीय वर्ष	सकल GST जीएसटी संग्रह (अखिल भारत) BJP Resigme	वित्तीय वर्ष	अखिल भारत कुल केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर संग्रह Congress resigme	प्रतिशत वृद्धि (%)
FY-2020-21	₹11.37 लाख करोड़	FY-2010-11	₹3.45 लाख करोड़	329.57%
FY-2021-22	₹14.83 लाख करोड़	FY-2011-12	₹3.92 लाख करोड़	312.87%
FY-2022-23	₹18.08 लाख करोड़	FY-2012-13	₹4.74 लाख करोड़	381.43%
FY-2023-24	₹20.18 लाख करोड़	FY-2013-14	₹4.96 लाख करोड़	406.85%
FY-2024-25	₹22.27 लाख करोड़	FY-2014-15	₹5.44 लाख करोड़	409.38%

यह गहरा अंतर नीति-निर्माताओं और नागरिकों के सामने एक असहज और जरूरी सवाल खड़ा करता है: राज्य के राजस्व-वसूली इंजन अधिकतम गति से कैसे चल सकते हैं, जबकि वास्तविक अर्थव्यवस्था का बुनियादी इंजनछोटा व्यापार क्षेत्र15 साल के मंदी के दौर में फंसा हुआ है?

इस सवाल का जवाब शासन प्रणाली की एक बड़ी विफलता की ओर इशारा करता है, जिसकी पहचान भारी-भरकम अनुपालन व्यवस्था, सार्वजनिक धन के कुप्रबंधन और भारी-भरकम राजस्व वृद्धि के बावजूद कर्ज लेने की निरंतर प्रवृत्ति से होती है।

जीएसटी तंत्र से पूंजी का क्षरण और एमएसएमई का विलुप्त होना

आज की सबसे कड़वी सच्चाई यह है कि पिछले 10-12 वर्षों में और विशेष रूप से जीएसटी लागू होने के बाद छोटे व्यवसायों की संचित पूंजी पूरी तरह से नष्ट हो चुकी है। एमएसएमई की कार्यशील पूंजी अब सीधे तौर पर जीएसटी के हाथों में समाहित हो चुकी है।

अग्रिम करों का भुगतान, इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के रिफंड में महीनों की देरी और अनुपालन न कर पाने पर भारी जुर्माने ने छोटे व्यापारियों का खून चूस लिया है। जब किसी छोटे व्यापारी की कार्यशील पूंजी ही कर-वसूली तंत्र द्वारा निचोड़ ली जाएगी और वह सरकारी खजाने का हिस्सा बन जाएगी, तो उसका व्यापार कैसे बचेगा?

पूंजी के इसी निर्मम क्षरण के कारण आज भारत में एमएसएमई क्षेत्र तेजी से विलुप्त होने की कगार पर पहुंच गया है। मुख्य बाजारों और छोटी व्यापारिक इकाइयों पर कर ऐसे वसूले जा रहे हैं, मानो वहां व्यापार फल-फूल रहा हो, लेकिन वास्तविकता में वे पूंजी-विहीन होकर दम तोड़ रहे हैं।

यह गहरा अंतर नीति-निर्माताओं और नागरिकों के सामने एक असहज और जरूरी सवाल खड़ा करता है: राज्य के राजस्व-वसूली इंजन अधिकतम गति से कैसे चल सकते हैं, जबकि वास्तविक अर्थव्यवस्था का बुनियादी इंजनछोटा व्यापार क्षेत्र15 साल के मंदी के दौर में फंसा हुआ है?

इस सवाल का जवाब शासन प्रणाली की एक बड़ी विफलता की ओर इशारा करता है, जिसकी पहचान भारी-भरकम अनुपालन व्यवस्था, सार्वजनिक धन के कुप्रबंधन और भारी-भरकम राजस्व वृद्धि के बावजूद कर्ज लेने की निरंतर प्रवृत्ति से होती है।

सुस्त पड़े छोटे व्यवसाय गुणवत्तापूर्ण और उच्च वेतन वाली नौकरियां पैदा नहीं कर सकते। वेतन वृद्धि के बिना घरेलू खपत असमान रूप से प्रभावित होती है, जिससे आम आबादी मुद्रास्फीति के दबाव के प्रति संवेदनशील हो जाती है।

सस्ते ऋण, बुनियादी ढांचे की सब्सिडी या तकनीकी उन्नयन का सुरक्षा-कवच प्रदान किए बिना कड़े अनुपालन के जरिए छोटे उद्यमों को संकट में धकेलने से अंततः उस कर-आधार को ही नुकसान पहुंचता है, जिस पर सरकार निर्भर करती है।

रिकॉर्ड जीएसटी संग्रह के बीच सवालपैसा आखिर आ कहां से रहा है?

सरकारें अपनी पीठ थपथपाते नहीं थकतीं कि उनका राजस्व और जीएसटी संग्रह बढ़कर 22 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है और सरकारी खजाने भर रहे हैं। लेकिन सोचने वाली बात यह है कि यह पैसा आखिर आ कहां से रहा है?

यह छोटी दुकानों, विनिर्माण इकाइयों और उन असंगठित व्यापारियों की जेब से निचोड़ा जा रहा है, जो खुद वेंटिलेटर पर हैं।

पिछले 15 वर्षों से देश का एसएमई क्षेत्र किसी सुनहरे दौर से नहीं गुजर रहा है, बल्कि वह लगातार बढ़ती अनुपालन की जटिलताओं, महंगे ऋण और बड़े कॉरपोरेट घरानों के एकाधिकार के बीच घुट रहा है। सरकार ने डिजिटल इंडिया और औपचारिकीकरण के नाम पर छोटे व्यापारियों पर ऐसा शिकंजा कसा कि उनकी व्यापारिक गतिशीलता ही थम गई। कर-वसूली के नाम पर यह आर्थिक उत्पीड़न और कुछ नहीं, बल्कि एक सुनियोजित छलावा है।

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर संग्रह और सकल जीएसटी राजस्व में भारी वृद्धि हुई है। आक्रामक डिजिटल निगरानी, ई-इनवॉइसिंग और औपचारिकीकरण के आदेशों के कारण कर अनुपालन एक कुशल वसूली तंत्र में बदल गया है। हालांकि, इस व्यवस्थागत दबाव का सबसे बुरा असर असंगठित और अर्ध-संगठित छोटे व्यापार क्षेत्रों पर पड़ा है।

पिछले 10 से 15 वर्षों में एमएसएमई को लगातार कई संरचनात्मक बाधाओं का सामना करना पड़ा है।

अनुपालन का बोझ

जहां बड़े निगमों के पास जटिल कानूनी और कर ढांचों को संभालने के लिए समर्पित कानूनी और कर विभाग होते हैं, वहीं छोटे उद्यम बार-बार दाखिल की जाने वाली विवरणियों, डिजिटल अनुपालन लागत और लगातार नियामकीय जांच के बोझ तले दब जाते हैं।

ऋण का संकट

संस्थागत ऋण का झुकाव बड़े व्यावसायिक घरानों की तरफ अधिक है। 15 प्रतिशत से भी कम एमएसएमई की औपचारिक संस्थागत ऋण तक पहुंच है। इसके चलते उन्हें उच्च ब्याज वाले अनौपचारिक ऋण बाजारों का सहारा लेना पड़ता है, जो उनके पहले से ही कम मुनाफे को निगल जाते हैं।

धन मिलने में देरी और कार्यशील पूंजी का संकट

बड़े निगम और सरकारी विभाग महीनों तक भुगतान रोककर रखते हैं, जिससे आपूर्ति श्रृंखला के निचले स्तर पर महत्वपूर्ण कार्यशील पूंजी फंस जाती है और वित्तीय संकट पैदा होता है।

परिणामस्वरूप, जहां डिजिटल कर तंत्र के माध्यम से आर्थिक गतिविधियों की रिपोर्टिंग में सुधार हुआ है, वहीं छोटे व्यवसायों की आंतरिक जैविक वृद्धि, लाभप्रदता और विस्तार क्षमता एक जगह स्थिर हो गई है। मुख्य बाजारों में कर ऐसे वसूले जा रहे हैं, मानो व्यापार फल-फूल रहा हो, लेकिन वास्तविकता यह है कि छोटे कारोबारी ऐसे संघर्ष कर रहे हैं, मानो वे किसी घेराबंदी में फंसे हों।

स्वास्थ्य और शिक्षा में भी 'मुफ्त' के दावों पर सवाल

इस प्रशासनिक विफलता और पाखंड का सबसे क्रूर रूप स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में देखने को मिलता है। सरकार एक तरफ तो इन बुनियादी क्षेत्रों के बजट में भारी कंजूसी करती हैजहां स्वास्थ्य और शिक्षा पर जीडीपी का एक बहुत छोटा हिस्सा ही खर्च होता हैऔर दूसरी तरफ चुनाव के वक्त 'मुफ्त' रेवड़ियों का ढिंढोरा पीटती है।

आज सरकारी अस्पतालों की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। गरीबों को मामूली इलाज के लिए भी महीनों इंतजार करना पड़ता है और जब वे मजबूरी में निजी अस्पतालों का रुख करते हैं, तो उनके जीवनभर की कमाई बिल चुकाने में खत्म हो जाती है।

'मुफ्त स्वास्थ्य' के तमाम दावे विज्ञापनों तक सीमित हैं। इसके अलावा, दवाइयों की दरों और उनकी अधिकतम खुदरा कीमत (एमआरपी) पर सरकार का कोई नियंत्रण नहीं बचा है। जीवनरक्षक और जरूरी दवाइयों के दाम वास्तविक लागत से 80 प्रतिशत से भी अधिक बढ़ाकर बेचे जा रहे हैं, जिससे गरीब और मध्यम वर्ग का जीना मुहाल हो गया है। इस बेलगाम लूट पर रोक लगाने के लिए सरकार को तत्काल और कड़े कदम उठाने की सख्त जरूरत है।

सरकारी स्कूलों का स्तर लगातार गिर रहा है। वहां न तो बुनियादी ढांचा है और न ही गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई। गरीब का बच्चा केवल साक्षरता का एक आंकड़ा बनकर रह जाता है, जबकि आधुनिक वैश्विक प्रतिस्पर्धा में टिकने योग्य हुनर उसे कभी नहीं मिल पाता।

जनता पर अप्रत्यक्ष करों (जीएसटी) और बेकाबू महंगाई का पहाड़ लादकर उसकी गाढ़ी कमाई से कर वसूला जाता है और फिर उसी के एक छोटे हिस्से को 'मुफ्त राशन' के रूप में परोसकर इसे 'कल्याणकारी राज्य' का नाम दे दिया जाता है।

जनता भीख नहीं, बल्कि अपने कर के बदले बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य और सम्मानजनक जीवन चाहती है। यह मुफ्त का दावा जनता के साथ सीधा-सीधा धोखा है।

कर ढांचे में बदलाव और बढ़ती चिंता

भारत के कर ढांचे और वित्तीय आंकड़ों में एक ऐसा खतरनाक बदलाव आया है, जो देश की रीढ़ कहे जाने वाले छोटे व्यवसायों और आम नागरिकों के लिए चेतावनी की घंटी है।

जैसा कि हालिया आंकड़े दर्शाते हैं, कभी वह दौर था जब कॉरपोरेट घराने व्यक्तिगत करदाताओं की तुलना में बहुत आगे हुआ करते थे। उदाहरण के लिए, वित्त वर्ष 2018-19 में कॉरपोरेट कर संग्रह व्यक्तिगत आयकर से लगभग 40 प्रतिशत अधिक था। लेकिन वित्त वर्ष 2025-26 तक स्थिति पूरी तरह उलट चुकी है। व्यक्तिगत आयकर संग्रह 12.41 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जिसने कॉरपोरेट कर संग्रह 10.99 लाख करोड़ रुपये को पीछे छोड़ दिया। यह इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि देश का सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र और आम मध्यम वर्ग गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा है तथा व्यापार की गति लगातार गिर रही है। छोटे व्यवसायों को विकास के अवसर मिलने के बजाय एक 'वसूली मशीन' की तरह देखा जा रहा है। संस्थागत ऋणों की कमी, बड़े घरानों का एकाधिकार और भुगतान में देरी ने इनकी कार्यशील पूंजी को पूरी तरह प्रभावित किया है।

कर नीति को वसूली मॉडल से विकास मॉडल में बदलने की जरूरत

एक ऐसी मजबूत राजनीतिक व्यवस्था में, जहां कोई ठोस विपक्ष सरकार को रोकने वाला न हो, शासन का रुख बेलगाम हो जाता है। यदि सरकार को वास्तव में देश का प्रभावी ढंग से प्रबंधन करना है, तो एक बुनियादी बदलाव की सख्त जरूरत है।कर नीति को दंडात्मक और अनुपालन-प्रधान वसूली मॉडल से हटाकर प्रोत्साहन-आधारित विकास ढांचे में बदलना होगा। औद्योगिक पिरामिड के सबसे निचले स्तर तक बिना किसी बाधा के ऋण पहुंचना चाहिए। सार्वजनिक और निजी दिग्गजों द्वारा भुगतान में देरी को कड़ाई से दंडित किया जाना चाहिए और ढीले खर्च प्रबंधन की जगह वित्तीय अनुशासन को लाना होगा। जब तक नीति-निर्माता यह नहीं समझते कि राष्ट्रीय धन की माप उसकी सबसे छोटी इकाइयों की सेहत से होती है, न कि उसके केंद्रीय खजाने के आकार से, तब तक भारत की आर्थिक वृद्धि दो अलग-अलग दुनियाओं की कहानी बनी रहेगीएक दुनिया कागजी अधिशेष पर जी रही है और दूसरी अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रही है।

-डॉ. अशोक केडिया
सीईओ, केडिया ग्रुप एवं चेयरमैनप्लानिंग, गवर्नेंस एंड रिफॉर्म्स कमीशन, अग्रवाल समाज तेलंगाना
www.boxkey.in पर व्यवसायों के लिए रणनीतिक रोडमैप और गवर्नेंस पहल के विकासकर्ता

आप का नज़रिया

नागरिक चाहते हैं सुशासन का मॉडल

कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सामने हिमाचल की शिक्षा का मॉडल अन्य राज्यों के लिए उत्प्रेरक हो सकता है। यहां सार्वजनिक क्षेत्र के शिक्षण संस्थान तुलनात्मक दृष्टि से अपना असर रखते हैं। यह इसलिए भी कि शिक्षा क्षेत्र में कमोबेश हर सरकार ने प्रयोग करते हुए मात्रात्मक दृष्टि से काफी उपलब्धियां दर्ज कीं, लेकिन इनका गुणात्मक प्रभाव सामने नहीं आ रहा। दूसरी ओर निजी क्षेत्र ने ऐसी छलांग लगाई कि अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी अभिभावक प्राइवेट स्कूलों की चमक-दमक से प्रभावित हो रहे हैं। हिमाचल में सियासी पाप व श्राप भी अब सरकारी संस्थानों की इज्जत खराब कर रहे हैं। शिक्षा का दायित्व किसी एक राज्य की बपौती नहीं, क्योंकि यह विषय समवर्ती सूची में शामिल है। यानी केंद्र की योजनाओं में राज्य की भागीदारी व दिशा का असर है कि पर्वतीय प्रदेश का शिक्षा मॉडल वर्तमान स्तर तक पहुंचा। यह दीगर है कि अब केंद्र बनाम राज्य की कसौटियों में सामंजस्य का अभाव दिखाई देता है। इसी विषय से विषाद निकालते हुए राज्य सरकार ने कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति की नियुक्ति में हो रही देरी का आरोप चित किया है। राज्य सरकार कुलपतियों की नियुक्ति में अपने अधिकार का डंका चाहती है, इसलिए विधानसभा की शक्ति से विधेयक तो बदला, लेकिन लोकभवन की ताकत ने इसे ताले में रख दिया। ऐसे ही शिक्षा का एक विषय केंद्रीय विश्वविद्यालय के धर्मशाला परिसर को लेकर भी राजनीतिक आबंटन में फंसा है। जदरांगल परिसर के लिए करीब ढाई सौ करोड़ का बजट मंजूर है, लेकिन राज्य सरकार पर्यावरणीय शर्तों के अनुरूप तीस करोड़ जमा नहीं करा रही, लिहाजा एक महत्त्वाकांक्षी परियोजना के दो चित्र देहरा व धर्मशाला में अलग-अलग आशाएं व आशंकाएं उत्पन्न कर रहे हैं। बावजूद इसके सुक्खू सरकार ने शिक्षण संस्थाओं की प्रासंगिकता व गुणवत्ता को लेकर कई गंभीर प्रयास किए हैं और जिनमें सार्वजनिक क्षेत्र के स्कूलों में सीबीएसई पाठ्यक्रम का आचरण व वातावरण पैदा करने की कोशिश श्रेष्ठ है। इसी तरह राजीव गांधी डे बोर्डिंग स्कूलों का संकल्प परिवर्तन लाने का महती प्रयास है। कांग्रेस वर्किंग कमेटी अगर राज्य के मॉडलों पर गौर करते हुए हर क्षेत्र और हर विषय पर अपनी सरकारों की भूमिकाओं का विश्लेषण करे, तो यह विकास, मानव संसाधन विकास, सुशासन, सार्वजनिक उपक्रमों की प्रासंगिता, चिकित्सा सेवाओं, नागरिक सुविधाओं तथा विभागीय दायित्व में भविष्य की चुनौतियों का समाधान भी दिखाई देगा। हिमाचल में विकास के मॉडल आज जहां स्थापित हैं, वहां भविष्य की रूपरेखा बदलनी होगी। शहरीकरण तथा मानव बस्तियों के विस्तार के कारण भौगोलिक दबाव को समझते हुए राज्य के नियोजन पर नई दृष्टि चाहिए। प्राकृतिक संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल तथा पर्यावरणीय संतुलन की दृष्टि से नए मॉडल की दरकार है। जहां तक सुक्खू सरकार के मॉडल के उद्घोष वाक्य का सवाल है, तो मुख्यमंत्री व्यवस्था परिवर्तन के परिप्रेक्ष्य में जो कर चुके, कर रहे हैं या आगे करेंगे, उस पर कांग्रेस की सोच, समझ व स्वीकृति सामने आनी चाहिए। जनता के लिए हर सरकार अब वादों की फेहरिस्त, गारंटियों की विविधता तथा उदारता की अनुकूलता में कई फैसले लेती है, फिर भी नागरिक नजरिए से सुशासन का नजराना अहम है और अगर यह मॉडल कांग्रेस साबित कर दे, तो हिमाचल की सामाजिक अदालत में मुकदमा जीता जा सकता है।

सार्वजनिक क्षेत्र के शिक्षण संस्थान तुलनात्मक दृष्टि से अपना असर रखते हैं। यह इसलिए भी कि शिक्षा क्षेत्र में कमोबेश हर सरकार ने प्रयोग करते हुए मात्रात्मक दृष्टि से काफी उपलब्धियां दर्ज कीं, लेकिन इनका गुणात्मक प्रभाव सामने नहीं आ रहा। दूसरी ओर निजी क्षेत्र ने ऐसी छलांग लगाई कि अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी अभिभावक प्राइवेट स्कूलों की चमक-दमक से प्रभावित हो रहे हैं। हिमाचल में सियासी पाप व श्राप भी अब सरकारी संस्थानों की इज्जत खराब कर रहे हैं। शिक्षा का दायित्व किसी एक राज्य की बपौती नहीं, क्योंकि यह विषय समवर्ती सूची में शामिल है। यानी केंद्र की योजनाओं में राज्य की भागीदारी व दिशा का असर है कि पर्वतीय प्रदेश का शिक्षा मॉडल वर्तमान स्तर तक पहुंचा। यह दीगर है कि अब केंद्र बनाम राज्य की कसौटियों में सामंजस्य का अभाव दिखाई देता है। इसी विषय से विषाद निकालते हुए राज्य सरकार ने कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति की नियुक्ति में हो रही देरी का आरोप चित किया है। राज्य सरकार कुलपतियों की नियुक्ति में अपने अधिकार का डंका चाहती है, इसलिए विधानसभा की शक्ति से विधेयक तो बदला, लेकिन लोकभवन की ताकत ने इसे ताले में रख दिया। ऐसे ही शिक्षा का एक विषय केंद्रीय विश्वविद्यालय के धर्मशाला परिसर को लेकर भी राजनीतिक आबंटन में फंसा है। जदरांगल परिसर के लिए करीब ढाई सौ करोड़ का बजट मंजूर है, लेकिन राज्य सरकार पर्यावरणीय शर्तों के अनुरूप तीस करोड़ जमा नहीं करा रही, लिहाजा एक महत्त्वाकांक्षी परियोजना के दो चित्र देहरा व धर्मशाला में अलग-अलग आशाएं व आशंकाएं उत्पन्न कर रहे हैं।

पुर्तगाल ने नार्वे को हराकर नेशंस लीग क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

पोर्टो

क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बिना खेल रहे मौजूदा चैंपियन पुर्तगाल ने नेशंस लीग में नार्वे को 2-1 से हराकर मार्च में होने वाले क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। पुर्तगाल ने प्रतियोगिता में लगातार चार जीत दर्ज करते हुए ग्रुप ए4 में शीर्ष दो में स्थान सुनिश्चित कर लिया है।

पुर्तगाल की ओर से गोंसालो रामोस ने मैच खत्म होने से 11 मिनट पहले निर्णायक गोल किया। इस जीत के बाद पुर्तगाल दूसरे स्थान पर मौजूद डेनमार्क से छह अंक आगे हो गया है। डेनमार्क ने कार्डिफ में वेल्स को 1-0 से हराया।

रोनाल्डो पिछले सप्ताह कोच जार्ज जीसस के साथ विवाद के बाद टीम से अलग हो गए थे। उनके बिना भी पुर्तगाल ने गुरुवार को डेनमार्क के खिलाफ जीत दर्ज की थी और अब घरेलू मैदान पर नार्वे को हराकर अपनी जीत की लय कायम रखी।

नार्वे ने 36वें मिनट में बढ़त बनाई। सेंटर-बैक क्रिस्टोफर एजेर ने पेनल्टी क्षेत्र के बाहर से शानदार हाफ-वाली लगाकर गेंद को गोल में पहुंचाया। हालांकि, दो मिनट बाद ही पुर्तगाल ने बराबरी कर ली। जोआओ कैंसेलो ने जोरदार शाट लगाकर स्कोर 1-1 कर दिया।

निर्णायक गोल रामोस ने किया। जोआओ फेलिक्स ने गोल की ओर हेडर के जरिए गेंद पहुंचाई, जिसे रामोस ने अपने पैर के पिछले हिस्से से गोल में डाल दिया।

पुर्तगाल के कोच जार्ज जीसस ने कहा, नार्वे को हराने के लिए काफी तकनीकी गुणवत्ता की जरूरत होती है। हमने डेनमार्क के खिलाफ जैसा प्रदर्शन किया था, वैसा प्रदर्शन किए बिना जीत हासिल की, लेकिन महत्वपूर्ण बात जीत और क्वालीफिकेशन थी। मुझे इस टीम पर काफी भरोसा था, लेकिन शायद मैंने यह उम्मीद नहीं की थी कि हम अपने पहले चार मैचों में चार जीत दर्ज कर लेंगे। पुर्तगाल की जीत हालांकि फ्रांसिस्को कोंसेइसाओ के लाल कार्ड के कारण कुछ फीकी रही। मैच खत्म होने से चार मिनट पहले उन्हें दूसरा पीला कार्ड मिला। पीला कार्ड मिलने के बाद उन्होंने रेफरी की ओर व्यंग्यात्मक अंदाज में अंगूठा दिखाया, जिसके तुरंत बाद उन्हें मैदान से बाहर भेज दिया गया।

डेनमार्क ने वेल्स को हराया - कार्डिफ में वेल्स के गोलकीपर डैनी वार्ड ने डेनमार्क को रोकने के लिए कई शानदार बचाव किए, लेकिन 75वें मिनट में गुस्ताव इसाक्सेन को फाउल करने के कारण उन्होंने पेनल्टी दे दी। रासमुस होयलुंड ने पेनल्टी को गोल में बदलकर डेनमार्क को 1-0 से जीत दिलाई।

नीदरलैंड्स ने सर्बिया को हराया - ग्रुप ए2 में नीदरलैंड्स ने आइंडहोवन में सर्बिया को 2-1 से हराकर गोल अंतर के आधार पर शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। कप्तान वर्जिल वान डाइक ने अपना 100वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेला। नीदरलैंड्स ने 31वें मिनट में बढ़त बनाई। ट्यून कूपमाइनर्स की फ्री-किक को पेनल्टी क्षेत्र में किसी खिलाड़ी का स्पर्श नहीं मिला और गेंद सीधे गोल के कोने में चली गई। चार मिनट बाद सर्बिया ने बराबरी कर ली। अलेक्सा तेर्जिच के क्रास पर किशोर खिलाड़ी मिहायलो त्स्वेत्कोविच ने कूपमाइनर्स से ऊपर उठकर हेडर से अपना पहला अंतरराष्ट्रीय गोल किया।

न्यूज ब्रीफ

आईपीएल के अगले सत्र में सनराइजर्स से शायद ही खेलें अभिषेक

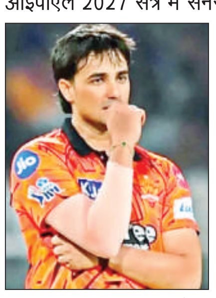

मुम्बई । आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के आईपीएल 2027 सत्र में सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेलने की संभावाएं नहीं हैं। जिस प्रकार से ईशान किशन को टीम की कप्तानी सौंपी गयी है। उसके बाद से ही अभिषेक के टीम से जाने की अटकलें तेज हो गयी हैं। वैसे भी आईपीएल की अगली नीलामी से पहले टीमों के बीच खिलाड़ियों को बनाए रखने और रिलीज करने को लेकर बातें चल रही हैं। अभिषेक साल 2019 से ही सनराइजर्स से खेलते रहे हैं और उन्होंने लंबे समय से टीम की कप्तानी करने की इच्छा जताई है। मौजूदा जानकारी के अनुसार, पिछले सत्र से ही सनराइजर्स के साथ उनके संबंध अच्छे नहीं रहे हैं। ईशान को कप्तानी दिए जाने के बाद उनकी नाराजगी की खबरें सामने आई हैं, जिसने इन अटकलों को और बल मिला है।हालांकि, अभिषेक शर्मा के अगले सीजन में सनराइजर्स हैदराबाद छोड़ने को लेकर अभी कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। वहीं कहा जा रहा है कि उनसे कई फ्रेंचाइजी की अनौपचारिक स्तर पर बातचीत हुई है, लेकिन अब तक कोई ठोस निष्कर्ष नहीं निकला है। माना जा रहा है कि वह मुंबई इंडियंस, गुजरात टाइटंस और पंजाब किंग्स में जा सकते है। इसके अलावा दिल्ली कैपिटल्स भी उनको ले सकता है। इसका कारण है कि उनके गुय युवराज सिंह दिल्ली से जुड़ गये हैं। वहीं दूसरे ओर सनराइजर्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के. शनमुगम का कहन हैकि अभिषेक टीम में ही रहेंगे। ये भी सही है कि अभी तक न ही अभिषेक और फ्रेंचाइजी ने टीम से अलग होने की कोई बात की है। गौरतलब है कि 2027 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का कार्यक्रम काफी व्यस्त रहने वाला है, जिसके चलते पैट कमिंस जैसे अंतरराष्ट्रीय कप्तान की उपलब्धता पर सवाल बने हुए हैं। यही वजह है कि सनराइजर्स हैदराबाद ने कप्तानी के लिए ईशान किशन को लिया है।

विश्वकप करीब होने से अब एक ही संयोजन के साथ उतरेंगे : शुभमन

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने कहा है कि साल 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप में अब ज्यादा समय नहीं है। ऐसे में अब टीम संयोजन में और अधिक प्रयोग नहीं किये जाएंगे। शुभमन के अनुसार अब टीम अब तक के प्रयोगों के बाद पाये गये सबसे बेहतर संयोजन के साथ आने वाले मुकाबलों में उतरेगी। भारतीय टीम ने हाल में वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में पहले दो मैच जीते थे पर अंतिम मैच में तीन सौ से अधिक रन बनाने के बाद भी उसके गेंदबाज लक्ष्य का बचाव नहीं कर पाये थे। जिससे उसके हाथ से मुकाबला निकल गया। इससे सबक लेते हुए टीम को अपनी गेंदबाजी की कमजोरी को दूर करना होगा। इस सीरीज में हालांकि भारतीय टीम को कई प्रमुख खिलाड़ियों के बीन ही खेलना पड़ा था क्योंकि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह सहित कई खिलाड़ी एशियाई खेलों के लिए गये हुए थे। दिया। इससे कई बैकअप खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिला। वहीं हार्दिक पंड्या और प्रसिद्ध कृष्णा जैसे खिलाड़ियों की चोटों ने भी टीम की मुश्किलें इस सीरीज में बढ़ाई थीं। ऐसे में टीम को अनुभवी के साथ ही युवा खिलाड़ियों को भी टीम में उतरना पड़ा था। इन हालातों में ऋतुराज गायकवाड़, नमन धीर, अंशुल कंबोज और आकिब नबी जैसे खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम में अपनी दावेदारी पेश करने का अवसर दिया। वहीं नीतीश कुमार रेड्डी और गुरनूर बराड़ जैसे युवा खिलाड़ियों को भी भविष्य के लिए तैयार किया जा रहा है।

कोहली और रोहित की नजरें न्यूजीलैंड के खिलाफ अधिक से अधिक रन बनाने पर होंगी

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा की नजरें अब अगले माह न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय सीरीज में बेहतर प्रदर्शन करने पर लगी रहेंगी। हाल में वेस्टइंडीज के खिलाफ हुई एकदिवसीय सीरीज में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से इन दोनो ने ही आगामी एकदिवसीय विश्वकप के लिए अपनी दावेदारी पेश की है। अब इनकी नजरें कीवी दौरे में भी अधिक से अधिक रन बनाकर अपनी दावेदारी मजबूत करना रहेगा। टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके ये दोनो ही दिग्गज खिलाड़ी अभी केवल एकदिवीसय प्रारुप में ही खेलते हैं। इनका धयान अब साल 2027 में होने वाले विश्व कप से पहले अपनी सर्वश्रेष्ठ लय को बनाये रखना रहेगा। हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली गई घरेलू वनडे सीरीज में इन दोनों दिग्गजों ने अपने बल्ले की चमक से पूरी दुनिया का दिल जीत लिया था। विराट कोहली ने असाधारण प्रदर्शन करते हुए मात्र 3 पारियों में 84.00 के शानदार औसत से कुल 168 रन बनाए, जिसमें पहले ही मैच में महज 88 गेंदों में उनकी नाबाद 139 रनों की शतकीय पारी शामिल थी। इसी सीरीज के दौरान उन्होंने एकदिवसीय क्रिकेट में अपने 15,000 रन भी पूरे किए, महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बाद इस मुकाम तक पहुंचने वाले वह दुनिया के केवल दूसरे खिलाड़ी बन गए।

आयरलैंड फुटबाल टीम ने फिर पहनी काली पट्टी, इजराइल से हाथ मिलाने से किया इनकार

बाक्का टोपोला, सर्बिया

आयरलैंड की पुरुष फुटबाल टीम के खिलाड़ियों ने इजराइल के खिलाफ नेशंस लीग मुकाबले से पहले एक बार फिर काली पट्टी बांधी और इजराइल के राष्ट्रगान के दौरान सिर झुकाकर गाजा में इजरायल की कार्रवाई के विरोध का संकेत दिया। इसके बाद दोनों टीमों के बीच खेला गया मुकाबला 1-1 से ड्रा रहा। इजराइल के खिलाड़ियों ने भी काली पट्टी पहनी। उन्होंने 7 अक्टूबर 2023 को हमास के नेतृत्व में इजराइल में हुए हमलों में मारे गए लोगों की याद में ऐसा किया। इजराइल के कप्तान डोर पेरेट्ज की पट्टी पर 7.10 लिखा था।

आयरलैंड के नियमित कप्तान डारा ओशे अपनी पत्नी के साथ बच्चे के जन्म के समय मौजूद रहने के लिए टीम से अलग थे, इसलिए गोलकीपर कैओमिन केलेहर ने कप्तानी की। केलेहर ने मैच से पहले रेफरी और उनके एक सहायक से हाथ मिलाया, लेकिन इजराइल के कप्तान पेरेट्ज से हाथ मिलाने से जानबूझकर परहेज किया।

केलेहर ने पिछले सप्ताह हंगरी के डेब्रेसेन में खेले गए पहले मुकाबले में ओशे द्वारा अपनाए गए कदम को दोहराया। उस मैच में ओशे ने इजराइल के कप्तान मैनोर सोलोमन से हाथ नहीं मिलाया था। आयरलैंड ने वह मुकाबला 3-0 से जीता था और तीनों गोल पहले हाफ में किए थे।

मुकाबले के लिए सोलोमन को शुरुआती एकादश से बाहर रखा गया और वह बेंच पर रहे।

इजराइल के फारवर्ड सईद अबू फरची भी टीम में लौटे, जो 25 सितंबर को आस्ट्रिया के खिलाफ 1-3 की हार के दौरान गोल का जश्न मनाने के बाद लाल कार्ड मिलने के कारण निलंबित थे। हालांकि, उन्हें इस मैच में खेलने का मौका नहीं मिला।

मैच का पहला गोल आयरलैंड ने किया। 39वें मिनट में पेरेट्ज द्वारा जिमी डन पर किए गए फाउल के बाद ट्राय पैरट ने पेनल्टी को गोल में बदलकर आयरलैंड को 1-0 की बढ़त दिलाई। पहले हाफ के बाद खिलाड़ी मैदान से बाहर जा रहे थे, तभी दोनों पक्षों के बीच साइडलाइन पर बहस भी हुई।

दूसरे हाफ की शुरुआत से पहले पेरेट्ज ने अपनी जर्सी के पिछले हिस्से को गर्दन के ऊपर उठाया, जिससे उस पर बना इजराइल का झंडा स्पष्ट दिखाई दे रहा था। खेल शुरू होने के दो मिनट बाद उन्होंने करीब से गोल कर इजराइल को 1-1 की बराबरी दिला दी।

दूसरे हाफ में इजराइल के स्थानापन्न खिलाड़ी ओमरी गैंडेलमैन और आस्कर ग्लूख ने गोल के दाहिने पोस्ट पर गेंद मारी। मुकाबले के दौरान कुछ कड़े टैकल के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच तनाव बढ़ता दिखा, जिस पर रेफरी जुआन मार्टिनेज मुनुएरा को लगातार नजर रखनी पड़ी।

मुकाबला डबलिन से सर्बिया स्थानांतरित किया गया - यह मुकाबला मूल रूप से डबलिन में खेला जाना था, लेकिन व्यापक बहिष्कार की मांगों के बाद आयरिश फुटबाल संघ ने जून में इसे परिचालन कारणों का हवाला देते हुए तटस्थ स्थान पर कराने का फैसला किया। संघ ने यह भी कहा था कि मुकाबला बिना दर्शकों के खेला जाएगा।

इससे पहले आयरिश फुटबाल संघ ने पिछले नवंबर में एक प्रस्ताव पारित कर यूईएफए से इजरायल को क्लब और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं से प्रतिबंधित करने की मांग की थी।

आयरलैंड में फिलिस्तीन के प्रति मजबूत समर्थन के कारण खिलाड़ियों पर दोनों मैचों के बहिष्कार का दबाव था। पहले मुकाबले से पहले यह दबाव और भी अधिक था। आयरलैंड के कोच हेमिर हालग्रिमसन ने उस समय कहा था, मैंने उस दबाव को दिन-ब-दिन बढ़ते महसूस किया और अब यह लगभग अपनी सीमा तक पहुंच रहा है।

हालांकि, रिजर्व गोलकीपर गैविन बाजुनु को छोड़कर किसी खिलाड़ी ने दोनों मैचों से हटने का फैसला नहीं किया। बाजुनु ने बयान जारी कर कहा था कि निर्दोष लोगों की हत्या गलत है और यह उनका व्यक्तिगत विश्वास है।

ओलंपिक में सीधे प्रवेश से अब तैयारियों के लिए अधिक समय मिलेगा : मनप्रीत

नई दिल्ली

भारतीय हाकी टीम के अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह ने कहा है लास एंजेलिस ओलंपिक 2028 का टिकट मिलने से टीम का मनोबल बढ़ा है और अब वह दूने उत्साह से ओलंपिक की तैयारियों में लगेगी। मनप्रीत के अनुसार एशियाई खेलों में जीत से ये लाभ हुआ है कि टीम को सीधे ओलंपिक में जगह मिली है। जिससे अब उसके पास तैयारियों के लिएस काफी समय हो गया है। ऐसे में टीम अब आराम से अपनी कमजोरियों को दूसर करने पर काम कर सकती है। टीम के ओलंपिक जैसे बड़े आयोजन के लिए सुनियोजित तैयारी करने का समय मिल गया है। यह एक रणनीतिक लाभ है जो भारतीय हाकी को विश्व मंच पर अपनी स्थिति और मजबूत करने का अवसर देगा।

मनप्रीत ने कहा कि एशियाई खेल टीम के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव था । उन्होंने कहा, एशियाई खेल हमारे लिए एक महत्वपूर्ण टूर्नामेंट था। हमने इससे सीधे क्वालीफाई कर लिया है। इसलिए हमें अब ओलंपिक क्वालीफायर राउंड नहीं खेलना पड़ेगा और इस दौरान हम अपने कौशल को बेहतर बनाने पर काम कर सकते हैं। इसके साथ ही जो चीजें कमजोर हैं उन पर ध्यान दे सकते हैं। मनप्रीत एशियाई खेलों में तीन स्वर्ण पदक जीतने वाले एकमात्र भारतीय हाकी खिलाड़ी हैं। एक अनुभवी मिडफील्डर के रूप में, यह उपलब्धि उनके लिए और भी खास है, क्योंकि वह लंबे समय से भारतीय हाकी टीम के अभिन्न सदस्य रहे हैं। मैदान पर उनका अनुभव और लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन टीम को बड़े टूर्नामेंटों में हमेशा सहारा देता रहा है, जिससे उनकी उपस्थिति टीम के लिए अमूल्य है।

यह पहली बार नहीं है जब भारतीय टीम को ओलंपिक से पहले तैयारी के लिए इस तरह का अवसर मिला है। पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए भी भारत ने 2023 हांगझोउ एशियन गेम्स में पुरुष हाकी में स्वर्ण पदक जीतकर सीधा क्वालीफाई किया था।

उस समय भी टीम को ओलंपिक से पहले अपनी रणनीतियों को धार देने और विभिन्न पहलुओं पर काम करने के लिए पर्याप्त समय मिला था। सीधे क्वालीफाई करने से मिलने वाला यह अतिरिक्त समय खिलाड़ियों को शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत होने का अवसर देता है, साथ ही टीम को अपनी रणनीतिक खामियों को दूर करने और नई योजनाओं को लागू करने में भी मदद मिलती है।

सचिन, रूट सहित इन क्रिकेटरों के नाम हैं टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक रन

मुम्बई। टेस्ट क्रिकेट को अब भी खेल का आधार माना जाता है और ये भी कहा जाता है कि इसमें बल्लेबाजों की असली परीक्षा होती है। विश्व भर के कई महान खिलाड़ियों ने अपने करियर के दौरान लंबे समय तक क्रीज पर टिककर इस प्रारुप में ऐसे अहम रिकार्ड बनाए हैं। इसमें से एक है सबसे अधिक रनों का रिकार्ड। भारत के सचिन तेंदुलकर सहित कई बल्लेबाज ऐसे हैं जिनके नाम सबसे अधिक रनों के रिकार्ड है। सचिन तेंदुलकर : इसमें सचिन नंबर एक पर हैं। साल 1989 से 2013 के बीच इस बल्लेबाज ने अपने करियर में 200 टेस्ट मैचों की 329 पारियों में 15921 रन बनाए। उनका उच्चतम स्कोर नाबाद 248 रन और औसत 53.78 का रहा, जिसमें 51 शतक और 68 अर्धशतक शामिल हैं। जो रूट : वहीं दूसरे नंबर पर इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज और कप्तान जो रूट का नाम आता है। उन्होंने अब तक 169 टेस्ट मैचों में 14278 रन बटोरे हैं, जिसमें 41 शतक और 69 अर्धशतक शामिल हैं। उनका औसत 50.45 और उच्चतम स्कोर 250 रन है। रिकी पोंटिंग : आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और आक्रामक बल्लेबाज रिकी पोंटिंग इस सूची में तीसरे नंबर पर हैं। साल 1995 से 2012 के बीच 168 टेस्ट मैचों में उन्होंने 13378 रन बनाए, जिसमें 41 शतक और 62 अर्धशतक शामिल हैं। उनका औसत 51.85 और सर्वोच्च स्कोर 257 रन रहा।

माइकल ब्रेसवेल न्यूजीलैंड क्रिकेट के कैजुअल कान्ट्रैक्ट पर, निक केली को मिला पहला राष्ट्रीय अनुबंध

वेलिंगटन

न्यूजीलैंड के आलराउंडर माइकल ब्रेसवेल 2026-27 सत्र के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट के केंद्रीय अनुबंध से हटकर कैजुअल कान्ट्रैक्ट पर रहेंगे। इससे उन्हें आस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग में खेलने का अवसर हासिल करने की अनुमति मिलेगी। ब्रेसवेल न्यूजीलैंड के कैजुअली कान्ट्रैक्ट वाले खिलाड़ियों की सूची में फिन एलन, मार्क चैपमैन, लाकी फर्ग्यूसन, एडम मिल्ने और टिम सीफर्ट के साथ शामिल होंगे।

35 वर्षीय ब्रेसवेल केंद्रीय अनुबंध सूची से बाहर होने के बावजूद न्यूजीलैंड टीम के लिए उपलब्ध रहेंगे। उनकी जगह नार्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स के बल्लेबाज निक केली को राष्ट्रीय अनुबंध सूची में शामिल किया गया है। 33 वर्षीय केली को प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण के 11 साल बाद पहली बार न्यूजीलैंड का राष्ट्रीय अनुबंध मिला है।

ब्रेसवेल ने कहा कि वह न्यूजीलैंड के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं और भारत के खिलाफ आगामी पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में खेलने को लेकर उत्साहित हैं।

ब्रेसवेल ने न्यूज़ीलैंड क्रिकेट के हवाले से कहा, मेरे करियर के इस पड़ाव पर यह अवसर हासिल करने के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट का समर्थन मेरे लिए बहुत मायने रखता है। एक ऐसे खिलाड़ी के रूप में, जो सिर्फ सीमित ओवरों का क्रिकेट खेलता है, यह ऐसा अवसर था जिसे छोड़ना मेरे लिए बहुत मुश्किल था। मैं अब भी ब्लैककैप्स के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हूं और आगामी भारत दौरे तथा भविष्य की सीमित ओवरों की सीरीज में शामिल होने के लिए बेहद उत्साहित हूं। मेरी नजरें अगले सत्र से शुरू होने वाली पहली एनजेड20 प्रतियोगिता में खेलने के अवसर पर भी पूरी तरह टिकी हुई हैं।

केली ने मार्च 2025 में अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था और अब तक आठ वनडे तथा सात टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं। इस साल की शुरुआत में चोटिल टाम लैथम की जगह उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में न्यूजीलैंड की कप्तानी भी की थी।

केली हाल ही में लीसेस्टरशायर के साथ अपना कार्यकाल पूरा करके लौटे हैं, जहां उन्होंने सभी प्रारूपों में 950 रन बनाए। उन्होंने मिडिलसेक्स के खिलाफ वनडे कप फाइनल में अपना छठा लिस्ट-ए शतक भी लगाया।

न्यूजीलैंड के मुख्य कोच राब वाल्टर ने कहा कि घरेलू क्रिकेट में केली की निरंतरता ने उन्हें राष्ट्रीय अनुबंध दिलाया है। वाल्टर ने ओटागो में दो सत्रों के दौरान केली को कोचिंग भी दी है।

वाल्टर ने कहा, निक पिछले कई सत्रों से घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में शामिल रहे हैं और यह उनकी कड़ी मेहनत का प्रमाण है कि करियर के इस पड़ाव पर उन्हें अपना पहला अनुबंध मिला है।

उन्होंने कहा, निक जैसे खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में थोड़ा देर से लाने के निश्चित रूप से कुछ फायदे हैं। खिलाड़ी इस समय तक अपने खेल को बेहतर तरीके से समझ चुका होता है और दबाव में प्रदर्शन करने के लिए खुद पर भरोसा कर सकता है। केली ने अपने पिछले चार वनडे मैचों में तीन अर्धशतक लगाए हैं। वाल्टर का मानना है कि उनका अनुभव टीम के लिए काफी उपयोगी साबित होगा। वाल्टर ने कहा, बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के खिलाफ चुनौतीपूर्ण बल्लेबाजी परिस्थितियों में भी निक ने अपने प्रदर्शन से खुद को साबित किया।

वैभव प्रतिभाशाली और शानदार फार्म में हैं, लेकिन अवसर के लिए इंतजार करना होगा: गौतम गंभीर

नई दिल्ली

लगातार दो बार आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप जीत चुकी भारतीय टीम घरेलू सत्र की शुरुआत दो बार की विश्व चैंपियन वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज से करेगी। सीरीज से पहले भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने नए टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर के साथ काम करने के अनुभव और युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के साथ हुई बातचीत को लेकर अपनी बात रखी।

जियोस्टार के कार्यक्रम फालो द ब्लूज: गौतम गंभीर अनफिल्टर्ड में गंभीर ने श्रेयस अय्यर की नेतृत्व क्षमता की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि अय्यर की सबसे बड़ी खूबी उनकी निस्वार्थ भावना है।

गंभीर ने कहा, श्रेयस के साथ मेरा पहला अनुभव तब हुआ जब मैं 2024 में केकेआर में गया था, जहां वह कप्तानी कर रहे थे। श्रेयस के बारे में मुझे सबसे अच्छी बात यह लगी कि वह कई बार अपनी बल्लेबाजी की स्थिति छोड़ने के लिए तैयार रहते थे। वह इतने लचीले थे कि अगर कोई और खिलाड़ी उनसे ऊपर बल्लेबाजी करने जाता था तो भी उन्हें कोई समस्या नहीं थी। ऐसा बहुत कम होता है कि कोई कप्तान, जो शायद आपकी टीम का मुख्य बल्लेबाज भी हो, टीम के हित में अपनी बल्लेबाजी की स्थिति किसी और के लिए छोड़ दे, चाहे वह किसी और खिलाड़ी को प्रभाव पैदा करने का मौका देने के लिए हो या बाएं-दाएं बल्लेबाजी संयोजन के दृष्टिकोण से। तभी मुझे एहसास हुआ कि एक अच्छे नेता की सबसे पहली और सबसे महत्वपूर्ण खूबी यह है कि आप कितने निस्वार्थ हैं। उन्होंने आगे कहा, श्रेयस में यह खूबी है और कप्तान के रूप में अपने आगे के सफर में वह इसे एक बड़ी ताकत के रूप में लेकर चल सकते हैं। आप मेहनती हो सकते हैं, अनुशासित हो सकते हैं, फिट हो सकते हैं, दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज हो सकते हैं। लेकिन अगर आप निस्वार्थ नहीं हैं तो बाकी सभी चीजें बेकार

हो जाती हैं। श्रेयस में ये सभी खूबियां हैं और इसके ऊपर उनमें वह निस्वार्थ भावना भी है।

वैभव को अवसर के लिए करना होगा इंतजार - वैभव सूर्यवंशी को लेकर हुई बातचीत के बारे में गंभीर ने कहा कि युवा खिलाड़ी शानदार फार्म में हैं, लेकिन लंबे समय से अच्छा प्रदर्शन कर रहे खिलाड़ियों की मौजूदगी के कारण उन्हें अपने अवसर का इंतजार करना पड़ सकता है।

गंभीर ने कहा, यह मेरे लिए भी एक नया अनुभव था। हां, वह शानदार फार्म में थे, लेकिन मैंने उन्हें समझाया कि कभी-कभी लंबे समय से अच्छा प्रदर्शन कर रहे खिलाड़ियों की वजह से उन्हें अपने अवसर के लिए इंतजार करना होगा। और एक और बात है, सोशल मीडिया या बाहर का शोर प्लेइंग इलेवन तय नहीं करता। यह इस बात पर निर्भर करता है कि ड्रेसिंग रूम में कौन, या कोच और कप्तान किसे लगता है कि वह हमें मैच जिता सकता है, या सर्वश्रेष्ठ प्लेइंग इलेवन क्या है, और कौन इतने लंबे समय से अच्छा प्रदर्शन कर रहा है।

उन्होंने कहा, क्योंकि अगर वैभव आज खेलते हैं तो मेरे और उस खिलाड़ी के बीच एक मुश्किल बातचीत होगी जिसे हम बाहर रखते हैं, चाहे वह अभिषेक हों या संजू। इसलिए हम अचानक उस संयोजन को नजरअंदाज नहीं कर सकते जिसने पिछले डेढ़ या दो वर्षों में इतना प्रभाव पैदा किया है और तीन या चार असफलताओं के बाद उन्हें बाहर कर ऐसे युवा खिलाड़ी को मौका दे दें जो बेहद प्रतिभाशाली है और बहुत अच्छी फार्म में भी है। इसलिए कभी-कभी आपको अपने अवसर के लिए इंतजार करना होगा, क्योंकि हम उस ड्रेसिंग रूम में सुरक्षा की भावना पैदा करना चाहते हैं।

निरंतरता बनाए रखना जरूरी - गंभीर ने टीम में निरंतरता बनाए रखने और लोकप्रिय फैसलों के बजाय सही फैसले लेने के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, मेरे लिए लोकप्रिय फैसले लेना बहुत आसान है, लेकिन शायद मेरे लिए सबसे मुश्किल काम सही फैसले लेना है। और हमने संजू और अभिषेक के साथ जारी रखने का सही फैसला लिया है। खेल के इतिहास में कोई भी टीम एक विश्व कप से दूसरे विश्व कप तक अपराजित नहीं रही है और फिर दोबारा विश्व कप नहीं जीता है। अचानक एक खराब सीरीज या यहां-वहां तीन खराब मैच उन्हें खराब खिलाड़ी नहीं बना देते और न ही हमें खराब टीम बना देते हैं। इसलिए हमारे लिए निरंतरता बनाए रखना बहुत महत्वपूर्ण था।

निजामाबाद जिला रेड क्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष चुने गए पी. लक्ष्मीनारायण

15 सदस्यीय प्रबंध समिति का बहुमत से हुआ चुनाव, नवनिर्वाचित सदस्यों ने ली शपथ

निजामाबाद, 05 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पोथांकर लक्ष्मीनारायण को जिला रेड क्रॉस सोसाइटी का अध्यक्ष चुना गया। कार्यकारी समिति का चुनाव सोमवार को पुथाना में आयोजित किया गया। नवनिर्वाचित सदस्यों ने रेड क्रॉस सोसाइटी के चुनाव अधिकारी टीसीओ श्रीनिवास की देखरेख में शपथ ग्रहण की।

इसके बाद समिति के पदाधिकारियों का चुनाव कराया गया। रेड क्रॉस सोसाइटी की प्रबंध समिति के 15 सदस्यों का बहुमत से चयन किया गया। इसके पश्चात नई कार्यकारी समिति का गठन किया गया, जिसमें पोथांकर लक्ष्मीनारायण को सोसाइटी का नया अध्यक्ष चुना गया।

नवनिर्वाचित सदस्यों ने शपथ ग्रहण की। समिति में गुसा अंजनेयुलु, नारा सुधाकर, सत्य प्रसाद, रविंदर जगनमोहन गौड़, यादगिरी बालाजी सुभाष, रविंदर रंजीत नागराज सहित अन्य सदस्य शामिल हैं।

जरूरतमंद विद्यार्थियों को नोटबुक वितरित

हुब्बल्ली, 5 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मारवाड़ी युवा मंच, हुब्बल्ली शाखा एवं निसर्ग फाउंडेशन ने 'आनंद सबके लिए' अभियान के तहत गब्बूर स्थित सरकारी स्कूल में जरूरतमंद विद्यार्थियों को नोटबुक वितरित कीं। साथ ही विद्यालय परिसर में 25 पौधे लगाए गए।

कार्यक्रम का शुभारंभ हुब्बल्ली-धारवाड़ महानगर पालिका महापौर दुर्गम्मा बिजवाड़, निसर्ग फाउंडेशन अध्यक्ष शशिकांत बिजवाड़, मारवाड़ी युवा मंच अध्यक्ष अमर वैष्णव एवं प्रकल्प अध्यक्ष सुभाष चंद्रा डंक ने किया। महापौर ने पहल की सराहना करते हुए कहा कि आर्थिक परिस्थितियां बच्चों की शिक्षा में बाधा नहीं बननी चाहिए। कार्यक्रम में किरण जैन, राजू वावलकर सहित दोनों संस्थाओं के सदस्य, शिक्षक एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

मंचेरियाल और मंदामर्री में काका की जयंती मनाई

मंचेरियाल, 5 सितंबर 2026 (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूर्व केंद्रीय श्रम एवं वस्त्र मंत्री एवं श्रमिक नेता गड्डम वेंकटस्वामी (काका) की 97वीं जयंती पर मंचेरियल में राज्य सरकार की ओर से समारोह आयोजित किया गया। कांग्रेस नेता मंतेना जगन मोहन राव के नेतृत्व में समर्थकों ने रैली निकालकर रेलवे स्टेशन के सामने स्थित काका की प्रतिमा पर पुष्पमाला अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। बाद में केक काटकर जयंती मनाई गई और अन्नदान किया गया। जगन मोहन राव ने काका के गरीबों, मजदूरों और कमजोर वर्गों के लिए किए गए कार्यों को याद किया।

मंदामर्री में प्रतिमा निर्माण के लिए भूमि पूजन

काका वेंकटस्वामी की 97वीं जयंती पर मंदामर्री में उनकी प्रतिमा निर्माण के लिए भूमि पूजन किया गया। कांग्रेस जिला अध्यक्ष रघुनाथ रेड्डी ने काका के मजदूरों, गरीबों, दलितों एवं वंचित वर्गों के लिए किए गए संघर्ष और सेवाओं को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों को काका की जनसेवा और संघर्षों की याद दिलाएगी।

'यूनिक बीकाणा' के तीसरे अंक के विमोचन पर प्रमोद आचार्य का अभिनंदन

बीकानेर, 05 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बीकानेर की प्रतिभाओं की सफलता की कहानियों को संजोने वाली पुस्तक 'यूनिक बीकाणा' के तीसरे अंक के विमोचन पर हर्षों के चौक में लेखक एवं वरिष्ठ पत्रकार प्रमोद आचार्य का अभिनंदन किया गया। वक्ताओं ने पुस्तक को युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणादायी और उपयोगी बताया।

पूर्व राजकीय अभिभाषक एवं वरिष्ठ अधिवक्ता ओमप्रकाश हर्ष ने कहा कि स्थानीय प्रतिभाओं की सफलता को पुस्तक के रूप में प्रस्तुत करना सराहनीय कार्य है। जिला शिक्षा अधिकारी शारीरिक शिक्षा अनिल बोड़ा ने इसे बीकानेर की प्रतिभाओं और उनके संघर्ष का महत्वपूर्ण दस्तावेज बताया।

वरिष्ठ उद्घोषक रविंद्र हर्ष ने कहा कि पुस्तक युवाओं को अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने की प्रेरणा देगी। लोक अभियोजक राधेश्याम सेवग ने बताया कि प्रमोद आचार्य की इससे पूर्व दो पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं, जिनमें से एक का विमोचन मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किया था।

इस अवसर पर अधिवक्ता गोपाल हर्ष, राजेंद्र व्यास, राजेंद्र हर्ष, मदन मोहन, मन मोहन, विजय शंकर हर्ष सहित बड़ी संख्या में साहित्य प्रेमी उपस्थित रहे।

राम प्रकाश अग्रवाल ने की कैप्टन सुमित मच्छार के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना

हैदराबाद । राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265-ए के पास सोमवार को नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सेवा कार्य के साथ मानवीय संवेदना का भाव भी देखने को मिला। कार्यक्रम में कैप्टन सुमित मच्छार के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की गई।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप के लिए सेवा का अर्थ केवल जरूरतमंदों तक अन्न पहुंचाना नहीं है, बल्कि समाज में जब भी किसी व्यक्ति को सहयोग, संवेदना और शुभकामनाओं की आवश्यकता हो, तब उसके साथ खड़ा रहना भी सेवा का ही हिस्सा है। उन्होंने कहा कि सुख-दुःख में एक-दूसरे का साथ देना भारतीय संस्कारों की खूबसूरती है और इसी भावना को राधे-राधे परिवार निरंतर आगे बढ़ा रहा है।

राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि नियमित अन्न-सेवा के माध्यम से ग्रुप लंबे समय से मानवता और सामाजिक सरोकारों को मजबूत करने का प्रयास कर रहा है। सेवा कार्यों में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं रखा जाता और हर जरूरतमंद तक प्रेम एवं सम्मान के साथ भोजन पहुंचाना ही इसका उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि समाज में सकारात्मकता तभी बढ़ेगी, जब हम दूसरों की तकलीफ को समझकर उनके लिए भी उसी आत्मीयता से खड़े हों, जिस तरह अपने परिवार के किसी सदस्य के लिए खड़े होते हैं।

उन्होंने कहा कि मानव सेवा ही सच्ची ईश्वर आराधना है। जब सेवा के साथ प्रार्थना और संवेदना जुड़ती है, तो उसका भाव और भी व्यापक हो जाता है। उन्होंने राधे-रानी से प्रार्थना करते हुए कैप्टन सुमित मच्छार के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की तथा उनके परिवार को भी इस कठिन समय में संबल मिलने की मंगलकामना की।

कार्यक्रम में सुनीता अग्रवाल और नंदकिशोर अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अनेक कार्यकर्ता एवं सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने नियमित अन्नसेवा में सहभागिता निभाई और सेवा कार्य को पूरी आत्मीयता के साथ आगे बढ़ाया।

इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप की पहचान केवल नियमित सेवा कार्यक्रमों से नहीं, बल्कि आपसी सहयोग, भाईचारे और मानवीय संवेदनाओं से भी बनी है। किसी जरूरतमंद को भोजन उपलब्ध कराना हो या किसी अस्वस्थ व्यक्ति के लिए मंगलकामना करनी हो, परिवार के सदस्य अपनी जिम्मेदारी समझकर आगे आते हैं। नामपल्ली में आयोजित यह सेवा कार्यक्रम इसी भावना का परिचायक रहा, जहां अन्नसेवा के साथ एक व्यक्ति के स्वास्थ्य के लिए सामूहिक शुभेच्छाएं व्यक्त की गईं।

मारवाड़ी महिला मंडल का उमंग मेला आयोजित

मंचेरियाल, 5 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मारवाड़ी महिला मंडल, मंचेरियाल की ओर से खंडेलवाल भवन में दो दिवसीय 'उमंग मेला' आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि डीसीसी की पूर्व अध्यक्ष कोकिराला सुरेखा प्रेमसागर राव ने दीप प्रज्वलित कर मेले का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से महिलाओं को अपनी प्रतिभा और व्यवसायिक हुनर प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है। मेले में नागपुर, हैदराबाद, कोलकाता, जयपुर, महाराष्ट्र और ओडिशा सहित विभिन्न क्षेत्रों के व्यापारियों ने साड़ियां, परिधान, कृत्रिम आभूषण, गृह सज्जा, सौंदर्य प्रसाधन एवं हस्तनिर्मित वस्तुओं के स्टॉल लगाए। दोनों दिन शाम को तंबोला का आयोजन भी हुआ, जिसमें महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अध्यक्ष संतोष बलदवा, सचिव आरती झंवर, कोषाध्यक्ष चेतना गुप्ता सहित मंडल की सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग किया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

नेमाराम...

पुलिस की ओर से जल्द से जल्द मामले को सुलझाने और संदिग्धों तक पहुंचने का भरोसा दिए जाने की जानकारी सामने आई है।

जांच के केंद्र में आखिरी लोकेशन और नकदी

अब जांच का महत्वपूर्ण हिस्सा नेमाराम की आखिरी लोकेशन, मोबाइल कॉल रिकॉर्ड, सीसीटीवी फुटेज और अंतिम संपर्कों से जुड़ा है। चिट्स फंड्स कलेक्शन के लिए घर से निकलने के बाद वह कहां गए ? आखिरी बार किससे मिले ? उनके पास बताई जा रही 10 लाख रुपये की कलेक्शन की नकदी कहां गई ? वह झील के किनारे किन परिस्थितियों में पहुंचे ? और क्या शव को जलाने की कोशिश वास्तव में की गई थी ? इन सवालों के जवाब जांच आगे बढ़ने के साथ सामने आने की उम्मीद है।

मौत की गुत्थी में कई सवाल बाकी

नेमाराम चौधरी की मौत से जुड़े घटनाक्रम में कई कड़ियां अभी स्पष्ट होना बाकी हैं। चिट्स फंड्स कलेक्शन की करीब 10 लाख रुपये की नकदी लेकर घर से निकलना, अचानक लापता होना, परिवार और रिश्तेदारों द्वारा तलाश शुरू करना, पुलिस में गुमशुदगी की शिकायत, दो दिन बाद झील किनारे शव मिलना और शव को जलाने की कोशिश का संदेहइन सभी पहलुओं की जांच जरूरी है।

फिलहाल परिवार हत्या की आशंका जता रहा है, जबकि पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। पोस्टमार्टम, फोरेंसिक जांच, मोबाइल लोकेशन और सीसीटीवी फुटेज से मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट होने की उम्मीद है। जब तक पुलिस जांच और आधिकारिक साक्ष्य सामने नहीं आते, तब तक इसे निश्चित रूप से हत्या कहना जल्दबाजी होगी। लेकिन लापता होने की घटना, चिट्स फंड्स की बताई जा रही बड़ी नकदी, झील किनारे शव मिलने और जलाने की कोशिश के संदेह ने नेमाराम चौधरी की मौत को गंभीर जांच का विषय बना दिया है। अब परिवार, राजस्थानी समाज और स्थानीय लोगों की निगाहें पुलिस जांच के परिणाम पर टिकी हैं।

नहीं बदला...

मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत तथा न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने कहा, हमने फॉर्म-6 में किसी भी बदलाव को मंजूरी नहीं दी है। यह बात स्पष्ट होनी चाहिए। जब रिकॉर्ड पेश किए जाएंगे, तो हम देखना चाहेंगे कि इसमें बदलाव किसने किया है।

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि यदि किसी ने गैरकानूनी काम किया है तो उसके परिणाम होंगे।

सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई के बाद आयोग ने दी सफाई

सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई के कुछ घंटों बाद चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया कि उसने फॉर्म-6 में किसी भी बदलाव को मंजूरी नहीं दी है। आयोग के अधिकारियों ने सोमवार को कहा कि दस्तावेज में कोई बदलाव नहीं किया गया था, बल्कि उसके साथ एक अतिरिक्त घोषणा-पत्र जोड़ा गया था। अधिकारियों के अनुसार, यह घोषणा-पत्र बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए जारी आदेश के तहत जोड़ा गया था, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने सही ठहराया था। आयोग के अधिकारियों ने जोर देकर कहा कि फॉर्म-6 में कोई बदलाव नहीं किया गया है। फॉर्म-6 वह आवेदन-पत्र है, जिसके माध्यम से कोई योग्य व्यक्ति मतदाता सूची में अपना नाम शामिल कराने के लिए आवेदन करता है।24 जून 2025 को बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण के आदेश के दौरान फॉर्म-6 के साथ एक घोषणा-पत्र जोड़ा गया था। आयोग के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने 27 मई 2026 के अपने आदेश में इसे सही ठहराया था। चुनाव आयोग ने 26 सितंबर 2026 को जारी अपने प्रेस नोट में भी इसका उल्लेख किया था।

भाजपा ने कहा- घोषणा-पत्र नियमों के अनुसार

भाजपा नेता विनोद तावड़े ने भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए फॉर्म-6 के साथ लगाए गए घोषणा-पत्र को सही ठहराया है।उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, राहुल गांधी जी, पहले तथ्य देख लीजिए। बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण का 24 जून 2025 का आदेश आयोग की सर्वसम्मत मंजूरी से जारी हुआ था और सुप्रीम कोर्ट ने 27 मई 2026 के अपने फैसले में इसे सही ठहराया है। चुनाव आयोग के 26 सितंबर 2026 के प्रेस नोट नंबर 120 के बिंदु 1(iii) में भी कहा गया है कि विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए फॉर्म-6 के साथ लगे घोषणा-पत्र को सुप्रीम कोर्ट ने सही ठहराया है।उन्होंने आगे कहा, फॉर्म-6 में कोई बदलाव नहीं हुआ, सिर्फ एक अतिरिक्त घोषणा-पत्र लगाया गया। सवाल उठे तो आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण वाले राज्यों के बाहर पुराने फॉर्म-6 को बहाल कर दिया, यही पारदर्शिता है। 'अवैध' का फैसला अदालत करेगी, कांग्रेस नहीं।

संजय का ...

एक खंड का हिस्सा थीं। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि वे बातें उनकी अपनी सोच या भावनाएं नहीं हैं।

अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित हो रहा संजय दत्त का सफाई वाला वीडियो वास्तविक है या कृत्रिम बुद्धिमत्ता से बनाया गया है। तथ्य-जांच में सामने आया है कि यह वीडियो वास्तविक है। संजय दत्त ने स्वयं यह सफाई वाला वीडियो जारी किया था। हालांकि, इसके बावजूद सामाजिक माध्यमों पर लोग इस वीडियो को लेकर दो हिस्सों में बंटे हुए हैं। कई उपयोगकर्ताओं ने इसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तैयार किया हुआ वीडियो बता दिया है।

इसकी एक बड़ी वजह संजय दत्त की सफाई देने की शैली भी बताई जा रही है। विवाद के बाद उनकी ओर से सामाजिक माध्यमों पर एक लिखित बयान सामने आया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि उनकी बातों को वास्तविक संदर्भ से अलग करके समझा गया। इसके बाद वीडियो में भी उन्होंने यही सफाई दी कि कार्यक्रम का पूरा खंड पटकथा के अनुसार किया गया था।

यही वजह है कि जब यह वीडियो तेजी से प्रसारित हुआ तो कई लोगों ने संजय दत्त की आवाज और बोलने के अंदाज पर सवाल उठाने शुरू कर दिए। टिप्पणी खंड में किसी ने इसे एआई बताया तो किसी ने कहा कि पहले वाला बयान वास्तविक था, जबकि नया वीडियो अधिक पटकथा आधारित लग रहा है। कुछ लोगों ने तो सीधे इसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तैयार किया गया वीडियो तक बता दिया।

विवाद बढ़ने के बाद संजय दत्त की ओर से यह सफाई वाला वीडियो सामाजिक माध्यमों पर साझा किया गया था। उन्होंने इसे अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर भी लगाया था। इंस्टाग्राम स्टोरी की सामान्य समय-सीमा पूरी होने के बाद यह वहां से हट गया। इसके बाद यह वीडियो एक बार फिर सामाजिक माध्यमों पर तेजी से प्रसारित होने लगा।यही घटनाक्रम भी लोगों के बीच भ्रम की वजह बना। कुछ उपयोगकर्ताओं को लगा कि यदि वीडियो अब संजय दत्त के खाते पर दिखाई नहीं दे रहा है तो शायद वायरल वीडियो किसी अन्य स्रोत से आया है या उसके साथ छेड़छाड़ की गई है। हालांकि, तथ्य-जांच में वीडियो के वास्तविक होने की बात सामने आई है।

झुका बांग्लादेश...

शेख हसीना अगस्त 2024 में युवाओं के नेतृत्व वाले आंदोलन के बाद सत्ता से हटने के पश्चात भारत आ गई थीं। भारत में शेख हसीना की मौजूदगी दोनों देशों के बीच विवाद का एक बड़ा मुद्दा बन गई है। ढाका लगातार उनके प्रत्यर्पण की मांग कर रहा है, जबकि भारत का कहना है कि प्रत्यर्पण के अनुरोध की जांच लागू कानूनों और निर्धारित कानूनी प्रक्रियाओं के अनुसार की जा रही है।

ब्रिक्स सम्मेलन का निमंत्रण भी बना मुद्दा

भारत ने पिछले महीने प्रधानमंत्री तारिक रहमान को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था, लेकिन उन्होंने यह निमंत्रण स्वीकार नहीं किया। बांग्लादेश ने कहा था कि रहमान ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग नहीं लेंगे, क्योंकि उन्हें इस कार्यक्रम के लिए आमंत्रित नहीं किया गया था। इसके बजाय निमंत्रण बिम्सटेक के अध्यक्ष के तौर पर भेजा गया था।

भारत ने रहमान को बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग पहल (बिम्सटेक) के अध्यक्ष के तौर पर शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था। हालांकि, फरवरी से ही एक अलग द्विपक्षीय निमंत्रण भी मौजूद था।

हसीना की वर्चुअल बातचीत से बिगड़ा माहौल

बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने अगस्त में कहा था कि उस महीने नई दिल्ली में शेख हसीना की आभासी प्रेस बातचीत से प्रधानमंत्री तारिक रहमान की भारत यात्रा का माहौल खराब हो गया था।भारत का कहना है कि शेख हसीना से जुड़े मीडिया कार्यक्रम में उसकी कोई भूमिका नहीं थी और वह उस मंच पर बांग्लादेश सरकार के बारे में कही गई किसी भी बात का समर्थन नहीं करता है।

आप ने...

लगातार लड़ रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि नागरिक समाज संगठन और वाम दल भी अलग-अलग स्थानों पर अपने स्तर पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। संजय सिंह के अनुसार, आम आदमी पार्टी इस मुद्दे पर अपने बैनर का इस्तेमाल भी नहीं कर रही है, क्योंकि उसका मानना है कि यह जनता से जुड़ा मुद्दा है और इसे एक जन आंदोलन बनना चाहिए, जिसमें हर व्यक्ति की भागीदारी हो।

30 सितंबर की बैठक से भी बनाई थी दूरी

गौरतलब है कि पिछले महीने 30 सितंबर को 19 विपक्षी दलों की एक अहम बैठक हुई थी। बैठक में फैसला लिया गया था कि विपक्ष के सभी सांसद 6 अक्टूबर को चुनाव आयोग तक मार्च करेंगे और मतदाता सूची के संशोधन से जुड़ी कथित गड़बड़ियों को लेकर राष्ट्रपति से मुलाकात करेंगे। हालांकि, इस बैठक में भी आम आदमी पार्टी और द्रमुक शामिल नहीं हुए थे।

30 सितंबर की बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, राष्ट्रीय जनता दल नेता तेजस्वी यादव, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की सांसद सुप्रिया सुले, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी प्रमुख महबूबा मुफ्ती और कई वाम दलों के शीर्ष नेता शामिल हुए थे।

इसके अलावा, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) प्रमुख उद्धव ठाकरे और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बैठक में आभासी माध्यम से हिस्सा लिया

ज्ञानेश का...

आयुक्त या चुनाव आयुक्त के रूप में पद पर रहते हुए किया था। इस प्रावधान का उद्देश्य मुख्य चुनाव आयुक्त को बाहरी दबावों और मुकदमों से बचाकर स्वतंत्र निर्णय लेने में सक्षम बनाना है।

आसान शब्दों में कहें तो यदि मुख्य चुनाव आयुक्त अपने आधिकारिक काम, जैसे चुनाव संबंधी फैसला लेने या आदेश देने के दौरान कोई कार्य करते हैं, तो उस आधिकारिक कार्य के लिए कोई अदालत उनके खिलाफ सिविल या आपराधिक मुकदमा नहीं चला सकती।

यह सुरक्षा केवल पद पर रहते हुए नहीं, बल्कि सेवानिवृत्ति के बाद भी आजीवन लागू रहती है।

हालांकि, धारा 16 यह नहीं कहती कि मौजूदा या पूर्व चुनाव आयुक्त के हर काम को कानूनी सुरक्षा मिली हुई है। इसकी भाषा कानूनी सुरक्षा को उस कार्य, चीज या शब्द से जोड़ती है, जो आधिकारिक ड्यूटी या काम को पूरा करते समय अथवा ऐसा करने का दिखावा करते हुए किया या कहा गया हो।

इसलिए यह कहना पूरी तरह सही नहीं होगा कि मुख्य चुनाव आयुक्त को हर अपराध में पूर्ण कानूनी छूट हासिल है। धारा 16 में गिरफ्तारी, पुलिस जांच या पुलिस हिरासत जैसे शब्द सीधे तौर पर नहीं लिखे गए हैं। इसमें कहा गया है कि अदालत ऐसी सिविल या आपराधिक कार्यवाही को स्वीकार या जारी नहीं रखेगी, जो इस धारा के दायरे में आती हो। इसलिए जांच और गिरफ्तारी पर इस प्रावधान का वास्तविक प्रभाव क्या होगा, यह आरोपों की प्रकृति और अदालत की व्याख्या पर निर्भर करेगा।

सीईसी बनने से पहले के आरोपों पर क्या मुकदमा चलाया जा सकता है?

हाल ही में केरल की कांग्रेस सरकार ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ 4 अक्टूबर 2026 को सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो से जांच कराने का आदेश दिया है। यह मामला उनके मुख्य चुनाव आयुक्त बनने से बहुत पहले वर्ष 2006 का है। उस समय वह केरल कैडर के भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी के रूप में राज्य के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के सचिव थे।

क्या था मामला?

केरल के गृह मंत्री रमेश चेन्निथला के अनुसार, मौजूदा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर केरल लोक निर्माण विभाग के सचिव रहते हुए गड़बड़ी का आरोप है। इस मामले में भ्रष्टाचार के आरोपों के अलावा वर्ष 2006 में मलेशियाई सिविल इंजीनियर लीसी बीन की आत्महत्या का मामला भी जुड़ा है। बीन इंडो-मलेशियन संयुक्त उपक्रम पीएटीआई-बीईएल से जुड़े हुए थे।

सवाल है कि क्या वर्ष 2006 के मामले को आधार बनाकर वर्ष 2026 में ज्ञानेश कुमार की जांच की जा सकती है?

संविधान का अनुच्छेद 324(5) और मुख्य चुनाव आयुक्त एवं अन्य निर्वाचन आयुक्त अधिनियम, 2023 की धारा 16 केवल उन कार्यों को कानूनी सुरक्षा देते हैं, जो व्यक्ति मुख्य चुनाव आयुक्त के रूप में आधिकारिक ड्यूटी निभाते समय करता है।

अनुच्छेद 324(5) में मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया का वर्णन है।

ये प्रावधान पुराने आरोपों, जैसे जिला आयुक्त, सचिव या किसी अन्य पद पर रहते हुए किए गए कथित कार्यों पर लागू नहीं होते। इसलिए राज्य सरकार या सक्षम एजेंसी पूर्व कार्यकाल से जुड़े भ्रष्टाचार, कदाचार या आपराधिक मामलों की जांच कर सकती है, प्राथमिकी दर्ज कर सकती है और मुकदमा चला सकती है।

इसलिए यदि आरोप उस समय के हैं, जब व्यक्ति मुख्य चुनाव आयुक्त नहीं था और वह किसी राज्य सरकार के अधिकारी के रूप में काम कर रहा था, तो बाद में मुख्य चुनाव आयुक्त बनने से पुराने कथित अपराध पर स्वतः कानूनी सुरक्षा नहीं मिल जाती।

हालांकि, ऐसे मामलों में समय-सीमा संबंधी कानूनी प्रावधान लागू हो सकते हैं। यदि अधिकारी के सेवा नियमों के तहत मंजूरी आवश्यक हो तो वह भी लेनी होगी।

यदि जांच दुर्भावनापूर्ण प्रतीत होती है तो उसे अदालत में चुनौती दी जा सकती है।

हालांकि मुकदमा चल सकता है या नहीं, इसका अंतिम फैसला अदालत ही करेगी। जांच में आरोप साबित होना अलग बात है और किसी व्यक्ति को आरोपी बनाकर उसके खिलाफ अदालत में अभियोजन चलाना अलग बात है। इसलिए कहा जा सकता है कि मुख्य चुनाव आयुक्त का पद पुराने, गैर-चुनावी कार्यकाल से जुड़े कथित अपराधों के लिए पूर्ण कानूनी सुरक्षा प्रदान नहीं करता।

केरल के गृह मंत्री रमेश चेन्निथला ने ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जांच की घोषणा महानिदेशक अभियोजन की कानूनी राय के बाद की।रिपोर्ट के अनुसार, महानिदेशक अभियोजन ने कहा कि अपराध कभी खत्म नहीं होता एक बुनियादी कानूनी सिद्धांत है। राय में कहा गया है कि भ्रष्टाचार, अधिकार का दुरुपयोग, अनुचित लाभ उठाना और आत्महत्या के लिए उकसाने जैसे गंभीर अपराधों के कानूनी परिणाम केवल समय बीत जाने से अपने आप खत्म नहीं होते और अदालत अभी भी आरोपी व्यक्ति को जवाबदेह ठहरा सकती है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 06 अक्टूबर , 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

85वें सीएसआईआर स्थापना दिवस का भव्य आयोजन

विकसित भारत के निर्माण का आह्वान

हैदराबाद, 5 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। वैज्ञानिक उत्कृष्टता, स्वदेशी नवाचार और संस्थागत सहयोग को केंद्र में रखते हुए सीएसआईआर-भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएसआईआर-आईआईसीटी), हैदराबाद ने आज 85वें सीएसआईआर स्थापना दिवस का आयोजन किया। इस अवसर पर वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद की स्थापना का स्मरण करते हुए संस्थान ने भारत की आत्मनिर्भरता और विकसित भारत के विजन को आगे बढ़ाने के लिए अनुसंधान को समाधानों में बदलने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

संस्थान के निदेशक डॉ. डी. श्रीनिवास रेड्डी ने संस्थान की महत्वपूर्ण उपलब्धियों और भारत की वैज्ञानिक-तकनीकी क्षमताओं को मजबूत करने में सीएसआईआर के योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए निरंतर वैज्ञानिक उत्कृष्टता, उद्देश्यपूर्ण नवाचार और राष्ट्र के प्रति मजबूत जिम्मेदारी की भावना आवश्यक है। उन्होंने नए वैज्ञानिकों और कर्मचारियों को सीएसआईआर के विजन के अनुरूप कार्य करने, सहयोग अपनाने और वैज्ञानिक ज्ञान को सार्थक परिणामों में बदलने के लिए प्रोत्साहित किया।

मुख्य अतिथि के रूप में रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल), हैदराबाद के प्रतिष्ठित वैज्ञानिक एवं निदेशक डॉ. अंकथी राजू उपस्थित रहे। उन्होंने डीआरडीएल और सीएसआईआर-आईआईसीटी के बीच सहयोग के रणनीतिक महत्व पर जोर देते हुए दोनों संस्थानों की पूरक वैज्ञानिक शक्तियों के आधार पर स्वदेशी प्रौद्योगिकी विकास को तेज करने और विकसित भारत के लक्ष्य में योगदान देने की बात कही।

इस अवसर पर 25 वर्ष की सेवा पूरी करने वाले कर्मचारियों, सेवानिवृत्त कर्मचारियों तथा कर्मचारियों के बच्चों को शिक्षा और खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। समारोह में वैज्ञानिक उद्देश्य और व्यक्तिगत उपलब्धियों का मेल दिखाई दिया, जो सीएसआईआर-आईआईसीटी की उत्कृष्टता, सहयोग और सेवा की भावना को प्रतिबिंबित करता है।

भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान में हिंदी अनुवाद प्रतियोगिता आयोजित

हैदराबाद, 06 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में जारी हिंदी चेतना मास समारोह एवं रिफार्म उत्सव की श्रृंखला के अंतर्गत 05 अक्टूबर, 2026 को हिंदी में अनुवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों को अनुवाद के लिए वैज्ञानिक, प्रशासनिक आदि विभिन्न प्रकार के पाठ दिए गए। इसका उद्देश्य प्रतिभागियों की अनुवाद क्षमता का उपयोग करते हुए संस्थान में राजभाषा के कार्यान्वयन को और अधिक गति प्रदान करना था। संस्थान में कार्यरत वैज्ञानिक, तकनीकी, प्रशासनिक आदि सभी संवर्गों के कुल 10 सहभागियों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतियोगिता के दौरान डॉ. जिनु जेकब, वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा श्रीमती डी. रेवती, मुख्य तकनीकी अधिकारी ने निर्णायक की भूमिका निभाई।

पूरे कार्यक्रम का समन्वय एवं संचालन संस्थान की निदेशक डॉ. सी. तारा सत्यवती के दिशा-निर्देश में डॉ. जिनु जेकब तथा डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राजभाषा) द्वारा किया गया।

विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ की नई कार्यकारिणी गठित

श्री रामपाल पाण्डेय अध्यक्ष, रामशिरोमणि तिवारी व अवधेश द्विवेदी उपाध्यक्ष नियुक्त

हैदराबाद, 05 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुस्लिम जंग पुल, बेगम बाजार स्थित संतोषी माता मंदिर में विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ की सभा आयोजित की गई। सभा में सर्वसम्मति से संघ की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। निवर्तमान अध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय द्वारा माल्यार्पण कर श्री रामपाल पाण्डेय को अध्यक्ष बनाया गया।

इस अवसर पर रामशिरोमणि तिवारी और अवधेश द्विवेदी को उपाध्यक्ष, नीरज तिवारी को सचिव तथा प्रदीप कुमार पाण्डेय कोषाध्यक्ष एवं प्रवक्ता नियुक्त किए गए। इसके साथ ही निरीक्षण समिति का भी गठन किया गया, जिसमें कमलेश त्रिपाठी (स्वामी जी), विनीत द्विवेदी, रावेंद्र मिश्रा, कमलेश त्रिपाठी (पारिख मंदिर), उमेश उपाध्याय, आडिनारायण मिश्रा, रामसजीवन शुक्ला, बृजेश शुक्ला तथा राजन शुक्ला को शामिल किया गया। सभी पदाधिकारियों का चयन दो वर्ष के लिए किया गया है।

सभा में महंत चेतन गिरी, विष्णु दत्त पाण्डेय, शिवकुमार तिवारी, सुरेन्द्र गौतम, ओपी गौतम, संदीप शुक्ला, मनीष द्विवेदी, विनय पाण्डेय, दिलीप पाण्डेय, अमित पाण्डेय, शिवनारायण त्रिपाठी, राजेश शुक्ला, राजेश त्रिपाठी, शिवेन्द्र गौतम, दीपनारायण गौतम, नीरज त्रिपाठी तथा आनन्द सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

कृष्ण की मनोहारी बाल लीलाओं ने मोहा श्रद्धालुओं का मन, गोवर्धन पूजा का बताया महत्व

गोवर्धन पूजा प्रकृति, गौवंश और पर्यावरण के संरक्षण का संदेश देती है : प्रियाकिशोरी जी

हैदराबाद, 05 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अत्तापुर, एन.एम. गुड़ा स्थित साई बाबा मंदिर में राजस्थानी जागृति समिति, हैदराबाद के तत्वावधान में पितृपक्ष मास के पावन अवसर पर आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के पंचम दिवस कथा वाचक सुश्री प्रियाकिशोरीजी ने भगवान श्रीकृष्ण की संपूर्ण बाल लीलाओं तथा गोवर्धन पूजा का विस्तृत एवं भावपूर्ण वर्णन किया। कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का प्रसंग सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो गए और पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।

सुश्री प्रियाकिशोरीजी ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के बाद गोकुल में बिताए बाल्यकाल के विभिन्न प्रसंगों का वर्णन करते हुए कहा कि श्रीकृष्ण की प्रत्येक बाल लीला अपने भीतर गहरा आध्यात्मिक संदेश समेटे हुए है। उन्होंने नंद भवन में श्रीकृष्ण की चंचल बाल लीलाओं, माता यशोदा के साथ उनके वात्सल्यपूर्ण संबंध तथा गोकुलवासियों के साथ उनके प्रेम और अपनत्व के प्रसंगों को विस्तार से सुनाया। उन्होंने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाएं केवल मनोरंजन का विषय नहीं हैं, बल्कि उनमें भक्ति, प्रेम, करुणा, धर्म और जीवन के मूल्यों का संदेश निहित है।

कथा वाचक ने माखन चोरी की लीला का वर्णन करते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का माखन प्रेम और गोपियों के साथ उनकी नटखट लीलाएं भक्त और भगवान के बीच प्रेम के सहज संबंध को दर्शाती हैं। माता यशोदा द्वारा श्रीकृष्ण को बांधने की दामोदर लीला के माध्यम से उन्होंने समझाया कि परमात्मा प्रेम और भक्ति के बंधन में बंध जाते हैं। उन्होंने पूतना उद्धार, शकटासुर वध, तृणावर्त उद्धार तथा अन्य बाल लीलाओं का भी वर्णन किया और कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी बाल अवस्था में ही अधर्म एवं अत्याचार के अंत का संदेश देना प्रारंभ कर दिया था।

गोवर्धन पूजा का प्रसंग

गोवर्धन पूजा का प्रसंग सुनाते हुए प्रियाकिशोरीजी ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण ने ब्रजवासियों को इंद्र की पूजा के स्थान पर गोवर्धन पर्वत की पूजा करने के लिए प्रेरित किया। श्रीकृष्ण ने समझाया कि ब्रजवासियों के जीवन, कृषि, गौवंश और प्रकृति के संरक्षण में गोवर्धन पर्वत की महत्वपूर्ण भूमिका है। गोवर्धन पर्वत उन्हें चारा, जल और प्राकृतिक संसाधन प्रदान करता है, इसलिए प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना आवश्यक है।

उन्होंने बताया कि श्रीकृष्ण के आग्रह पर ब्रजवासियों ने गोवर्धन पूजा का आयोजन किया और विभिन्न प्रकार के पकवानों एवं व्यंजनों का भोग लगाकर गोवर्धन महाराज की पूजा-अर्चना की। इसी प्रसंग से अन्नकूट महोत्सव की परंपरा का भी महत्व बताया जाता है। कथा वाचक ने कहा कि गोवर्धन पूजा हमें प्रकृति, पर्वत, जल, भूमि, गौवंश और समस्त जीव-जगत के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता का भाव रखने की प्रेरणा देती है।

उन्होंने आगे बताया कि जब देवराज इंद्र को अपने अपमान का अहंकार हुआ तो उन्होंने ब्रज में मूसलाधार वर्षा कर दी। लगातार वर्षा से ब्रजवासी भयभीत हो गए। तब भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी कनिष्ठ उंगली पर विशाल गोवर्धन पर्वत को धारण कर लिया और समस्त ब्रजवासियों तथा गौवंश को उसके नीचे आश्रय दिया। सात दिनों तक श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत को धारण कर ब्रजवासियों की रक्षा की। अंततः इंद्र का अहंकार समाप्त हुआ और उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण की महिमा को स्वीकार किया।

प्रियाकिशोरीजी ने कहा कि गोवर्धन लीला का सबसे बड़ा संदेश अहंकार का त्याग और प्रकृति के प्रति सम्मान है। भगवान श्रीकृष्ण ने यह संदेश दिया कि मनुष्य को प्रकृति से प्राप्त संसाधनों का सम्मान करना चाहिए और उसके संरक्षण के लिए भी अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि गौसेवा, अन्न का सम्मान, पर्यावरण संरक्षण तथा जरूरतमंदों की सेवा भी गोवर्धन पूजा की भावना से जुड़ी हुई है।

कथा के दौरान गोवर्धन पूजा का आयोजन भी किया गया। श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से पूजा-अर्चना में भाग लिया और भगवान श्रीकृष्ण तथा गोवर्धन महाराज के जयकारे लगाए। इस अवसर पर मंदिर परिसर में श्रद्धा और उत्साह का वातावरण बना रहा।

कथा में समिति के अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी, सह मुख्य यजमान सत्यनारायण फोगला ने गोवर्धन पूजा की। अवसर पर उपाध्यक्ष प्रेमचंद मुणोत जैन, अशोक कुमार हीरावत जैन, मंत्री महेश अग्रवाल, सह-मंत्री रामदेव नागला, कोषाध्यक्ष संजय राठी, सह-कोषाध्यक्ष मनीष सोमाणी, संगठन मंत्री रमेश मोदानी, प्रचार-प्रसार मंत्री रिद्धीश जागीरदार, सदस्य श्याम सुंदर जांगिड़, निखिल सोमाणी, संजय राठी, मनीष सोमाणी, नटवर दरक, रामस्वरूप अग्रवाल, दामोदर सोमाणी, आशा देवी सोमाणी, संजय गुप्ता, केदारनाथ लाटी, रामदेव व्यास, रामदयाल शर्मा, श्रीकांत काबरा, पंडित विद्या देवी शर्मा, जमुना देवी लाठी, ज्योति शर्मा, जमुना देवी काबरा, शीला देवी शर्मा, कोमल बेहवाल, जेठमल शर्मा, रामहरि ठाकुर और भरत शर्मा ने सहयोग प्रदान किया।

सेवा के संकल्प से जरूरतमंदों तक पहुंची अन्नसेवा

हैदराबाद। हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास केबीआर पार्क स्थित वाटर टैंक पर सोमवार को नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। सेवा, समर्पण और सहयोग की भावना से आयोजित इस कार्यक्रम में जरूरतमंदों को अन्नदान वितरित कर मानव सेवा का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल एवं भंवरलाल गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। सदस्यों ने पूरी श्रद्धा और आत्मीयता के साथ अन्नसेवा करते हुए कहा कि किसी जरूरतमंद को भोजन उपलब्ध कराना केवल सेवा कार्य नहीं, बल्कि भारतीय संस्कारों और मानवीय संवेदनाओं को जीवंत रखने का माध्यम है।

राधे-राधे ग्रुप के सदस्यों ने कहा कि सेवा का वास्तविक अर्थ तभी सार्थक होता है, जब उसमें किसी प्रकार का भेदभाव न हो और जरूरतमंद व्यक्ति तक सम्मान के साथ सहायता पहुंचे। इसी विचार को लेकर ग्रुप द्वारा नियमित रूप से अन्नसेवा सहित विभिन्न सामाजिक सेवा कार्य किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अन्न का एक निवाला किसी भूखे व्यक्ति के लिए केवल भोजन नहीं, बल्कि उस क्षण की सबसे बड़ी राहत और सबसे बड़ी खुशी होता है। सेवा के इसी भाव को आगे बढ़ाते हुए राधे-राधे ग्रुप निरंतर समाज के बीच सेवा और सहयोग की भावना को मजबूत करने का प्रयास कर रहा है।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखने और अधिक से अधिक लोगों को इस पुण्य कार्य से जोड़ने का संकल्प लिया। पूरे कार्यक्रम में आपसी सहयोग, आत्मीयता और सेवा-समर्पण की भावना दिखाई दी। राधे-राधे ग्रुप का संदेश स्पष्ट रहा कि मानव सेवा ही सच्ची ईश्वर आराधना है और सेवा से बढ़कर कोई बड़ा संस्कार नहीं।

पितृ पक्ष के अवसर पर नाचाराम-मल्लापुर शाखा का सेवा कार्य

हैदराबाद, 05 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पितृ पक्ष के उपलक्ष्य में कृष्ण सखियाँ, नाचाराम-मल्लापुर शाखा की ओर से जरूरतमंदों के लिए सुबह के नाश्ते का आयोजन किया गया। सेवा भावना से आयोजित यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में शाखा की अध्यक्ष निशा गुप्ता, उपाध्यक्ष मंदाकिनी अग्रवाल, सचिव राधिका अग्रवाल, संयुक्त सचिव अंतिमा अग्रवाल, कोषाध्यक्ष माया नरसरिया, केंद्रीय समिति सदस्य सुनैना नरसरिया एवं अनिता मित्तल के साथ अंजू गोयल, किरण अग्रवाल, सुमन नरसरिया और निशा अग्रवाल सहित सभी सखियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में नाचाराम-मल्लापुर शाखा के अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल, मंत्री प्रवीण अग्रवाल, संयुक्त सचिव मोहन नरसरिया, कोषाध्यक्ष सत्यनारायण अग्रवाल तथा केंद्रीय समिति के संयुक्त मंत्री प्रतीक नरसरिया, वेदप्रकाश मित्तल, अनिल कुमार अग्रवाल और अभिषेक खेतान ने भी भरपूर सहयोग किया।

केबीआर पार्क की करोड़ों की पुरानी परियोजना रद्द !

7 फ्लाईओवर और 7 अंडरपास की जगह अब बनेगा करीब 4 किमी का एलिवेटेड कॉरिडोर

हैदराबाद, 05 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

केबीआर पार्क के आसपास ट्रैफिक जाम से राहत दिलाने के लिए शुरू की गई करीब 1,090 करोड़ की बड़ी परियोजना अब बदल गई है। पहले यहां सात फ्लाईओवर और सात अंडरपास बनाने की योजना थी। अब ऋक्क्वउ ने इस योजना के कई कामों को रद्द कर उनकी जगह एक लंबे एलिवेटेड कॉरिडोर की नई योजना को मंजूरी दी है।

पुरानी योजना के तहत केबीआर पार्क के आसपास सात प्रमुख स्थानों पर फ्लाईओवर और अंडरपास बनाए जाने थे। इसका उद्देश्य प्रमुख चौराहों को सिग्नल फ्री करना और वाहनों की आवाजाही आसान बनाना था। वर्ष 2024 में इस परियोजना को करीब 826 करोड़ की प्रशासनिक मंजूरी मिली थी। बाद में इसकी अनुमानित लागत बढ़कर करीब 1,090 करोड़ हो गई।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि योजना बदलने से पहले पुराने प्रोजेक्ट पर कितना काम हो चुका था और उसमें कितना पैसा खर्च हुआ। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार कुछ स्थानों पर निर्माण कार्य शुरू हो चुका था। जुबली हिल्स चेकपोस्ट के पास पिलर फाउंडेशन तैयार किए गए थे, जबकि महाराजा अग्रसेन जंक्शन और कैंसर अस्पताल के पास अंडरपास के लिए सड़क की खुदाई भी हुई थी। अब पुराने कामों का क्या होगा और उस पर खर्च हुई सार्वजनिक राशि का कितना हिस्सा उपयोगी रहेगा, यह सवाल उठना स्वाभाविक है।

जनता के पैसे का हिसाब भी जरूरी

परियोजना बदलने का फैसला सरकार और ऋक्क्वउ ने लिया है। नई योजना से भविष्य में खर्च कम होने या ट्रैफिक व्यवस्था बेहतर होने का दावा किया जा रहा है। लेकिन आम जनता के लिए यह जानना भी उतना ही जरूरी है कि पुरानी योजना पर अब तक कितना पैसा खर्च हुआ, कितने निर्माण कार्य अधूरे छोड़ने पड़े और पुराने काम में इस्तेमाल सामग्री का क्या किया जाएगा।

यानी नई योजना से होने वाली संभावित बचत के साथ-साथ पुराने प्रोजेक्ट पर हो चुके खर्च का पूरा हिसाब भी सार्वजनिक होना चाहिए।

पेड़ों की कटाई पर भी सवाल

केबीआर पार्क केवल एक ट्रैफिक क्षेत्र नहीं, बल्कि हैदराबाद का महत्वपूर्ण हरित क्षेत्र भी है। पुरानी परियोजना के दौरान पेड़ काटने और उन्हें दूसरी जगह लगाने की प्रक्रिया शुरू हुई थी। बाद में पार्क के आसपास के इको-सेंसिटिव जोन में पेड़ काटने को लेकर अदालत की रोक के कारण यह काम रोक दिया गया। रिपोर्टों के अनुसार यह रोक पार्क के आसपास करीब 25 से 35 मीटर के क्षेत्र से संबंधित थी।

अब सवाल यह है कि जिन पेड़ों को परियोजना के लिए हटाया गया, उनकी भरपाई कैसे होगी? नए प्रोजेक्ट में पर्यावरण को कितना नुकसान होगा और पुराने नुकसान की भरपाई के लिए कितने नए पेड़ लगाए जाएंगेइस पर भी सरकार को स्पष्ट जानकारी देनी होगी।

वन-वे व्यवस्था ने बदली पूरी तस्वीर

इस पूरे बदलाव की एक बड़ी वजह केबीआर पार्क के आसपास लागू की गई वन-वे ट्रैफिक व्यवस्था भी है। अगस्त 2026 में लागू की गई इस व्यवस्था के बाद अधिकारियों ने पाया कि कई हिस्सों में वाहनों की आवाजाही पहले की तुलना में सुचारु हुई। इसी के बाद कई अलग-अलग फ्लाईओवर और अंडरपास बनाने के बजाय एक बड़े एलिवेटेड कॉरिडोर पर विचार आगे बढ़ा। ऋक्क्वउ अब इस वन-वे व्यवस्था को स्थायी रूप से जारी रखने पर भी विचार कर रहा है।

अब बनेगा करीब 4 किलोमीटर का एलिवेटेड कॉरिडोर

नई योजना के तहत पंजागुट्टा के छऋउङ जंक्शन से जुबली हिल्स चेकपोस्ट तक करीब 4 से 4.3 किलोमीटर लंबा छह लेन का एलिवेटेड कॉरिडोर प्रस्तावित है। इसका उद्देश्य प्रमुख चौराहों को पार करते हुए वाहनों को सिग्नल से मुक्त रास्ता देना है। नई योजना में मुग्धा जंक्शन से मुफखम जाह कॉलेज तक स्टील फ्लाईओवर और बंजारा हिल्स रोड नंबर-1 की ओर एक रैंप का भी प्रस्ताव है।

पुरानी योजना के जिन कामों को हटाया गया है, उनसे जुड़े कुछ ठेकों को समाप्त करने की मंजूरी भी दी गई है। इसका मतलब यह है कि पहले तैयार किए गए पूरे डिजाइन और निर्माण योजना को अब उसी रूप में आगे नहीं बढ़ाया जाएगा। नई योजना के लिए नए डिजाइन और लागत का अंतिम निर्धारण किया जाना बाकी है।

आम लोगों के मन में सबसे बड़ा सवाल ?

ट्रैफिक कम करना जरूरी है, लेकिन सवाल यह है कि किसी बड़े प्रोजेक्ट की योजना बनाने से पहले ट्रैफिक, पर्यावरण और जमीन की जरूरत का आकलन कितना सही किया गया था। यदि योजना बदलनी ही थी तो पहले किए गए निर्माण कार्य और उस पर खर्च हुई सार्वजनिक राशि का क्या होगा ?

सरकार का नया एलिवेटेड कॉरिडोर यदि वास्तव में कम खर्च में बेहतर ट्रैफिक समाधान देता है तो इसका लाभ शहर को मिल सकता है। लेकिन इसके साथ पुराने प्रोजेक्ट पर हुए खर्च, अधूरे निर्माण और पर्यावरणीय नुकसान का हिसाब भी जनता के सामने रखना जरूरी होगा।

केबीआर पार्क के आसपास रोजाना हजारों वाहन गुजरते हैं। इसलिए लोगों की सबसे बड़ी उम्मीद यही है कि नई योजना से ट्रैफिक जाम कम हो और बार-बार बदलती परियोजनाओं के बजाय इस बार ऐसा समाधान तैयार हो जो लंबे समय तक काम करे।

साथ ही, विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाना भी उतना ही जरूरी है। सड़कें और एलिवेटेड कॉरिडोर बन सकते हैं, लेकिन वर्षों में तैयार हुई हरियाली को वापस खड़ा करना आसान नहीं होता।

राज्यसभा चुनाव में भाजपा ने यूपी के आठ नए चेहरों पर लगाया दांव

हरदीप पुरी समेत आठ मौजूदा सांसदों का टिकट कटा, मंत्रिमंडल फेरबदल की अटकलें तेज

सामाजिक और जातीय समीकरण साधने की कोशिश

नई दिल्ली, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश में होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए सोमवार को आठ उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी। खास बात यह है कि पार्टी ने उत्तर प्रदेश से अपने किसी भी मौजूदा राज्यसभा सांसद को दोबारा मौका नहीं दिया है। केंद्रीय चुनाव समिति की मंजूरी के बाद जारी सूची में धर्मपाल सिंह, राधाकांत ओझा, प्रकाश पाल, विद्यासागर सोनकर, गोपी कृष्ण पांडेय, प्रियंका सिंह रावत, राम प्रताप सिंह चौहान और श्रुति गंगवार को उम्मीदवार बनाया गया है। ऐसे में दो मौजूदा केंद्रीय मंत्रियों को दोबारा मौका नहीं मिलने के कारण केंद्र में मंत्रिमंडल फेरबदल की अटकलें भी तेज हो गई हैं।

उत्तर प्रदेश में राज्यसभा की 10 सीटों के लिए 16 अक्टूबर को मतदान होना है, जबकि नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख 6 अक्टूबर है। भाजपा के जिन मौजूदा सांसदों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है, उनमें केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी, केंद्रीय राज्य मंत्री बी.एल. वर्मा, अरुण सिंह, नीरज शेखर, गीता शाक्य, बृजलाल और सीमा द्विवेदी शामिल हैं। पूर्व उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा की सीट भी इस चुनाव में शामिल है। दिनेश शर्मा ने 11 सितंबर को अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह का उपराज्यपाल बनाए जाने के बाद राज्यसभा से इस्तीफा दे दिया था।

भाजपा की नई सूची में सामाजिक, क्षेत्रीय और जातीय संतुलन साधने की कोशिश स्पष्ट दिखाई देती है। आठ उम्मीदवारों में तीन सवर्ण, तीन अन्य पिछड़ा वर्ग और दो अनुसूचित जाति वर्ग से आते हैं। राधाकांत ओझा और गोपी कृष्ण पांडेय ब्राह्मण समुदाय से हैं। धर्मपाल सिंह लोधी समुदाय से आते हैं। सूची में पाल और कुर्मी समुदाय को भी प्रतिनिधित्व दिया गया है। दो महिला उम्मीदवारों प्रियंका सिंह रावत और श्रुति गंगवार को भी जगह दी गई है। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार में पशुपालन मंत्री रहे धर्मपाल सिंह को राज्यसभा के लिए उम्मीदवार बनाकर भाजपा ने संगठन और जमीनी राजनीति से जुड़े चेहरों पर भरोसा जताया है।भाजपा की इस सूची को 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों से भी जोड़कर देखा जा रहा है। पार्टी लगातार तीसरी बार राज्य में सरकार बनाने की रणनीति पर काम कर रही है। ऐसे में उम्मीदवारों के चयन में सामाजिक समीकरण के साथ संगठनात्मक पकड़ और जमीनी प्रभाव को भी महत्व दिए जाने के संकेत मिल रहे हैं।सूत्रों के मुताबिक, भाजपा ने उत्तर प्रदेश की उन 255 विधानसभा सीटों पर जमीनी स्तर पर आकलन कराया है, जहां उसके विधायक हैं। इस आकलन में करीब 100 विधायक कथित तौर पर सत्ता विरोधी रुझान के घेरे में पाए गए हैं। इनमें से बड़ी संख्या में विधायकों के अगले विधानसभा चुनाव में टिकट कटने की संभावना जताई जा रही है। स्थानीय संगठन के साथ संबंध और मतदाताओं के बीच विधायकों की स्वीकार्यता को भी इस आकलन में शामिल किया गया है। उम्मीदवारों को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से भी प्रतिक्रिया लिए जाने की बात सामने आई है।

हरदीप पुरी और बी.एल. वर्मा का टिकट कटने से मंत्रिमंडल फेरबदल की चर्चा

भाजपा की राज्यसभा उम्मीदवारों की सूची में हरदीप सिंह पुरी और बी.एल. वर्मा को दोबारा मौका नहीं दिया गया है। दोनों नेता वर्तमान में केंद्रीय मंत्री हैं। ऐसे में संभावित मंत्रिमंडल फेरबदल की अटकलें भी तेज हो गई हैं। संविधान के अनुच्छेद 75(5) के तहत यदि कोई मंत्री लगातार छह महीने तक संसद के किसी भी सदन का सदस्य नहीं रहता है तो उसे मंत्री पद छोड़ना पड़ता है।पुरी और वर्मा का राज्यसभा कार्यकाल 25 नवंबर को समाप्त हो रहा है।

ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या दोनों नेताओं को संसद में पहुंचाने के लिए कोई दूसरा रास्ता अपनाया जाएगा या फिर केंद्र में व्यापक मंत्रिमंडल फेरबदल की तैयारी है। हालांकि, भाजपा की ओर से अभी इस संबंध में कोई आधिकारिक संकेत नहीं दिया गया है।भाजपा ने उत्तर प्रदेश के अलावा उत्तराखंड की राज्यसभा सीट के लिए दिनेश आर्य और पश्चिम बंगाल की उपचुनाव वाली सीट के लिए तृणमूल कांग्रेस से भाजपा में आए रुक्मिणी कोयल मलिक को उम्मीदवार बनाया है।

भाजपा सेवा संकल्प अभियान के तहत आंगन सेवा संकल्प कार्यक्रम संपन्न

हैदराबाद, 5 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी के सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत गोलकोंडा जिला के गोशामहल डिवीजन में 'आंगन सेवा संकल्प' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गोलकोंडा जिला अध्यक्ष डॉ. सुरेखा जी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का नेतृत्व भाजपा महिला मोर्चा, गोलकोंडा जिला की उपाध्यक्ष सुश्री मीनाक्षी सिखवाल जी ने किया। कार्यक्रम के दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का सम्मान किया गया। साथ ही गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की रस्म भी संपन्न कराई गई।इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री रघुनंदन यादव जी, श्री डी. गोपाल जी, श्री जुगल किशोर सोनी जी, श्री सोमराज सिंह जी, श्री राजेंद्र ठाकुर जी, विद्या शिंदे जी सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कांग्रेस हाईकमान के सख्त रुख के बाद हरीश रावत ने स्थगित की यात्राएं

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)।

उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता हरीश रावत की धन्यवाद एवं जनसंवाद यात्रा को लेकर कांग्रेस हाईकमान के सख्त रुख के बाद राज्य की राजनीति गर्मा गई है। कांग्रेस संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल द्वारा नेताओं के 'व्यक्तिगत अभियानों' पर रोक लगाने और कार्रवाई की चेतावनी दिए जाने के बाद हरीश रावत ने अपनी प्रस्तावित आगे की 8-10 यात्राओं को स्थगित करने का फैसला किया है। हालांकि, उन्होंने पार्टी के इस रुख पर अनभिज्ञता जताते हुए कई सवाल भी खड़े किए हैं।

अपनी हालिया यात्रा के बाद मीडिया से बातचीत और सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट के माध्यम से हरीश रावत ने कहा, दिल्ली में फिर से मेरी धन्यवाद एवं जनसंवाद यात्रा को गलत समझा जा रहा है। कल मैंने वेणुगोपाल जी से मिलकर सारी स्थिति स्पष्ट की थी और कहा था कि यदि पार्टी कोई साझा कार्यक्रम बना रही है, तो मैं आगे की 8-10 यात्राएं स्थगित कर देता हूं। लेकिन आज की पूर्वनिर्धारित यात्रा को रद्द करना कार्यकर्ताओं के मनोबल के लिए ठीक नहीं था।

रावत ने कहा, शैलजा जी ने मुझे 7 अक्टूबर की शाम 7 बजे मिलने का समय दिया है। पार्टी को स्पष्टीकरण मांगने का पूरा अधिकार है और मैं अपनी बात रखूंगा। लेकिन मेरी समझ से परे है कि जब लंबे समय से पार्टी का कोई बड़ा जनसंपर्क अभियान सड़कों या गांवों में नहीं चल रहा था, तो मेरी इस यात्रा से संगठन में कहां कमजोरी आ रही है?

हरीश रावत ने जोर देकर कहा कि उनकी यात्राओं का मुख्य मकसद शांत पड़ी राज्य कांग्रेस में नई जान फूंकना और कार्यकर्ताओं में उत्साह पैदा करना था। उन्होंने कहा, मेरा शुरुआती काम उत्तराखंड कांग्रेस को हिलाना और कार्यकर्ताओं को जगाना था, वह उद्देश्य मैंने हासिल कर लिया है। अब अगर पार्टी कोई नया साझा अभियान शुरू करती है, तो हम सब पार्टी के तय कार्यक्रम के अनुसार ही आगे बढ़ेंगे।

हम काका की उम्मीदों को पूरा करने के लिए काम करेंगे

युवाओं के लिए रोजगार, गरीबों के लिए न्याय और सामाजिक न्याय की लड़ाई जारी रहेगी : गड्डम वमसी

हैदराबाद, 05 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। दिवंगत जननेता और तेलंगाना आंदोलन के योद्धा काका वेंकटस्वामी की 97वीं जयंती के अवसर पर हैदराबाद में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस मौके पर पेद्दापल्ली के सांसद गड्डम वामसी कृष्णा ने टैंक बंड स्थित काका वेंकटस्वामी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद उन्होंने रवींद्र भारती में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया और काका वेंकटस्वामी की सेवाओं तथा उनके संघर्ष और लड़ने के जज्बे को याद किया।

इस अवसर पर बोलते हुए सांसद गड्डम वामसी कृष्णा ने कहा कि काका वेंकटस्वामी ने पार्टी की सीमाओं से ऊपर उठकर जो प्रेम और स्नेह अर्जित किया, उसने आज हर वर्ग के लोगों को एक मंच पर ला दिया है। उन्होंने कहा कि विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, जनप्रतिनिधियों और काका के प्रशंसकों ने सत्तारूढ़ तथा विपक्षी दल की परवाह किए बिना उन्हें श्रद्धांजलि दी। यह काका वेंकटस्वामी के व्यक्तित्व और उनके प्रति लोगों के सम्मान का प्रमाण है।

वामसी कृष्णा ने कहा कि जब वह व्यवसाय क्षेत्र में थे, तब दत्तात्रेय और जना रेड्डी से मिली सलाह और सहयोग को वह कभी नहीं भूलेंगे। उन्होंने याद किया कि बचपन से ही उन्हें मंच पर केके, पोन्नम प्रभाकर, मोहम्मद अजहरुद्दीन और अन्य वरिष्ठ लोगों का आशीर्वाद मिलता रहा।

तेलंगाना के लिए गोली लगने के बाद भी पीछे नहीं हटे योद्धा

सांसद ने कहा कि अलग तेलंगाना राज्य के गठन के लिए काका वेंकटस्वामी का संघर्ष हमेशा इतिहास में दर्ज रहेगा। उन्होंने काका को ऐसे योद्धा के रूप में याद किया, जो शरीर में गोली लगने के बाद भी अपने संघर्ष से पीछे नहीं हटे।

वामसी कृष्णा ने कहा कि काका वेंकटस्वामी ने दृढ़ता से कहा था, मैं तेलंगाना आने के बाद ही आखिरी सांस लूंगा। उन्होंने अलग तेलंगाना राज्य के गठन के अपने संकल्प को पूरा करके दिखाया। सांसद ने कहा कि यदि काका तेलंगाना बनने के बाद भारत राष्ट्र समिति के दस वर्ष के शासन को देखते तो उन्हें बहुत दुख होता। उन्होंने कहा कि काका ने लाखों गरीबों और मजदूरों को घर के पट्टे दिलाकर उनके साथ खड़े रहने का काम किया था, लेकिन पिछले दस वर्षों में जमीनों पर कब्जे, जमीन घोटालों और रेत माफिया जैसी गतिविधियों को देखकर उन्हें दुख और गुस्सा आता है।

मजदूरों की पेंशन बढ़ाकर 10 हजार रुपये की जाए

सांसद ने कहा कि यह दुखद है कि काका वेंकटस्वामी के श्रम मंत्री रहते मजदूरों के लिए जो पेंशन शुरू की गई थी, वह आज भी केवल 500 रुपये है। उन्होंने कहा कि वह संसद में केंद्र सरकार पर मजदूरों की पेंशन बढ़ाकर 10 हजार रुपये करने का दबाव बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं।

आरएफसीएल की अनदेखी हुई तो संघर्ष करेंगे

वामसी कृष्णा ने याद दिलाया कि काका वेंकटस्वामी और मंत्री विवेक वेंकटस्वामी ने रामागुंडम उर्वरक कारखाना (आरएफसीएल) के मामले में तत्कालीन मनमोहन सिंह सरकार से संघर्ष किया था। उन्होंने कंपनी को लगभग 1,000 करोड़ रुपये के कर्ज से बाहर निकालने के लिए कड़ी मेहनत की थी। मूल विवरण में इस संबंध में 10 हजार करोड़ रुपये का भी उल्लेख किया गया है।

उन्होंने कहा कि आरएफसीएल के माध्यम से लगभग 3 हजार लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिला है, लेकिन दिल्ली सरकार उचित प्रबंधन के अभाव में कंपनी की अनदेखी कर रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे आरएफसीएल के प्रबंधन के खिलाफ बिना किसी समझौते के संघर्ष करेंगे, ताकि तेलंगाना के किसानों को पर्याप्त मात्रा में यूरिया उपलब्ध हो सके।

युवाओं को रोजगार देना लक्ष्य

सांसद ने कहा कि काका वेंकटस्वामी की उम्मीदों के अनुरूप तेलंगाना के युवाओं को रोजगार और कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि टॉमकॉम के माध्यम से युवाओं को विदेशों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के साथ-साथ उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्रों के माध्यम से आधुनिक तकनीकी कौशल का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि हर वर्ष हजारों युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए इन कार्यक्रमों का विस्तार किया जा रहा है।

प्राणहिता-चेवेल्ला परियोजना काका का सपना

वामसी कृष्णा ने कहा कि काका वेंकटस्वामी का एक और महत्वपूर्ण सपना प्राणहिता-चेवेल्ला परियोजना था। उन्होंने बताया कि उन्होंने हाल ही में केंद्रीय मंत्री सी.आर. पाटिल से इस परियोजना को आगे बढ़ाने के संबंध में बातचीत की है। इसके पूरा होने से आदिलाबाद क्षेत्र में करीब ढाई लाख एकड़ भूमि को सिंचाई सुविधा मिलने की संभावना है।

उन्होंने कहा कि इस परियोजना में पहले ही 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश हो चुका है। वामसी कृष्णा ने कहा कि वह काका वेंकटस्वामी के सपने को पूरा करने की दिशा में प्राणहिता-चेवेल्ला परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे।

सांसद गड्डम वामसी कृष्णा ने कहा, हम काका के दिखाए संघर्ष के रास्ते पर लगातार जनता की भलाई और सामाजिक न्याय के लिए काम करते रहेंगे। उनके आदर्शों और लड़ने की भावना को आने वाली पीढ़ियों तक ले जाना हम सभी की जिम्मेदारी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.